सूर्योदय दि. 05-08-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

# ओपन सर्च

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

'बेलबॉटम' का ट्रेलर...पृष्ठ-8

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com  Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in  Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 06 अंक : 126  नई दिल्ली, गुरुवार 05 अगस्त-2021  नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित  मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

### कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसल

# कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा पर होगा जोर, सरकारी स्कूलों में भी होंगे प्ले स्कूल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2026 तक स्कूली शिक्षा के लिए समग्र शिक्षा योजना को जारी रखने की मंजूरी दी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दायरा बढ़ाया जा रहा है। इसका अनुदान भी बढ़ाया जा रहा है। पिछड़े इलाकों में इसे 12वीं तक किया जाएगा। रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण जो बच्चियों के लिए सेल्फ डिफेंस की एक पहल है।

इसके लिए 3 महीने के प्रशिक्षण में 3000 रुपये खर्च किया जाता था इसे 5000 रुपये तक बढ़ाया जाएगा। पहली बार सरकार ने समग्र शिक्षा योजना के भीतर बाल सुरक्षा को जोड़ा है। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए आयोग बनाने के लिए राज्यों को सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कक्षा 6 से 8 तक व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया जाएगा। कक्षा 9-12 में कौशल पर ध्यान रखा जाएगा। स्कूलों में अधिक आधुनिक कौशल के साथ-साथ कोडिंग, संवर्धित और आभासी वास्तविकता आदि को औपचारिक रूप देने के लिए वार्ता आयोजित की जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं समग्र शिक्षा 2.0 के अन्तर्गत प्ले स्कूल एवं आंगनबाड़ी का औपचारीकरण किया जा रहा है। सरकारी स्कूलों में प्ले स्कूल भी होंगे।

शिक्षकों को उसी के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि स्कूली शिक्षा समाज के सभी वर्गों तक समान रूप में पहुंच सके और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो, इस उद्देश्य से 2018 में समग्र शिक्षा योजना लागू की गई थी। अब इसे 1 अप्रैल 2021 से बढ़ाकर मार्च 2026 तक किया जाएगा। इसमें कुल 2,94,283 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान होगा। इसमे केंद्र की हिस्सेदारी 1,85,398 करोड़ रुपये होगी। ये योजना सरकारी और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त 11.6 लाख स्कूल, 15.6 करोड़ छात्र और 57 लाख शिक्षकों को कवर करेगी। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं, नाबालिग लड़कियों को जल्द न्याय मिल सके इसके लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट को लेकर इस योजना को लगभग 1023 फास्ट ट्रैक कोर्ट चलते रहेंगे। इसमें 389 पॉस्को कोर्ट हैं। इसपर कुल खर्च 1572.86 करोड़ होगा। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा लगभग 971.70 करोड़ होगा और 601.16 करोड़ शेयर राज्य सरकारों का होगा।1

1.60 लाख स्कूलों के 15 करोड़ बच्चों होंगे लाभांवित इसके दायरे में सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त 11.6 लाख स्कूल, 15.6 करोड़ बच्चे और 57 लाख शिक्षक आएंगे। इस स्कीम के तहत चरणबद्ध तरीके से अगले कुछ सालों में स्कूलों में बाल वाटिका, स्मार्ट कक्षा, प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था की जाएगी तथा आधारभूत ढांचे, व्यावसायिक शिक्षा एवं रचनात्मक शिक्षण विधियों का विकास किया जाएगा।समग्र शिक्षा अभियान के विस्तार में स्कूलों में समावेशी और खुशहाल वातावरण बनाने पर जोर दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि शिक्षा के सतत विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए समग्र शिक्षा योजना को बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति और योजना का भी हिस्सा है। पहली प्रधान ने बताया कि पहली बार समग्र शिक्षा योजना में बच्चों की सुरक्षा को शामिल किया गया है।

*केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2026 तक स्कूली शिक्षा के लिए समग्र शिक्षा योजना को जारी रखने की मंजूरी दी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दायरा बढ़ाया जा रहा है।*

*बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए आयोग बनाने के लिए राज्यों को सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कक्षा 6 से 8 तक व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया जाएगा। कक्षा 9-12 में कौशल पर ध्यान रखा जाएगा। स्कूलों में अधिक आधुनिक कौशल के साथ-साथ कोडिंग, संवर्धित और आभासी वास्तविकता आदि को औपचारिक रूप देने के लिए वार्ता आयोजित की जाती है।*

### चीन की चुनौतियों से निपटने में होगी आसानी

# देश के पहले विमानवाहक पोत विक्रांत का समुद्र में परीक्षण शुरू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत विक्रांत का समुद्र में परीक्षण शुरू हो गया है। यह देश में बना और डिजाइन किया गया सबसे बड़ा युद्धपोत जो दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देगा। भारतीय नौसेना ने इस मौके को ऐतिहासिक बताया है। भारतीय नौसेना ने कहा कि देश के लिए यह गौरवान्वित करने वाला पल है।

इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों में शुमार हो गया है जिसके पास देश में ही अत्याधुनिक विमानवाहक पोत तैयार करने की विशिष्ट क्षमता है। इसके निर्माण में करीब 23,000 करोड़ रुपये की लागत आई है। बता दें कि इसी नाम के एक जंगी जहाज ने 50 साल पहले 1971 के युद्ध में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। विक्रांत का पहली बार समुद्र में परीक्षण हो रहा है।

समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रायल के बाद इसको अगले साल की दूसरी छमाही में भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने की उम्मीद है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि यह भारत में बना सबसे बड़ा और विशालकाय युद्धपोत है। आज ऐतिहासिक दिन है। साल 1971 के युद्ध में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले अपने शानदार पूर्ववर्ती जहाज के 50वें साल में यह समुद्री ट्रायल के लिए रवाना हुआ है। यह आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की पहल में एक बड़ा योगदान है।

इस विमानवाहक जहाज को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने निर्मित किया है। मालूम हो कि देश में अभी एक ही विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य है। भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान की बढ़ती चुनौतियों से निपटने पर जोर दे रही है। नौसेना हिंद महासागर में सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की चीन की बढ़ती कोशिशों को देखते हुए अपनी संपूर्ण क्षमता को बढ़ाने पर जोर दे रही है।

सामरिक और रणनीतिक लिहाज से हिंद महासागर बहुत महत्वपूर्ण है। इस युद्धपोत के भारतीय सेना में शामिल होने से दुश्मन देशों पर एक बड़ा दबाव बन सकेगा।

**सबसे बड़े स्वदेशी युद्धपोत की खूबियां**

विमानवाहक पोत विक्रांत का वजन 40,000 टन है। यह विमानवाहक पोत करीब 262 मीटर लंबा और 62 मीटर चौड़ा है। इस जहाज पर 30 लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर तैनात किये जा सकते हैं। इस जहाज पर मिग-29के लड़ाकू विमानों एक बेड़ा तैनात किया जाएगा। यही नहीं यह विमान वाहक पोत केए-31 हेलीकॉप्टरों से भी लैस होगा। 23 हजार करोड़ रुपए आई लागत

## एक नज़र

### देश में 24 घंटे में 5,395 सक्रिय मामले बढ़े

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) के 5,395 सक्रिय मामले बढ़े है तथा 562 लोगों की मौत हुई है। इस बीच देश में मंगलवार को 62 लाख 53 हजार 741 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये तथा अब तक 48 करोड़ 52 लाख 86 हजार 570 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार 24 घंटों में कोरोना के 42,626 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 17 लाख 69 हजार 132 हो गया है। इस दौरान 36 हजार 668 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3,09,33,022 हो गयी है।

सक्रिय मामले 5395 बढ़कर चार लाख 10 हजार 353 हो गये हैं। इसी अवधि में 562 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 25 हजार 757 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर घटकर 1.29 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 97.37 फीसदी और मृत्यु दर 1.34 फीसदी है।

### सेंसेक्स पहली बार 54370 अंक पर और निफ्टी भी 16259 अंक पर

**मुंबई (एजेंसी)।** वैश्विक स्तर से मिले मिश्रित संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर बैंकिंग और वित्तीय समूह की कंपनियों में हुयी लिवाली के बल पर शेयर बाजार नये शिखर पर पहुंचने में सफल रहा और इस दौरान बीएसई का 30शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 546.41 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 54 हजार अंक के स्तर को पार करते हुये 54369.77 अंक पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 128.05 अंकों की तेजी के साथ नये रिकार्ड स्तर 16258.80 अंक पर रहा। बैंकिंग और वित्त समूह की कंपनियों में हुयी लिवाली के बल पर सेंसेक्स जहां नये शिखर पर पहुंच गया वहीं मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई का मिडकैप 1.05 प्रतिशत गिरकर 23129.71 अंक पर और स्मॉलकैप 1.06 प्रतिशत उतरकर 26847.56 अंक पर रहा। बीएसई में अधिकांश समूह गिरावट में रहे।

# मिलिट्री इंटेलिजेंस में सेंध लगा रही हैं विदेशी सीक्रेट एजेंसियां

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

विदेशी सीक्रेट एजेंसियां, जिनमें आर्मी इंटेलिजेंस यूनिट भी शामिल हैं, वे भारतीय सेना की मिलिट्री इंटेलिजेंस इकाई में सेंध लगाने का प्रयास कर रही हैं। इनका मकसद

भारतीय सेना की लड़ाकू यूनिटों की अधिक से अधिक जानकारी जुटाना है। इसके लिए विदेशी एजेंसियां, भारतीय सेना के जवानों और अधिकारियों को निशाना बना रही हैं। डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री इंटेलिजेंस डीजीएमआई और आईबी ने इसे लेकर आर्मी एवं दूसरे सशस्त्र बलों को सचेत किया है। फोन कॉल या सोशल मीडिया के जरिए अगर कोई स्टाफ कर्मी किसी अपरिचित के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करता है तो उसके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पिछले सप्ताह ही कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक, पालम दिल्ली छावनी द्वारा इस मामले में एक आदेश जारी किया गया है। हालांकि यह आदेश डीजीएमआई के हवाले से सेना की सभी यूनिटों में जारी हुआ है।

डीजीएमआई को इस तरह की जानकारी मिली है कि विदेशी सीक्रेट एजेंसियां, भारतीय सेना की लड़ाकू यूनिटों को लेकर खुफिया सूचना हासिल करना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइटों का जाल बिछाया है। साथ ही व्हाट्सएप और फेसबुक के माध्यम से भी वे एजेंसियां हमारी सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां बाहर निकालने का प्रयास करती हैं। संयुक्त सैन्य कमान, इस अवधारणा के विषय में क्या चल रहा है, कौन राजी है, कौन नहीं, इस संबंध में विदेशी एजेंसियां दस्तावेजों सहित सूचना निकालने का प्रयास कर रही हैं।

# लोकसभा को कार्यवाही हंगामे के कारण दिनभर के लिए स्थगित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

लोकसभा में पेगासस जासूसी मामला, किसानों के मुद्दे और आसमान छूती महंगाई के मसले पर विपक्ष के सदस्यों ने लगातार 12वें दिन भी हंगामा जारी रखा जिसके कारण तीन बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। भोजनावकाश के बाद साढ़े तीन बजे तीसरी बार जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष के सदस्य पहले की तरह हंगामा करते हुए सदन के बीचोबीच आ गये और नारेबाजी करने लगे। पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने सदस्यों को शांत करने की कोशिश की लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। हंगामे के बीच ही श्री अग्रवाल ने नारियल विकास बोर्ड (संशोधन) अधिनियम 2021 को सदन में पारित कराने के लिए रखवाया। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने हंगामे के बीच सदन में विधेयक पारित होने के लिए पेश किया और सदन ने

इसे बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक के पारित होने के तत्काल बाद पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सदन की कार्यवाही लगातार तीन बार स्थगित हुई। प्रश्नकाल के दौरान दो बार के स्थगन के उपरांत दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही तीसरी बार जैसे ही शुरू हुई, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और शिरोमणि अकाली दल समेत विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा करते हुए अध्यक्ष के आसन तक पहुंच गये। सदस्यों के हाथों में किसानों के मुद्दे, पेगासस जासूसी और महंगाई से जुड़े भिन्न-भिन्न प्रकार के नारे लिखी तख्तियां मौजूद थीं। पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र अग्रवाल ने हंगामा के बीच ही महत्वपूर्ण दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाये। श्री अग्रवाल ने सदस्यों को अपनी सीट पर जाने का भी आग्रह किया, लेकिन वे नहीं माने और जोर-जोर से नारेबाजी करने लगे। अंततः सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले विपक्षी सदस्यों ने प्रश्नकाल को भी बाधित किया था और सदन की कार्यवाही उस दौरान दो बार स्थगित करनी पड़ी।

पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र अग्रवाल ने एक बार के स्थगन के बाद 1130 बजे जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया था तो विपक्ष के सदस्य बैनर तथा तख्तियां लेकर सदन के बीचोबीच आ गए और नारेबाजी करने लगे। श्री अग्रवाल ने उन्हें ऐसा नहीं करने की सलाह दी और सदन चलाने का प्रयास किया लेकिन सदस्यों का हंगामा लगातार जारी रहा।

# भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण विधेयक पर संसद की मुहर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

छोटे शहरों में हवाई अड्डों के संचालन से संबंधित भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण विधेयक 2021 पर बुधवार को संसद की मुहर लग गयी। राज्यसभा में विपक्ष के भारी हंगामे के बीच इस विधेयक को संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लसेकसभा में यह पहले ही पारित हो चुका है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मोदी सरकार सभी वर्गों का विकास करना चाहती है। सरकार के प्रयासों से छोटे शहरों में वायु सेवा पहुंच रही है। सरकार यात्रा का 'प्रजातांत्रिकरण - लोकतांत्रिकीकरण' कर रही है। इस विधेयक के पारित होने से छोटे शहरों में भी हवाई अड्डों का संचालन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि देश में जल्दी ही हवाई अड्डों की संख्या 175 तक पहुंचा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार की योजना जहां रेल है , वहां विमान सेवा पहुंचाने की है। देश में विमान सेवाओं की बहुत संभावनायें हैं और फिलहाल देश में छोटे शहरों से प्रतिदिन 150 से 170 उडानों का

संचालन प्रतिदिन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यह महत्वकांक्षी विधेयक हैं जिससे देश में नयी तरक्की के रास्ते खुलेंगे। चर्चा में तेलंगाना के के आर सुरेश रेड्डी, अन्नाद्रमुक के एम. थंबीदुरै, वाईएसआरसीपी के वी. विजयसाई रेड्डी ने हिस्सा लिया। विपक्षी दलों ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया।

# उच्च शिक्षा तक सभी की पहुंच की दिशा में डीएसईयू की अनूठी पहल

## दाखिला देने उनके घर जा रही दिल्ली स्किल एंड एंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी

**ओपन सर्च.संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली स्किल एंड एंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी ने पूरी दिल्ली में कम आय वाले स्लम क्लस्टर तक बेहतर स्किल एजुकेशन पहुँचाने के लिए एडमिशन हेल्पडेस्क शुरू किया है। यूनिवर्सिटी ने अपने अनोखे कार्यक्रम जिसमे यूनिवर्सिटी एडमिशन के लिए खुद विद्यार्थियों तक जाती है, के तहत दो स्लम क्लस्टर नवजीवन कैंप और कालकाजी ट्रांजिट कैंप में एक एडमिशन ड्राइव शुरू किया गया इस आउटरीच कार्यक्रम में स्थानीय विधायक और दिल्ली विधानसभा के शिक्षा समिति की अध्यक्ष आतिशी भी शामिल हुईं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए स्थापित स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू किए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में युवाओं के साथ जानकारी साझा करना था। डीएसईयू की टीम ने झुग्गी बस्तियों में घर-घर जाकर 10वीं और 12वीं पास कर चुके छात्रों से

बात की तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति के अवसरों के साथ-साथ विभिन्न डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश मानदंड, पात्रता, प्रवेश परीक्षा के बारे में बताया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विश्वविद्यालय के साथ अपनी पिछली बातचीत में कहा था कि , परंपरागत रूप से, विद्यार्थी जानकारी लेने और एडमिशन के लिए यूनिवर्सिटी में जाते हैं, लेकिन इस प्रथा को बदलते हुए दिल्ली स्किल यूनिवर्सिटी खुद एडमिशन देने और एडमिशन संबंधी जानकारी साझा करने विद्यार्थियों तक जाएगी , खासकर उन स्टूडेंट्स तक जो लम्बे समय तक शिक्षा से वंचित रहे हैं। विधायक आतिशी ने इस आउटरीच प्रोग्राम में बच्चों व उनके पेरेंट्स से स्किल एजुकेशन और एंत्रप्रेन्योरशिप के अवसरों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि , यह उन छात्रों के लिए एक शानदार मौका है जो 10 वीं- 12 वीं के बाद जॉब ओरिएंटेड उच्च शिक्षा पाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ह्रस्व में पाठ्यक्रमों को इंडस्ट्रीज की साझेदारी के साथ बनाया गया हैं और प्रत्येक पाठ्यक्रम के साथ इंटर्नशिप एम्बेडेड है इस प्रकार एडमिशन लेने के तुरंत बाद से ही विद्यार्थियों बेहतर ढंग से इंडस्ट्रीज के साथ कनेक्ट रहेंगे। डीएसईयू ने 25 से अधिक स्लम क्लस्टर में इस तरह के आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए हैं जो विभिन्न आय वर्गों के विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए डीएसईयू के ज़्यादातर कैंपस के आसपास स्थित हैं। उपकुलपति प्रो. नेहारिका वोहरा ने कहा की, हमारी कोशिश रहती है कि कोई भी विद्यार्थी जानकारी के अभाव में अवसरों को न खोए। डीएसईयू में, हम सभी स्टेकहोल्डर्स - स्टूडेंट्स, टीचर्स, पेरेंट्स, इंडस्ट्री और सरकार को स्किल्स सीखने-सिखाने और इसके विकास को प्राथमिकता देने के लिए आमंत्रित करते है।

*स्लम क्लस्टर में एडमिशन हेल्पडेस्क; उच्च शिक्षा तक सभी की पहुंच की दिशा में डीएसईयू की अनूठी पहल*

*डीएसईयू के कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम से हर वर्ग के विद्यार्थियों की होगी बेहतर स्किल एजुकेशन तक पहुँच*

# मध्य प्रदेश में बाढ़ का कहर, सैकड़ों गांव बने टापू

**भोपाल (एजेंसी)।** अगस्त माह की शुरआत से मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल में शुरू हुई बारिश के कारण शिवपुरी-श्योपुर, ग्वालियर के डबरा-भितरवार में बाढ़ के हालात हैं। लगातार तेज बारिश के

कारण सिंध, पार्वती, चंबल और श्योपुर की आधा दर्जन से अधिक नदियों में पानी खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रहा है। अंचल के लगभग सभी बांध ओवरफ्लो चल रहे हैं। इस कारण दो सैकड़ा से अधिक गांव टापू बन गए हैं और हजारों लोग बाढ़ में फंस गए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भोपाल से बाढ़ के हालातों पर निगाह बनाए हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री से बचाव कार्य के लिए सेना की मदद मांगी। मंगलवार रात को सेना की कुछ टुकड़ियां पहुंच गई। कुछ टुकड़ियां बुधवार सुबह शिवपुरी, श्योपुर, डबरा और भितरवार पहुंची हैं।

opensearch

## एक नज़र

### आंखों के सामने कराना चाहती थी पति की हत्या, प्रेमी संग मिलकर बनाया था प्लान

**अंबेडकरनगर (एजेंसी)।** जिले चार दिन पहले शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के आरोप में पूर्व पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। प्रेमी दयाशंकर ने पूरी घटना में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। शिक्षक रामशंकर मिश्रा की हत्या की पटकथा दो वर्ष पहले ही तैयार की गई थी। इसे अमलीजामा पहनाने के लिए प्रेमी युगल ढाई माह से प्रयासरत थे। आरोपित महिला घटना को अपनी आंखों के सामने अंजाम दिलाना चाहती थी। हालांकि, उसे यह अवसर नसीब नहीं हो सका, लेकिन उसके सपने को प्रेमी ने आखिरकार एक अगस्त को पूरा कर दिया।

दो साल से बनाई हत्या की योजनाः दोनों ने शिक्षक के स्कूल से लेकर बेलाघाट पुल, बेला-खजुरी मार्ग, खजुरी-समंथा मार्ग, इटवा तालाब व प्राथमिक विद्यालय, समंथा-जमोलीगंज मार्ग व घर तक कई बार रेकी की थी। वे दो-तीन बार मोटरसाइकिल से उसके घर तक पहुंचकर उसकी दिनचर्या आदि का भेद परिवारजन व गांव वालों से लेते रहे। ढाई महीने से घटना को अंजाम देने के लिए दोनों परेशान थे। इसका एहसास रामशंकर को दो साल पहले तब हो गया था, जब उन्होंने महरुआ थाने के गांव लौटन सेमरी निवासी गीता से तीसरी शादी कर ली। उस समय उनकी दूसरी पत्नी सुनीता पांडेय ने अपने प्रेमी रवि पांडेय के साथ उसके घर पहुंचकर विवाद किया और जाते समय हत्या की धमकी दी थी। इससे वह काफी सतर्क रहते थे। वह विद्यालय रास्ता बदलकर आते जाते थे। रेकी किए जाने से उन्हें खतरे का एहसास हो गया था। इसके बावजूद उन्होंने इसकी जानकारी किसी को नहीं दी।

घटना के चार दिन पूर्व सिर्फ अपनी पत्नी गीता से रेकी की बात साझा की थी। एक साथ मारी छह गोलियांःशनिवार को आरोपित रवि घटना को अकेले ही अंजाम देने की नीयत से निकल पड़ा। पुलिस के मुताबिक उसने प्रेमिका सुनीता को इसकी जानकारी दिए बगैर अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर लेकर सुल्तानपुर जिले के प्राथमिक विद्यालय बिरमलपुर पहुंचा। स्कूल से कुछ दूर पांच घंटे से अधिक समय तक शिक्षक के निकलने का इंतजार किया। स्कूल से निकलते ही मोटरसाइकिल से उनके पीछे लग गया। रास्ते में सुनसान जगहों पर मारना चाहा, लेकिन परिस्थितियां बाधक बन गईं। अंततः यह मौका उसे ईंटवा स्कूल के निकट मिल गया और रिवाल्वर की छह गोलियां उतारकर मौत की नींद सुला दिया। थानाध्यक्ष दयाशंकर ने अपने इकबालिया जुर्म किया है।

### ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर, एक महिला की मौत

**अमेठी (एजेंसी)।** अमेठी जिले के गौरीगंज कस्बे की सब्जी मंडी में अनियंत्रित ट्रक के एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने से उस पर सवार एक महिला की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि देवपति (50) को उनका दामाद मुन्नू मौर्या मोटरसाइकिल से लुगरी गांव छोड़ने जा रहा था। रास्ते में गौरीगंज सब्जी मंडी के पास एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी, जिससे देवपति की मौके पर ही मौत हो गयी।

उन्होंने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अन्य कानून औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

### मायावती ने दिल्ली दरिंदगी प्रकरण में सख्त कार्रवाई की मांग की

**लखनऊ (एजेंसी)।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने दिल्ली के छावनी इलाके में पिछले दिनों नौ साल की दलित लड़की के साथ कथित रूप से बलात्कार के बाद उसकी हत्या किये जाने की घटना की निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, 'दिल्ली कैंट के नागल गाँव में नौ वर्षीय दलित लड़की से बलात्कार के बाद उसकी नृशंस हत्या व फिर उसके शव को जला देने की घटना अत्यंत दुःखद व शर्मनाक है। दोषियों के विरुद्ध अविलम्ब सख्त कार्रवाई करने व ऐसी घटनाओं की पुनरावृति रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की बसपा की माँग है।' गौरतलब है कि रविवार को दिल्ली कैंट थाना क्षेत्र के एक गांव में नौ साल की बच्ची की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। आरोप है कि बच्ची से श्मशान घाट के अंदर बलात्कार कर उसकी हत्या करके शव जला दिया गया।

इस मामले में शुरुआत में पुलिस ने लापरवाही से मौत, सबूत मिटाने और परिजनों को बिना बताए शव का अंतिम संस्कार करने जैसे मामलों में मुकदमा दर्ज किया था। सोमवार को मामले में पुलिस ने सामूहिक बलात्कार, हत्या, पॉक्सो, एससी-एसटी एक्ट और जान से मारने की धमकी देने समेत कई अन्य धाराएं भी जोड़ दीं। इस मामले में श्मशान घाट के पुजारी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

### सहेली के भाई ने अश्लील वीडियो बनाकर छात्रा की लूटी अस्मत, पीड़िता ने किया खुदकुशी का प्रयास

**बांदा (एजेंसी)।** प्रशासन और सरकार के महिला सुरक्षा के संयुक्त प्रयास को एक बार फिर धता बताते हुए जिले में दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। दरअसल, यहां आरोपित ने घटना के समय अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने व जान से मारने की पीड़िता को धमकी दी। बाद में जब आरोपित ब्लैकमेल कर उसका यौनशोषण करने लगा तो छात्रा ने खुदकुशी करने का प्रयास किया। मामला स्वजन की जानकारी में आने पर आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

बबेरू कोतवाली क्षेत्र में कस्बा निवासी 20 वर्षीय युवती स्नातक छात्रा है। उसकी सहेली नेता नगर स्थित मोहल्ले में रहती है। सहेली के भाई निखिल सोनी ने छात्रा को ब्लैकमेल करते हुए उस पर दबाव बनाया और छात्रा की अस्मत लूटी इससे आजिज आकर छात्रा ने दो जुलाई को अपने घर में फांसी लगाने का प्रयास किया। भाई के देख लेने पर उसने निराश बहन की जान बचाई। इससे पीड़ित छात्रा ने रोते हुए अपने भाई से आपबीती बताई।

भाई के समझाने पर छात्रा ने आरोपित युवक निखिल सोनी के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दी। छात्रा ने बयां किया दर्दः छात्रा ने बताया कि 25 मार्च को आरोपित निखिल ने घर आकर सहेली के बुलाने की बात उससे कही थी। इससे उसके साथ वह बाइक में सहेली के घर गई। वहां सहेली के घर में कोई नहीं था। सहेली के भाई ने उसके साथ दुष्कर्म करने के साथ अश्लील वीडियो बनाया था। बाद में वीडियो वायरल करने व भाई को जान से मरवाने की धमकी देते हुए आरोपित ने उसके साथ 20 जुलाई को यौनशोषण किया। आगे भी इसी तरह वह यौनशोषण करने के लिए दबाव बनाता रहा है।

पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। सीओ सियाराम ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद आरोपित युवक को पुलिस ने कस्बे की नहर के पास से गिरफ्तार किया है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के साथ उसे 164 के बयान के लिए न्यायालय भेजा गया है।

### नाले में मिली ड्राइवर की लाश से मचा हड़कंप पुलिस जांच में जुटी

**शाहजहांपुर (एजेंसी)।** यूपी के शाहजहांपुर में उस समय सनसनी फैल गई जब एक ट्रक ड्राइवर का शव नाले में पड़ा मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

दरअसल मामला थाना रोजा क्षेत्र के निवाजपुर का है। जहां पंजाब बैंक के सामने बने नाले में शव पड़े होने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने नाले से शव निकलवाने के बाद जब उसकी तलाशी ली उसकी जेब से डीएल मिला जिससे उसकी पहचान श्रीकांत पुत्र राममूर्ति निवासी रेती थाना रामचंद्र मिशन के रूप में हुई ड्राइवर की मौत कैसे हुई इस बात की गुत्थी अभी उलझी हुई है हत्या है या हादसा।

फिल्हाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

# बसपा सुप्रीमो मायावती ने नांगल गांव दुष्कर्म-हत्या मामले में जताया दुख, दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग

**बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिल्ली कैंट के नांगल गांव में एक नौ वर्ष की बची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि घटना अति दुखद और शर्मनाक है।**



**लखनऊ(एजेंसी)।** दिल्ली के कैंट इलाके में 9 साल की मासूम के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला गरमा गया है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिल्ली कैंट के नांगल गांव में एक नौ वर्ष की बची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि घटना अति दुखद और शर्मनाक है। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए ताकि ऐसी घटनाएं दोबार न हों।

बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि दिल्ली कैंट के नागल गांव में नौ वर्षीय दलित लड़की की दुष्कर्म के बाद उसकी नृशंस हत्या व फिर उसके शव को जला देने की घटना अति दुखद और शर्मनाक है। दोषियों के विरुद्ध अविलंब सख्त कार्रवाई करने व ऐसी घटनाओं की पुनरावृति रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की बीएसपी की मांग। बता दें कि रविवार को दिल्ली कैंट थाना क्षेत्र के एक गांव में नौ साल की बची की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। आरोप है कि बची से श्मशान घाट के अंदर दुष्कर्म कर उसकी हत्या करके शव जला दिया गया। इस मामले में शुरुआत में पुलिस ने लापरवाही से मौत, सबूत मिटाने और परिवारीजन को बिना बताए शव का अंतिम संस्कार करने जैसे मामलों में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, हत्या, पॉक्सो, एससी-एसटी एक्ट और जान से मारने की धमकी देने समेत कई अन्य धाराएं भी जोड़ दीं। इस मामले में श्मशान घाट के पुजारी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डीसीपी इंगित प्रताप सिंह ने बुधवार को बताया कि बची के शरीर के बचे हुए अंगों का पोस्टमार्टम कराया गया है। डॉक्टरों के बोर्ड ने बताया है कि शरीर के जितने अंग हैं उनसे मौत के कारण का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता।

अवशेषों को हम परिवार को सौंप देंगे। उन्होंने कहा कि लाई डिटेक्टर और नार्को टेस्ट के लिए आरोपी की सहमति जरूरी होती है। अगर आरोपी मान जाते हैं तो हम लाई डिटेक्टर और नार्को टेस्ट करेंगे। हम लोग आरोपियों को न्यायिक हिरासत से रिमांड में लाएंगे और पूछताछ करेंगे।

## मंत्री नगर विकास आशुतोष टंडन ने सिहानी पहुंचकर गार्बेज फैक्ट्री का लिया जायजा

**ओपन सर्च ब्यूरो**

**गाजियाबाद।** नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर द्वारा बताए गए गार्बेज फैक्ट्री के विषय पर मंत्री नगर विकास आशुतोष टंडन द्वारा सिहानी पहुंचकर गार्बेज फैक्ट्री का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान किस प्रकार शहर का कचरा गार्बेज फैक्ट्री तक लाया जाता है और उस कचरे को गीला व सूखा अलग-अलग कर जैविक खाद के रूप में परिवर्तित होने तक की प्रक्रिया का जायजा लिया। इस मौके पर नगर आयुक्त द्वारा उन्हें बताया गया कि प्रतिदिन गार्बेज फैक्ट्री में लगभग 150 टन कचरा प्रो[illegible] कर जैविक खाद में परिवर्तित कि[illegible] जाता [illegible] त[illegible] शहर को कचरा मुक्त ब[illegible] के लि[illegible] सिहानी में 150 कैपेसिटी तथा रेत [illegible] 350 कै[illegible]सटी [illegible] गार्बेज फैक्ट्री लगाई गई। [illegible] आयुक्त द्वारा मंत्री को [illegible] गया कि गार्बेज फैक्ट्री में रजिस्टर्ड रैग पिकर को भी जोड़ा गया है तथा इ.पी.[illegible]आर.मॉडल [illegible] गार्बेज फैक्ट्री को डे[illegible]लप कर [illegible] किए [illegible] की योजना बनाई गई है।



*सिहानी पहुंचकर गार्बेज फैक्ट्री का जायजा लेते हुए नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, साथ में हैं महापौर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर।*

मंत्री टंडन द्वारा फैक्ट्री का जायजा लेने तथा मशीनों द्वारा किए जा रहे कार्यों को देख कर शहर हित में और अधिक बेहतर प्रयास करने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए गए। साथ ही सफल संचालन हेतु मंत्री आशुतोष टंडन द्वारा गाजियाबाद नगर निगम को शुभकामनाएं दी गई। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर हित में किए जा रहे कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कार्यों से निर्माण विकास कार्यों के लिए सदैव प्रयासरत पार्षदों द्वारा मंत्री आशुतोष टंडन, महापौर आशा शर्मा तथा नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर को धन्यव[illegible] प्रेषित किया। महापौर तथा नगर [illegible]युक्त [illegible] कार्यक्रम में उपस्थित सभी [illegible]धायक[illegible] को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद दिया गया।

## विजय नगर ज़ोन अंतर्गत सुदामापुरी वार्ड नम्बर 7 का मामला

**-गाजियाबाद नगर निगम ने कराई 800 वर्ग मीटर जमीन कब्जा मुक्त**
**-कब्जा मुक्त कराई गई भूमि है लगभग 4 करोड़ रुपये मूल्य की**

**ओपन सर्च ब्यूरो**

**गाजियाबाद।** बुद्धवार को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा महापौर आशा शर्मा तथा नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशानुसार विजय नगर जोन के वार्ड नम्बर 7 अंतर्गत सुदामापुरी में पार्क की जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इस बारे में अपर नगर आयुक्त आरएन पांडे संपत्ति प्रभारी ने बताया कि उक्त



पार्क पर कब्जे की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। 9 मकान तथा 6 दुकानें पार्क में पक्का निर्माण कर बना ली गई थी, जिसको कब्जा मुक्त कराकर खाली कराया गया है। अवैध रूप से बने 6 मकान तोड़ दिए गए हैं। बाकी पर कार्यवाही जारी है। पार्क की जमीन लगभग चार करोड़ लागत की है। जमीन लगभग 800 वर्ग मीटर है। आज बुद्धवार को कार्यवाही की गई तथा कल गुरुवार को भी अभियान जारी रहेगा।

कब्जा मुक्त अभियान में गाजियाबाद नगर निगम के अपर नगर आयुक्त आर एन पांडे, संपत्ति अधीक्षक भोलानाथ, जोनल प्रभारी बनारसी दास, कर्नल दीपक शरण व अन्य टीम उपस्थित रहे। काफी मशक्कत के बाद उक्त जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया। जिस पर अवैध रूप से घर में दुकान बना कर कब्जा किया हुआ था। क्षेत्रीय पार्षद का विशेष सहयोग गाजियाबाद नगर निगम को निगम की भूमि कब्जा मुक्त कराने में प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय निवासियों द्वारा गाजियाबाद नगर निगम का धन्यवाद प्रकट किया गया तथा उक्त स्थल पर लाइब्रेरी या व्यवस्थित पार्क बनाने हेतु निवेदन किया जा रहा है।

## यूपी की सभी ग्राम पंचायतों में लागू होगा सिटीजन चार्टर

**लखनऊ (एजेंसी)।** गांवों का विकास कराने के साथ ही ग्राम पंचायतें जनसुविधाओं के प्रति भी जवाबदेह भी होंगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सभी 58,189 ग्राम पंचायतों में सिटीजन चार्टर लागू करने जा रही है, इसमें संबंधित सुविधा का समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा। शासन ने माडल सिटीजन चार्टर जारी कर दिया है। ग्राम पंचायतों को इसमें कुछ सुविधाओं का चयन करके 15 अगस्त तक लागू करना होगा। गांवों की सरकार यानी ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्यों का निर्वाचन हो चुका है। जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण के बाद ही सरकार ने विकास के लिए धन देने का ऐलान कर दिया।

हर ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय की स्थापना और पंचायत सहायक की नियुक्ति प्रक्रिया भी चल रही है। प्रदेश सरकार अब मेरी पंचायत, मेरा अधिकार जन सेवाएं हमारे द्वार अभियान शुरू कर रही है। इसमें गांव की सरकार को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाने की योजना है। लोगों को यह पता हो कि इस सुविधा का लाभ या समस्या का निस्तारण इतने दिनों में हो जाएगा। यह पहल सिटीजन चार्टर के तहत हो रही है। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने पंचायतीराज विभाग सहित सभी जिलों को आदेश कर दिया है कि वे हर ग्राम पंचायत में सिटीजन चार्टर को लागू कराएं। विभाग ने इसके लिए माडल सिटीजन चार्टर भी तैयार कराया है, जिसमें कई जनसुविधाओं का उल्लेख है।

ग्राम पंचायतें अपनी सहूलियत से उसे अपना सकती हैं। यह कार्य हर हाल में 15 अगस्त तक पूरा होना है। ग्राम पंचायतों को स्वाधीनता दिवस पर गांवों के पंचायत भवन पर सिटीजन चार्टर की सूची और निस्तारण की अवधि की सूचना चस्पा करनी होगी। सेवा का नाम : जमा करने वाले दस्तावेज : सेवा का शुल्क : समय सीमा : किससे करें संपर्क : संबंधित अफसर 1. जन्म प्रमाणपत्र : आवेदनपत्र आइडी : पांच रुपये : अधिकतम एक माह : ग्राम पंचायत सचिव व प्रधान : सहायक विकास अधिकारी पंचायत या डीपीआरओ। 2. मृत्यु प्रमाणपत्र : आवेदनपत्र, आइडी, मृत्यु के साक्ष्य, पांच रुपये : अधिकतम एक माह-ग्राम पंचायत सचिव व प्रधान : सहायक विकास अधिकारी पंचायत या डीपीआरओ। 3. परिवार रजिस्टर की नकल व पंचायत के अन्य अभिलेख लेना : आवेदनपत्र, आइडी, परिवार के सदस्यों का विवरण : पहले पांच पृष्ठ तक पांच रुपये व एक प्रति पृष्ठ : तीन दिन : ग्राम पंचायत सचिव : सहायक विकास अधिकारी पंचायत या डीपीआरओ। 4. ग्राम सभा बुलाने का अनुरोध : आवेदनपत्र, आइडी : निश्शुल्क : तीन दिन : ग्राम पंचायत सचिव व प्रधान : सहायक विकास अधिकारी पंचायत या डीपीआरओ। 5. मनरेगा जाब कार्ड जारी करना : आधार कार्ड, फोटो, बैंक खाता संख्या : निश्शुल्क : तीन दिन :ग्राम रोजगार सेवक व प्रधान : खंड विकास अधिकारी व कार्यक्रम अधिकारी।

पंचायतें कर सकती संशोधन : शासन ने माडल सिटीजन चार्टर में प्रशासनिक, विकास, पेयजलापूर्ति, स्वच्छता-साफ सफाई, सामुदायिक संपत्ति, समाज कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कोविड व डिजिटल की करीब 39 सुविधाओं का उल्लेख किया है। पंचायतें इनमें से कुछ या फिर इसके अलावा अन्य सुविधाएं दे सकती हैं।

## यूपी की आर्थिक स्थिति में हो रहा सुधार, पिछले साल के मुकाबले इस जुलाई में 1980 करोड़ रुपये ज्यादा राजस्व

**लखनऊ (एजेंसी)।** कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बाद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही है। सम्पूर्ण लॉकडाउन घोषित न करने के कारण भी प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां बेरोकटोक जारी रहीं। इसी का असर रहा कि राज्य सरकार को बीते जुलाई माह में 12655.85 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ है जो कि पिछले साल जुलाई में मिले राजस्व से 1980.43 करोड़ रुपये ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि पिछले साल जुलाई में सरकार को 10675.42 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था। पिछले साल की तुलना में इस साल जुलाई में भूतत्व एवं खनिकर्म को छोड़कर राजस्व की सभी मुख्य मदों में वृद्धि हुई है। सरकार को जीएसटी के मद में इस साल जुलाई में 4697.99 करोड़ रुपये राजस्व मिला। वैट के मद में 2328.34 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हुआ। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि जुलाई माह में आबकारी के मद में 2795.49 करोड़ रुपये की कमाई हुई तो स्टांप व निबंधन के मद में 2089.29 करोड़ रुपये मिले। परिवहन के मद में 612.07 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। भूतत्व तथा खनिकर्म के मद में 132.67 करोड़ रुपये का राजस्व मिला।

## कटी एवं कुचली हुई उंगली को अनूठी माइक्रो सर्जरी ऑपरेशन से जोड़ी

**यशोदा सुपर स्पेशलिटी कौशांबी में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ मुकेश कुमार एवं उनकी टीम ने चार घंटे की अनूठी माइक्रो सर्जरी के बाद कटी एवं कुचली हुई उंगली को पूरी तरह से जोड़ दिया**

**ओपेन सर्च ब्यूरो**

गाजियाबाद। रोड एक्सीडेंट में कटी हुई एवं कुचली हुई उंगली को यशोदा सुपर स्पेशलिटी कौशांबी में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ मुकेश कुमार एवं उनकी टीम ने चार घंटे की अनूठी माइक्रो सर्जरी के बाद पूरी तरह से जोड़ दिया। सर्जरी करने वाले चिकित्सक डॉ मुकेश कुमार विगत 15 वर्षो में 100 से ज्यादा लोगों के कटे हुए अंगों को जोड़ चुके हैं।

दिल्ली एनसीआर के अस्पताल में इस तरह की कुछ ही सर्जरी को अब तक अंजाम दिया गया है और शायद गाजियाबाद शहर के लिए इस तरह की यह पहली सर्जरी होगी। गाजियाबाद के रहने वाले ऋषभ गर्ग का एक्सीडेंट हो गया था। उनकी उंगली कुचल कर कट गयी थी। अब ऑपरेशन के बाद उनकी




यशोदा सुपर स्पेशलिटी कौशांबी में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ मुकेश कुमार के साथ रोगी ऋषभ गर्ग।

उंगली अच्छी तरह से जुड़ गयी है और टांके भी कट गए हैं। डॉ मुकेश ने बताया कि इस सर्जरी में बड़ा चैलेंज होता है। जहां से उंगली का ऑपरेशन किया जाता है वहां से ब्लड वेसेल्स के साथ नर्व एवं टैंडन्स भी जाती है। कटी हुई उंगली को वापस अपनी जगह पर पुनः प्रत्यरोपण (रेइम्प्लांट) किया जाता है। वेस्सेल्स, नर्व, बोन टैंडन्स को माइक्रोस्कोप के माध्यम से जोड़ना बड़ा चैलेंज होता है।

सर्जरी के बाद डॉ मुकेश कुमार ने बताया कि शरीर का कोई अंग कट जाने के बाद त्वरित कार्रवाई की जरूरत होती है। माइक्रो वेस्कुलर सर्जरी तकनीक द्वारा कटे हुए अंग के हिस्से को जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि सौ फीसद मामलों में सफलता मिलती है, लेकिन 70-80 फीसद मामले सुलझाए जा सकते हैं। ऐसी दुर्घटना होने पर मरीज के साथ लोगों को सूझबूझ दिखाते हुए उसे जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि कटे हुए अंगों को प्लास्टिक बैग में रखना चाहिए। ये बैग सील होना चाहिए। इस बैग को किसी दूसरे बैग में रखना चाहिए, जिसमें पानी और बर्फ के टुकड़े हों। यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कटा हुआ अंग सीधे बर्फ के संपर्क में नहीं आए, क्योंकि उससे वह हिस्सा पुनः प्रत्यारोपित नहीं हो पाएगा। कटे हुए अंग को अगर ठीक से रखा जाए, तो उस हिस्से को 12 घंटे तक पुनः प्रत्यारोपित किया जा सकता है।

opensearch

# आक्सीजन बफर स्टाक को लेकर केंद्र द्वारा उठाए गए कदमों पर नहीं कोई स्पष्टता, हाई कोर्ट ने उठाया सवाल

**कोरोना महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में लिक्विड मेडिकल आक्सीजन (एलएमओ) का बफर स्टाक बढ़ाने के संबंध में स्पष्ट जवाब नहीं दाखिल करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सवाल उठाया है।**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोरोना महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में लिक्विड मेडिकल आक्सीजन (एलएमओ) का बफर स्टाक बढ़ाने के संबंध में स्पष्ट जवाब नहीं दाखिल करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सवाल उठाया है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि दाखिल किए गए हलफनामा में दिल्ली में आक्सीजन भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए बफर स्टाक के सृजन को लेकर केंद्र द्वारा उठाए गए कदमों पर को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है।

हो सकता है कि आज स्थिति सामान्य दिखाई दे रही हो रही, लेकिन अप्रैल-मई माह में क्या हुआ हमने देखा है। कोरोना महामारी के इलाज के लिए आक्सीजन की कमी व दवा समेत अन्य मामलों को लेकर अधिवक्ता राकेश मल्होत्रा की जनहित याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पीठ ने कहा कि हम बफर स्टाक सृजित करने भाग नहीं सकते हैं, यह बीमा के तरीके से है। पीठ ने कहा कि अगर केंद्र सरकार को लगता है कि बफर स्टाक सृजित करने की जरूरत नहीं है या फिर यह काम दिल्ली सरकार का है तो फिर उसे सुप्रीम कोर्ट से संपर्क करना चाहिए, जिसने उन्हें बफर स्टाक बनाने का आदेश दिया था। पीठ ने कहा कि 30 अप्रैल को अपने आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र व दिल्ली सरकार को एलएमओ के बफर स्टाक सृजित करने को कहा था। पीठ ने यह भी कहा कि बफर स्टाक एक या दो सप्ताह में बन सकता है, इसके लिए एक मूल ढांचा बनाना होता है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता कीर्तिमान सिंह ने कहा कि बफर स्टाक के लिए दिल्ली सरकार ने पर्याप्त काम किया है। उन्होंने बताया कि देशभर में क्रायोजेनिक टैंकर की संख्या को 1040 से बढ़ाकर 1700 किया गया है और दिल्ली के लिए 26 टैंकर की व्यवस्था की गई है। वहीं, आक्सीजन री-फिलिंग की क्षमता को 187 मैट्रिक टन से बढ़ाकर 224 किया गया है। वहीं, दिल्ली सरकार की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने पीठ को बताया कि दिल्ली सरकार ने विभिन्न स्थानों पर एलएमओ का 420 मैट्रिक टन के बफर स्टाक का इंतजाम किया है।

इसके अलावा अस्पताल के पास 724 मैट्रिक टन आक्सीजन भंडारण की क्षमता है। पीठ ने सुनवाई के बाद केंद्र सरकार को इस बाबत जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 23 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

सुनवाई के दौरान फंगस की बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली इम्फोटेरिसिन-बी की दवा के संबंध में केंद्र सरकार के अधिवक्ता कीर्तिमान सिंह ने पीठ को बताया कि इसके आंवटन की केंद्रीय व्यवस्था को बंद कर दिया गया है। अब राज्य सरकारें निर्माता कंपनियों से सीधे फंगस की दवा हासिल कर सकती हैं। कीर्तिमान ने पीठ को बताया कि फंगस मरीजों की संख्या 27 जून को 28475 थी, जोकि 30 जुलाई तक कम होकर 18833 हो गई है।

## एक नज़र

### खाली सड़क पर कैंटर और डंपर चालक लगा रहे थे रेस, हो गई भिड़ंत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** किशनगढ़ थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के खाली सड़क पर रेस लगा रहे एक कैंटर और डंपर में भिड़ंत हो गई। दोनों वाहन डिवाइडर पार कर सड़क की दूसरी तरफ पहुंच गए। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, कैंटर मे सवार क्लीनर डंपर के बोनट में फंस गया। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दक्षिण-पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त इंगित प्रताप सिंह ने बताया कि दुर्घटना आइआइटी फ्लाइओवर के पास सुबह करीब चार बजे हुई। आइआइटी फ्लाइओर के पास एक कैंटर और डंपर दोनों नेहरू प्लेस की तरफ जा रहे थे। इस दौरान डंपर ने कैंटर को दाएं तरफ से टक्कर मार दी। इससे दोनों वाहन डिवाइडर तोड़ते हुए सड़क के दूसरी तरफ पहुंच गए। कैंटर में सवार क्लीनर जसबीर सीट और बोनट के बीच फंस गया था, जिसे दमकलकर्मियों ने बाहर निकाला। जसबीर को मामूली चोटें आई हैं जिसे प्राथमिक उपचार दिया गया। किशनगढ़ थाने में डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि आरोपित डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

वहीं, डंपर के नंबर के आधार पर उसके मालिक से संपर्क किया जा रहा है। उधर शाहीन बाग में एयरटेल कर्मचारी से लूटपाट कर फरार हुए दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों से 300 रुपये नकद, एक मोबाइल, एक सोने की चेन, एक फाइबर कनेक्टिंग मशीन और चाकू बरामद हुआ है। जांच में पता चला कि लाकडाउन में नौकरी जाने के बाद दोनों आपराधिक वारदात करने लगे थे। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान शाहीन बाग निवासी जुबैर और अमान के रूप में हुई है। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 31 जुलाई की शाम करीब छह बजे पुलिस को लूट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को शिकायतकर्ता राहुल कुमार प्रसाद मिला जिसने बताया कि वह एयरटेल कंपनी में काम करता है और कंपनी के काम से यमुना की ओर आया था।

तभी ठोकर नंबर आठ के पास पीछे से एक लड़का आया और गर्दन पर चाकू रख यमुना किनारे ले गया, जहां पर उसका एक साथी पहले से मौजूद था। इसके बाद दोनों उससे मोबाइल, 300 रुपये नकद, सोने की चेन और फाइबर कनेक्टिंग मशीन लूट कर फरार हो गए। पहली अगस्त को सूचना मिली कि ठोकर नंबर आठ के पास लूट की वारदात में शामिल बदमाश यमुना के पास घूम रहे हैं। तुरंत छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला कि जुबैर पहले से आधा दर्जन आपराधिक मामलों में शामिल रहा हैं। वहीं, अमान का कोई पुराना रिकार्ड नहीं मिला है।

### वसुंधरा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, गोली लगने से एक बदमाश घायल

**गाजियाबाद (एजेंसी)।** मोहन नगर चौराहा पर चेकिंग कर रही पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की। दोनों भागने लगे। पुलिस ने वायरलेस पर इसकी सूचना प्रसारित करते हुए उनका पीछा शुरू किया। बदमाश हिंडन पुश्ता रोड से हुए इंदिरापुरम की ओर भागे। इंदिरापुरम पुलिस ने सामने से घेराबंदी कर ली। बदमाश पुलिस से घिरता देखकर एलिवेटेड रोड के नीचे कच्ची सड़क की ओर भागे।

इस दौरान एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। दोनों अनियंत्रित होकर गिर गए। गोली लगने से घायल बदमाश को पकड़ लिया। उसका साथी झाड़ियों में छिप कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। गोली लगने से घायल बदमाश की पहचान चंदन निवासी गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ दिल्ली एनसीआर के विभिन्न थानों में एक दर्जन लूट और चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

यह कार्रवाई साहिबाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र चौबे इंदिरापुरम थाना प्रभारी निरीक्षक संजय पांडे मैं अपनी टीम के साथ की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी इंदिरापुरम अभय कुमार मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों का अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। वहीं, नंदग्राम थाना क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन में मंगलवार सुबह पति के साथ सब्जी खरीदने गई एक बुजुर्ग महिला से बाइक सवार दो बदमाशों ने चेन लूट ली।

वृद्धा के शोर मचाने पर सब्जी विक्रेता ने हिम्मत दिखाई और बदमाशों के पीछे भागे। सब्जी विक्रेता ने पीछे बैठे बदमाश का कॉलर भी पकड़ लिया लेकिन बदमाशों ने बाइक दौड़ा दी। इस घटना में एक बदमाश की कमीज भी फट गई। पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बाइक के नंबरों की जांच की तो पता चला कि यह बाइक दो दिन पहले दिल्ली से चोरी हुई थी। आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो बदमाश इसमें कैद हुए हैं।

### दिल्ली दुष्कर्म मामला : संबित पात्रा बोले-राहुल गांधी ने किया कानून का उल्लंघन, एनसीपीसीआर जारी करे नोटिस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में बच्ची से दुष्कर्म मामले में राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी पीड़िता के घर पहुंचे और परिवार से मिले। भाजपा ने कहा है कि दुष्कर्म में राजनीति करने की कोशिश राजनीति का सबसे निम्न स्तर होता है। साथ ही राहुल गांधी पर इस मामले में कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बता दें कि इस मामले में चार आरोपियों को दिल्ली पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा,हम आज भाजपा की ओर से राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो से निवेदन करूंगा कि राहुल गांधी द्वारा जिस प्रकार से पॉक्सो एक्ट की धारा 23 और जुवेनाइल जस्टिस केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन एक्ट की धारा 74 का उल्लंघन किया गया है, एनसीपीसीआर उसका संज्ञान लें और राहुल गांधी को नोटिस जारी करे। राहुल गांधी और केजरीवाल पर निम्न स्तर की राजनीति करने का आरोप



लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा,दिल्ली में नांगल में एक छोटी-सी बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ, हम इसकी घोर निंदा करते हैं।

कानून-व्यवस्था इस पर सजग होकर काम कर रही है और चार से ज़्यादा लोग गिरफ़्तार हो गए हैं। दुष्कर्म में राजनीति करने की कोशिश राजनीति का सबसे निम्न स्तर होता है। संबित पात्रा ने कहा कि दुष्कर्म जैसी घटनाओं को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

किसी राज्य के दुष्कर्म के विषय में चिंता व्यक्त करना और किसी राज्य के दुष्कर्म के मामले में चिंता प्रकट नहीं करना, ये देखते हुए कि किस राज्य में किसकी सरकार है ये भी अपने आप में एक जघन्य अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में प्रथम स्थान पर है। पिछले 6 महीनों में राजस्थान में दुष्कर्म के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

2020 में राजस्थान में 13,750 केस दुष्कर्म के हुए। उन्होंने कहा कि कल राहुल गांधी जी ने ट्वीट किया कि दलित की बेटी हिंदुस्तान की बेटी है। इसमें कोई दो मत नहीं है। उसे न्याय मिलना ही चाहिए। लेकिन क्या राजस्थान की दलित बेटी, छत्तीसगढ़ की दलित बेटी और पंजाब की दलित बेटी, जिसके साथ जघन्य अपराध हो रहा है, क्या ये हिंदुस्तान की बेटियां नहीं हैं बता दें कि पश्चिमी दिल्ली के कैंट इलाके में 9 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में राहुल गांधी के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की।

## दलित मासूम बच्ची की नृशंस हत्या व अमानवीयता से आहत सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर बांटा दर्द

**पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देंगे और मामले की मजिस्ट्रेट जांच होगी- अरविंद केजरीवाल**

**मामले में दोषियों को सजा दिलवाने के लिए बड़े से बड़ा वकील कोर्ट में लगाएंगे- अरविंद केजरीवाल**

**दिल्ली सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और परिवार को हर संभव मदद देगी- अरविंद केजरीवाल**




**विकास.ओपन सर्च**

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट इलाके में दलित समाज की मासूम बच्ची की नृशंस हत्या और उसके साथ हुए जुल्म से आहत मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

सीएम ने कहा कि बच्ची के परिवार से मिला और उनका दर्द बांटा। दिल्ली सरकार परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देगी। साथ ही, इस मामले की मजिस्ट्रेट जांच होगी और दोषियों को सजा दिलवाने के लिए बड़े से बड़ा वकील कोर्ट में लगाएंगे। दिल्ली सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और परिवार को हर संभव मदद देगी। सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली में कानून व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए कड़े कदम उठाए, हम पूरा सहयोग करेंगे।

सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के उपरांत ट्वीट कर इसकी जानकारी साझा की। सीएम ने ट्वीट कर कहा, ''बच्ची के परिवार से मिला, उनका दर्द बांटा। परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देंगे। इस मामले की मजिस्ट्रेट जांच होगी और दोषियों को सजा दिलवाने के लिए बड़े वकील लगाएंगे। केंद्र सरकार दिल्ली में कानून व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए कड़े उठाए, हम पूरा सहयोग करेंगे।'' दिल्ली कैंट इलाके में दलित समाज की मासूम बच्ची की नृशंस हत्या और उसके साथ हुए जुल्म से आहत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने उनके घर पहुंचे।

इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल, दिल्ली कैंट के विधायक के अलावा आम आदमी पार्टी के कई अन्य विधायक भी मौजूद रहे। सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। सीएम ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारी 9 साल की बेटी के साथ जो हादसा हुआ और उसके साथ गलत काम करके उसका कत्ल कर दिया गया। यह बेदह दुखद बात है। मैंने बच्ची के माता-पिता से मुलाकात की। सीएम ने कहा कि अपनी बच्ची तो वापस नहीं आ सकती है। जो परिवार के साथ अन्याय हुआ है, वह बेहद दुखद है। उसकी भरपाई पूरी नहीं की जा सकती है, लेकिन दिल्ली सरकार परिवार को दस लाख रुपए मुआवजा देगी। इस मामले में हम मजिस्ट्रेट जांच का आदेश करेंगे।

इस मामले में दिल्ली सरकार सबसे बड़े से बड़ा वकील कोर्ट में लगाएगी, ताकि दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलवाई जा सके। सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था को ठीक करने की बहुत जरूरत है। कानून व्यवस्था में दुरूस्ती लाने की बहुत जरूरत है। मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि इस बारे में ठोस कदम उठाए जाएं और हम अपनी तरह से उसमें पूरा सहयोग करेंगे। केंद्र सरकार जो भी हमसे कहेगी, उसमें हम पूरा सहयोग करेंगे। दिल्ली देश की राजधानी है।

opensearch

## एनसीपीसीआर ने ट्विटर इंडिया को जारी किया नोटिस, राहुल गांधी के हैंडल के खिलाफ कार्रवाई की मांग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने ट्विटर इंडिया को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की गई। बच्ची के माता-पिता की तस्वीरें पोस्ट करके POCSO अधिनियम का उल्लंघन करने के लिए राहुल गांधी के हैंडल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

यह जानकारी एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने दी है। ज्ञात हो कि पश्चिमी दिल्ली के कैंट इलाके के नांगल में 9 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या को लेकर राजनीति गर्मा गई है। इस मामले में बुधवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पीड़िता के घर पहुंचे और परिवार से मिले। इस दौरान राहुल गांधी के ट्विटर हैंडल से बच्ची के माता-पिता से मिलने की तस्वीरें जारी की गई।

इस बारे में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, हम आज भाजपा की ओर से राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो से निवेदन करूंगा कि राहुल गांधी द्वारा जिस प्रकार से पॉक्सो एक्ट की धारा 23 और जुवेनाइल जस्टिस केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन एक्ट की धारा 74 का उल्लंघन किया गया है, एनसीपीसीआर उसका संज्ञान लें और राहुल गांधी को नोटिस जारी करे। राहुल गांधी और केजरीवाल पर निम्न स्तर की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, दिल्ली में नांगल में एक छोटी-सी बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ, हम इसकी घोर निंदा करते हैं। कानून-व्यवस्था इस पर सजग होकर काम कर रही है और चार से ज्यादा लोग गिरफ्तार हो गए हैं। दुष्कर्म में राजनीति करने की कोशिश राजनीति का सबसे निम्न स्तर होता है।उन्होंने कहा कि कल राहुल गांधी जी ने ट्वीट किया कि दलित की बेटी हिंदुस्तान की बेटी है। इसमें कोई दो मत नहीं है। उसे न्याय मिलना ही चाहिए। लेकिन क्या राजस्थान की दलित बेटी, छत्तीसगढ़ की दलित बेटी और पंजाब की दलित बेटी, जिसके साथ जघन्य अपराध होता है, क्या ये हिंदुस्तान की बेटियां नहीं हैं

## नई दिल्ली नगरपालिका परिषद स्कूलों का 10वीं कक्षा का सीबीएसई परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा

**इस साल 10वीं कक्षा के कुल 99.06 प्रतिशत परिणाम के साथ पालिका परिषद विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय रुझान दर्ज कराया, नई दिल्ली पालिका परिषद् अध्यक्ष धर्मेन्द्र ने विद्यार्थियों को बधाई दी**

**ओपन सर्च.संवाददाता**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अटल आदर्श विद्यालयों और नवयुग स्कूलों ने इस साल भी 10वीं के नतीजों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अटल आदर्श विद्यालयों और नवयुग स्कूलों का कुल परिणाम इस वर्ष 99.06 प्रतिशत रहा है जबकि 2019-2020 में 89 प्रतिशत और 2018-2019 में 89.62 प्रतिशत रहा था। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के अध्यक्ष धर्मेन्द्र ने इस उपलब्धि के लिए पालिका परिषद विद्यालयों के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा सभी स्तरों पर नियमित परामर्श और निगरानी ने शिक्षा के प्रत्येक कार्य में जवाबदेही और जिम्मेदारी का एक विशेष वातावरण विद्यार्थियों के अनुकूल तैयार किया गया। और साथ ही विभिन्न पहलुओं का निरन्तर निरीक्षण करने के लिए विषयवार ऑनलाइन सत्र और अकादमिक सलाहकारों एवं अधिकारियों द्वारा किया गया नियमित पर्यवेक्षण, यह शत प्रतिशत के निकट का परिणाम लाने में बहुत प्रभावी साबित हुआ। पालिका परिषद् विद्यालयों के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए पालिका परिषद् अध्यक्ष ने कहा कि पालिका परिषद के शिक्षा विभाग ने कोविड महामारी की स्थिति के बावजूद, माता-पिता और छात्रों से समय समय पर विचारों का आदान प्रदान किया और उनका समर्थन भी प्राप्त किया। पूरे सत्र के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं से यह सुनिश्चित किया गया कि शिक्षक और छात्र दोनों वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने और लॉकडाउन के दौरान चुनौतियों की परिस्थितियों से बाहर आने के लिए तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि पालिका परिषद द्वारा महामारी के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से सतत फॉलोअप और छात्रों को प्री-लोडेड टैबलेट वितरित करने की पहल करना बेहतर परिणाम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनाए गए।

## नगर निगम चुनाव में महिला मतदाताओं का पार्टी को मिले साथ, इसलिए महिला मोर्चा चलाएगा ये अभियान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की चुनावी राजनीति में महिला मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। मतदान में इनकी भागीदारी बढ़ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए भाजपा इन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश शुरू कर दी है। अगले वर्ष होने वाले नगर निगम चुनाव में महिला मतदाताओं का साथ पार्टी को मिल सके इसके लिए प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने जनसंपर्क अभियान चलाने का फैसला किया है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों की जानकारी आम महिलाओं को देंगी। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री और दिल्ली की सह प्रभारी अलका गुर्जर की उपस्थिति में प्रदेश महिला मोर्चा की नवनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक हुई। महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और मंत्रिमंडल में 11 महिलाओं को स्थान दिए जाने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आभार जताया गया।

गुर्जर ने कहा कि संगठन के कामों में महिलाओं का सराहनीय योगदान है। भाजपा देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां महिलाओं का सम्मान होता है। नारीशक्ति हमारा मूलमंत्र है। प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष योगिता सिंह ने कहा कि मोर्चा की सभी पदाधिकारियों प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं के कल्याण और उत्थान के किए गए कार्यों और शुरू की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया है। ज्यादा से ज्यादा महिलाएं सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें इसके लिए उन्हें इसकी जानकारी जरूरी है।

## संभावित तीसरी लहर के लिए तैयार नहीं है सरकारी अस्पताल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोरोना संक्रमण के बढ़ रहे मामले व तीसरी लहर के संभावित खतरे के बीच क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में तैयारियां अभी भी आधी-अधूरी ही नजर आती है। अफसोस की बात है कि दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन की किल्लत से जूझने के बावजूद क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में अभी तक लिक्विड आक्सीजन टैंक नहीं लगे हैं और कई अस्पतालों में तो केंद्रीय गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

हालांकि, कुछ अस्पताल को छोड़ दें तो करीब-करीब सभी अस्पतालों में पीएसए (प्रेशर स्विंग एडसरप्शन) प्लांट जरूरी लग चुके हैं, पर बिना लिक्विड आक्सीजन टैंक के पीएसए प्लांट का इस्तेमाल संभव नहीं है। ऐसे में सरकारी अस्पतालों की स्थिति आज भी वहीं है जो दूसरी लहर के दौरान थी, अभी भी अस्पताल आक्सीजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बने हैं। उधर, अधिकारियों की माने तो यदि तीसरी लहर दिल्ली में दस्तक देती है तो द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अतिविशिष्ट अस्पताल उसके लिए पूर्ण रूप से तैयार है।

सितंबर तक यहां 1,241 बेड शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। पर फिलहाल यहां 380 बेड का कोविड वार्ड, 88 बेड का आइसीयू वार्ड, 20 बेड का पीडियाट्रिक आइसीयू वार्ड व 30 बेड का पीडियाट्रिक वार्ड तैयार है। इसके अलावा 50 मीट्रिक टन व 20 मीट्रिक टन क्षमता के दो लिक्विड आक्सीजन टैंक और 500 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) क्षमता के पांच पीएसए प्लांट हैं। पर तमाम सुविधाओं के बीच यहां स्वास्थ्य कर्मचारियों की किल्लत एक बड़ी समस्या है। जनकपुरी



अतिविशिष्ट अस्पताल की बात करें तो यहां तीसरी लहर के लिए तैयारियां एक इंच परवान नहीं चढ़ी है। दूसरी लहर के दौरान यहां 100 आक्सीजन बेड थे, जिसमें 50 आइसीयू बेड शामिल है और मौजूदा समय भी उतने ही बेड है। आश्चर्य की बात यह है कि यहां आइसीयू वार्ड के प्रबंधन के लिए एक भी एनेस्थीसिया विशेषज्ञ नहीं है। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक अस्पताल में 50 वेंटिलेटर, 30 आक्सीजन कंसंट्रेटर व 635 आक्सीजन सिलेंडर है, जो 100 बेड के अनुकूल है। पर यदि बेड की संख्या बढ़ती है तो अस्पताल के समक्ष आक्सीजन की किल्लत खड़ी हो जाएगी। इसके अलावा अस्पताल में केंद्रीयकृत गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है, पर उसे लिक्विड आक्सीजन टैंक से अभी तक जोड़ा नहीं गया है। जहां तक पीएसए प्लांट की बात है, उसे लगाने का कार्य प्रगति पर है। इन सब के बीच स्वास्थ्य कर्मचारियों की किल्लत अन्य अस्पतालों की भांति समान है। मोती नगर स्थित आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल में दूसरी लहर के दौरान अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री ने 500 आक्सीजन बेड की व्यवस्था की बात कहीं थी, पर अफसोस की बात है फिलहाल यहां 150 ही बेड है।

जिसमें 90 आक्सीजन बेड और 60 आइसीयू बेड शामिल है। इस पर अस्पताल प्रशासन का कहना है कि अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन नई इमारत के तीन फ्लोर को प्राथमिकता पर तैयार किया जा रहा है। ताकि वहां बेड लगाकर मरीजों को इलाज उपलब्ध कराया जा सके। पर 500 बेड के अनुकूल अस्पताल के पास स्वास्थ्य कर्मचारी नहीं है। ऐसे में केवल बेड बढ़ाना काफी नहीं है। जहां तक केंद्रीयकृत गैस पाइपलाइन की बात है उसे बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, पर लिक्विड आक्सीजन टैंक की योजना फिलहाल ठंडे बस्ते में है। इसके अलावा अस्पताल में एक हजार एलपीएम क्षमता का पीएसए प्लांट यहां लग चुका है।

रघुबीर नगर स्थित गुरु गोबिंद अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. राजीव कुमार गुप्ता बताते हैं कि यह कोविड अस्पताल नहीं है, इसलिए यहां उस लिहाज से कोई तैयारी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार अस्पताल को नान-कोविड मरीजों का इलाज सुनिश्चित करना है। जहां तक बच्चों की बात है तो अस्पताल में 18 बेड का पीडियाट्रिक आइसीयू बेड और सभी विशेषज्ञ हैं।

सम्पादकीय...

# ओपन सर्च

## आखिर सैंडविच बन कर रह गया है टीकाकरण

कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक सुनाई देने लगी है। सरकारें लोगों को जागरूक करने के नाम पर तरह-तरह के प्रयोग कर रहीं हैं। कहीं एनजीओ को प्रचार-प्रसार का जिम्मा सौंप दिया गया है तो कहीं सरकारी अमला ही बडे बजट का उपयोग कर रहा है। महानगरों से लेकर कस्बों तक में होडिंग लगाई गई हैं। अनेक ऐप बनाकर उन्हें जोरशोर से लांच किया गया है। इनमें से अनेक ऐप तो प्रत्येक मोबाइल में अनिवार्य भी किये गये हैं। वास्तविकता तो यह है कि मौत के डर से लोग स्वयं टीका लगवाने के लिए केन्द्रों पर पहुंच रहे हैं, जहां स्थानीय अमला सरकारी घोषणाओं को दर किनार करके मनमानी करने पर उतारू है।

आनलाइन स्ड्यूल बुक कराने वाले और बिना स्ड्यूल के पहुंचने वाले लोगों को एक ही लाइन में डंडे के बल पर लगाया जा रहा है। निर्धारित समय के स्ड्यूल का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता। पहली डोज और दूसरी डोज वालों को भी एक ही लाइन खडा कर दिया जाता है। भारत सरकार के ऐप के माध्यम से दी जाने वाली व्यवस्था धरातल पर आकर धराशाही होती जा रही है। सिरेंज में दवा की मात्रा का सही माप न करने, ट्रेनीज नर्सों से टीका लगवाने, केन्द्रों को देर से खोलने, सोशल डिस्टैंसिंग न रखने, मास्क न लगाने जैसी अनेक शिकायतें रोज सुनने को मिल रहीं हैं। दूसरी ओर टीकाकरण की सटीक व्यवस्था हेतु निरीक्षण करने वाले अधिकारियों की एक बडी टीम भी वाहन के साथ दस्तावेजों में उपलब्ध रहती है। यह सारा तामझाम केवल आंकडों की बाजीगरी तक ही सीमित रह गया है। वर्तमान में लोगों की जो भीड टीकाकरण के लिए उमड रही है वही सब्जी मण्डी, मांस मण्डी, गल्ला मण्डी, बस स्टैण्ड, मॉल, शापिंग काम्प्लेक्स, ग्रामीण क्षेत्रों की बसों आदि में कोवोड नियमावली की सरेआम धज्जियां भी उड रहीं हैं। मुफ्त में मिलने वाले राशन के लिए वैक्सीन जरूरी होने के कारण भी लोगों ने इस ओर रुख किया है किन्तु एक खास वर्ग आज भी वैक्सीन सहित सभी सुरक्षात्मक उपायों को दरकिनार किये हुए है जिस पर कडी कार्यवाही करने से प्रशासन भी कतराता है।

> सरेंज में दवा की मात्रा का सही माप न करने, ट्रेनीज नर्सों से टीका लगवाने, केन्द्रों को देर से खोलने, सोशल डिस्टैंसिंग न रखने, मास्क न लगाने जैसी अनेक शिकायतें रोज सुनने को मिल रहीं हैं। दूसरी ओर टीकाकरण की सटीक व्यवस्था हेतु निरीक्षण करने वाले अधिकारियों की एक बडी टीम भी वाहन के साथ दस्तावेजों में उपलब्ध रहती है। यह सारा तामझाम केवल आंकडों की बाजीगरी तक ही सीमित रह गया है। वर्तमान में लोगों की जो भीड टीकाकरण के लिए उमड रही है

तीसरी लहर का प्रकोप अभी महानगरों और कुछ क्षेत्र विशेषों तक ही सीमित हो परन्तु उसके तेजी से फैलने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इस महामारी के कथित विशेषज्ञों की नित नई दलीलें सामने आ रहीं है। नवीन अविष्कारों और टीकाकरण के प्रभावों की फेरिस्त लम्बी होती जा रही है। कोरोना पर होने वाली बहस पर राजनैतिक ग्रहण तो रोज ही लगते है। आरोपों-प्रत्यारोपों के मध्य गर्मागर्म संवाद और असभ्य भाषा का प्रयोग, कथित विशेषज्ञों के व्दारा परोसे जाने से शालीन सभ्यता का हाशिये पर पहुंचना प्रमाणित हो जाता है। टीका के पहले और दूसरे डोज के मध्य के अन्तराल पर विशेषज्ञों के बदलते निर्देश लोगों के मन में शंकायें पैदा करने लगे हैं। आम आवाम के हितों के लिए दम भरने वाली सरकारें अपने राजनैतिक हित साधने में लगीं हैं। केन्द्र और अनेक राज्य सरकारों के मध्य कभी फोटो को लेकर रस्साकशी होने लगती है तो कभी वास्तविक स्थिति छुपाकर आवश्यकता से अधिक सुविधाओं की मांग का मुद्दा गर्माने लगता है। महामारी के दौर से गुजर रहे देश में पक्ष-विपक्ष का एक जुट न होना, इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है कि सत्ता के लिए लोगों की जान की कीमत बेहद सस्ती है।

किसान आंदोलन के नाम होने वाला विरोध भी महामारी पर भारी पड रहा है। जिस संविधान की दुहाई देकर अधिकारों का आइना दिखाया जाता है, उसी संविधान को मानने वालों की जान से खिलवाड भी किया जा रहा है। वैक्सीन के मुद्दे को काण्ड में बदलने की मुहिम में जहां विपक्ष जी-जान झौंके दे रहा है वहीं सरकारें स्वयं को पाक-साफ साबित करने में जुटीं है। सरकारों की खींचतान और अधिकारियों की मनमानियों के मध्य आखिर सैंडविच बन कर रह गया है टीकाकरण। ऐसे में अव्यवस्थाओं के चक्रव्यूह को तोडे बिना आम आवाम तक सुविधाओं की सौगात पहुंचना असम्भव नहीं तो बेहद कठिन जरूर है। आज देश को एक साथ खडे होकर कोरोना के अस्तित्व को समाप्त करते हुए विकास के नये रास्ते खोजने होंगे तभी सब कुछ सामान्य हो सकेगा अन्यथा आर्थिक संकट के बादलों का तांडव होना लगभग सुनिश्चित है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

# अमीरों पर पलायन टैक्स लगाइए

**भरत झुनझुनवाला**

एफ्रो एशियन बैंक द्वारा 2018 में प्रकाशित 'ग्लोबल वेल्थ माइग्रेशन रिव्यू' में बताया गया कि उस वर्ष चीन से 15000 अमीरों ने पलायन किया, रूस से 7000 ने, तुर्की से 4000 ने और भारत से 5000 अमीरों ने पलायन किया। इन चार में पहले तीन देश चीन, रूस एवं तुर्की में तानाशाही सरकार है जबकि भारत लोकतांत्रिक है। हम मान सकते हैं कि चीन आदि देशों से पलायन का कारण वहां की तानाशाही और घुटन हो सकती है, लेकिन भारत का इस सूची में सम्मिलित होना खतरे की घंटी है क्योंकि हमारे यहां लोकतंत्र विद्यमान है।

एफ्रो एशियन बैंक ने यह भी बताया है कि इन देशों से पलायन किए अमीरों में 12000 ऑस्ट्रेलिया को गए, 10000 अमरीका को, 4000 कैनेडा को और 100 से अधिक मॉरिशस को गए। इनमें ऑस्ट्रेलिया आदि पहले 3 देशों की बात समझ में आती है क्योंकि ये विकसित देश हैं, लेकिन मॉरिशस को 100 से अधिक अमीरों का पलायन चिंता का विषय है क्योंकि यदि मॉरिशस अमीरों को आकर्षित कर सकता है तो निश्चित रूप से भारत के लिए भी इन्हें आकर्षित करना संभव होना चाहिए था। लेकिन हमारी चाल उल्टी है और तेज होती जा रही है। कोविड के संकट से पलायन की यह गति और तीव्र हो गई है। हेनेली एंड पार्टनर्स कंपनी द्वारा अमीरों को एक से दूसरे देश में पलायन करने में मदद की जाती है। इनके अनुसार वर्ष 2020 में भारत से पलायन करने वालों में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हमारे यहां से पलायन किए अमीर किसी दूसरे देश में जाकर बसे हैं जहां भी कोविड का संकट था, इसलिए कोविड को पलायन में वृद्धि का कारण नहीं बताया जा सकता है। भारतीय विद्वानों द्वारा पलायन के तीन कारण बताए जा रहे हैं। पहला कि भारत में आयकर की दर अधिक है। यह तर्क नहीं टिकता है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में भी आयकर की दरें ऊंची हैं। दूसरा कि भारत में शिक्षा के अवसर उपलब्ध नहीं हैं। यह तर्क भी नहीं टिकता है क्योंकि भारत की तुलना में मॉरिशस में शिक्षा के अवसर बहुत ही कम हैं। तीसरा कि तकनीक और बैंकिंग क्षेत्रों में अवसर कम हैं। यह भी नहीं टिकता है क्योंकि इंफोसिस एवं टाटा कंसलटेंट जैसी तमाम कंपनियां भारत में काम कर रही हैं। निजी बैंकों में भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। भारत से पलायन का पहला सच्चा कारण सुरक्षा का है। देश की पुलिस अकर्मण्य और अक्सर भ्रष्ट है। अमीरों को अपने परिवार की सुरक्षा की विशेष चिंता होती है। वे नहीं चाहते कि किसी चौराहे पर उनके परिवार को अगवा कर लिया जाए। दूसरा कारण धार्मिक उन्माद है। अमीर लोग धन कमाना चाहते हैं। उन्हें शांत और स्थिर सामाजिक वातावरण चाहिए होता है। अपने देश में धार्मिक विवाद पूर्व से ही थे। वर्तमान समय में ये बढ़ ही रहे हैं। तीसरा कारण मीडिया और मनोरंजन की स्वतंत्रता का अभाव है। वर्तमान समय में सरकार द्वारा पूरा प्रयास किया जा रहा है कि आलोचना को दबाया जाए। आलोचकों को देशद्रोह के मामलों में उलझाया जा रहा है। सरकार द्वारा आलोचक मीडिया पर भी विभिन्न प्रकार से दबाव बनाया जा रहा है। मेरी दृष्टि से इन 3 कारणों से भारत से अमीरों का बड़ी संख्या में पलायन हो रहा है और इस पलायन का फल है कि देश की आर्थिक विकास दर 2014 से 2019 के पिछले 5 वर्षों से लगातार गिर ही रही थी।

वर्तमान समय में कोविड के संकट में इसमें और तीव्र गिरावट आई है। भारत की अर्थव्यवस्था एक वैक्यूम क्लीनर द्वारा संचालित की जा रही है जो देश की संपत्ति को खींच कर विदेशों को भेज रहा है। कोई आश्चर्य नहीं है कि कोविड के संकट के कारण हम चीन से आगे निकलने के स्थान पर और पीछे होते जा रहे हैं। इस परिस्थिति में सरकार को निम्न कदमों पर विचार करना चाहिए। पहले, सुरक्षा का वातावरण सुधारने के लिए शीर्ष पुलिस अधिकारियों का बाहरी मूल्यांकन कराना चाहिए। पांचवें वेतन आयोग ने सुझाव दिया था कि सभी क्लास-ए अधिकारियों का हर 5 वर्ष में बाहरी मूल्यांकन कराया जाए। इससे सरकार को वास्तव में सूचना मिलेगी कि कौन अधिकारी देश के नागरिकों की सुरक्षा वास्तव में हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा एक अलग पुलिस भ्रष्टाचार जासूस तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए जो पुलिस महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार को स्वसंज्ञान लेकर ट्रैप करे। दूसरा विषय धार्मिक उन्माद का है। धार्मिक उन्माद का अपने देश में ही केरल राज्य में पिछले 70 वर्षों में व्याप्त नहीं था। केरल के लोगों से पूछो कि वे हिंदू हैं या इसाई तो वे भौंचक होकर देखते थे। उन्हें समझ नहीं आता था कि यह सवाल क्यों पूछा जा रहा है। केरल में शिक्षा का स्तर अधिक होना इस धार्मिक सामंजस्य का एक कारण हो सकता है। वहां के नागरिक एक-दूसरे के धर्म मर्म को समझते हैं और एक-दूसरे से घृणा नहीं करते हैं। मलेशिया में धार्मिक शांति स्थापित है, यद्यपि विभिन्न धर्मों के अनुयायी वहां रहते हैं। इस दिशा में सरकार को हर राज्य में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' की तरह 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिलीजन' स्थापित करना चाहिए। यहां विभिन्न धर्मों के विभाग हों और एक ही छत के नीचे धर्मों के बीच सौहार्दपूर्ण वार्तालाप हो। तब समाज में भी यह सौहार्द फैलेगा। तीसरा विषय मीडिया का है। सरकार को आलोचकों को अपना विरोधी मानने के स्थान पर अपना सहयोगी मानना चाहिए। कोई नेता ब्रह्मज्ञानी नहीं होता है।

गलतियां हर एक से होती हैं। बीरबल भी गलती करते थे। यदि गलतियों की तरफ शीघ्र ध्यानाकर्षण कर दिया जाए तो नेता अपने को शीघ्र सुधार लेता है और अधिक समय तक शीर्ष पर बना रहता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि आलोचक मीडिया को अपना विरोधी मानने के स्थान पर अपने सहयोगी के रूप में देखे और उन मीडिया को विशेषकर पुरस्कृत करें जिनकी आलोचना से सरकार को अपने कदम सुधारने में लाभ मिला है। अंत में एक और कदम सरकार को उठाना चाहिए। जो शिक्षित एवं अमीर देश छोड़कर पलायन करना चाहते हैं, उनसे भारत की नागरिकता छोड़ने के लिए विशेष टैक्स लगाकर भारी रकम वसूल करनी चाहिए। मेरे संज्ञान में ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने किसी समय अमरीका की नागरिकता ले ली थी और बाद में वे उस नागरिकता को छोड़ना चाहते थे। अमरीकी सरकार ने नागरिकता छोड़ने के लिए उनसे भारी मात्रा में एग्जिट टैक्स वसूल किया।

# संसदीय अवरोध : विपक्ष का अतिवादी रवैया

**ललित गर्ग**

कोरोना की संकटकालीन स्थितियों के बीच संसद का यह वर्षाकालीन सत्र अत्यधिक महत्वपूर्ण होना था लेकिन वह प्रतिदिन अवरोध के कारण निरर्थकता की ओर बढ़ता चला जा रहा है। संसद के मॉनसून सत्र की आधे से ज्यादा अवधि संसदीय अवरोध एवं हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। 19 जुलाई को शुरू हुआ यह सत्र 13 अगस्त तक चलना है। अभी तक इसमें नाम मात्र का ही काम हुआ है। सरकार ने कुछेक बहुत जरूरी बिल बिना किसी बहस के भले ही पारित करवा लिए हो, लेकिन बहुत सारे बिलों को पारित किया जाने अपेक्षित है। लगातार संसदीय अवरोध का कायम रहना लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। लोकतंत्र में संसदीय अवरोध जैसे उपाय किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते। इस मौलिक सत्य व सिद्धांत की जानकारी से आज का विपक्षी नेतृत्व अनभिज्ञ है।

सत्ता के मोह ने, वोट के मोह ने शायद उनके विवेक का अपहरण कर लिया है। कहीं कोई स्वयं शेर पर सवार हो चुका है तो कहीं किसी नेवले ने सांप को पकड़ लिया है। न शेर पर से उतरते बनता है, न सांप को छोड़ते बनता है। पिछले लगभग दो सप्ताह से दोनों सदनों का काम-काज लगभग ठप्प है। दोनों सदन अनवरत शोर-शराबे के बाद रोज ही स्थगित हो जाते हैं। संसद चलाने का एक दिन का खर्च 44 करोड़ रु. होता है। लगभग 500 करोड़ रु. पर तो पानी फिर चुका है। ये पैसा उन लोगों से वसूला जाता है जो दिन-रात अपना खून-पसीना एक करके कमाते हैं और सरकार का टैक्स भरते हैं। ऐसा लगता है कि संसद का सत्र चलाने की परवाह न तो सरकार को है और न ही विपक्ष को! दोनों अपनी-अपनी टेक पर अड़े हुए हैं, दोनों ही अपनी ढपली अपना राग अलाप रहे हैं। ये शायद अड़ते नहीं लेकिन पेगासस जासूसी का मामला अचानक ऐसा उभरा कि पक्ष और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें भांजने लगे। संसद के कामकाज में बाधा डालकर विपक्ष न केवल अपने को मजबूत साबित कर रहा है बल्कि भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद को भी खोखला कर रहा है। अच्छा होता अगर वह सरकार का इस्तेमाल सरकार से तीखे सवाल करने के लिए करता, आम जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार की विफलता को उजागर करता, सरकार नीतियों को सशक्त बनाने में सार्थक बहस करने में करता। उसके पास इसके लिए मुद्दों की कमी नहीं हैं। खासतौर पर कोरोना महामारी की दूसरी लहर की अव्यवस्था।

बेरोजगारी, अफगान-संकट, भारत-चीन विवाद, जातीय जनगणना, बढ़ती महंगाई, गिरती कानून व्यवस्था आदि कई मुद्दों पर सार्थक संसदीय बहस के द्वारा विपक्ष स्वयं को जिम्मेदार होने का अहसास कराता। जैसे आरजेडी सांसद मनोज झा ने सदन में दूसरी लहर में हुई मौतों पर देश से माफी मांगते हुए सबके लिए स्वास्थ्य के अधिकार की मांग की तो उसकी काफी चर्चा हुई। ऐसा ही एक मुद्दा वैक्सीन का भी है। टीकाकरण की रफ्तार बहुत धीमी क्यों हो गई है? इसकी गति बढ़ाने के लिए क्या हो रहा है? और यह काम कब तक पूरा होगा? विपक्ष को सरकार से इसका जवाब मांगना चाहिए। संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती पवार ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड के प्रॉडक्शन के अलग-अलग आंकड़े बताए। विपक्ष को इस पर सरकार को घेरना चाहिए था। ऑक्सिजन की कमी से हुई मौतों पर भी सवाल पूछे जाने चाहिए और पूछे गये सवालों के आधे-अधूरे जबावों पर सरकार को घेरना चाहिए। विपक्ष के पास मुद्दों की कमी नहीं है, देश की खराब अर्थव्यवस्था का मुद्दा भी है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 3 फीसदी घटा दिया। इसका मतलब यह है कि एक तरफ जहां कोरोना की दूसरी लहर ने आर्थिक रिकवरी को धीमा कर दिया, वहीं दूसरी तरफ सरकार के दिए गए आर्थिक पैकेज से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। पेट्रोल, डीजल पर भारी टैक्स भी एक बड़ा मुद्दा है, जो हर इंसान की जिंदगी पर असर डाल रहा है।

लगातार पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ने से महंगाई आसमान छू रही है, सकारात्मक एवं प्रभावी सोच हो तो एक प्यास के बढ़े दाम सरकारों को गिराने का माध्यम बना है। अभी तो मुद्दें ही मुद्दें है। कृषि कानूनों का भी मामला है, जिस पर किसान आंदोलनरत हैं। सरकार की विफलताएं कम नहीं है, समस्याएं भी अनेक हैं। संसदीय अवरोध से हम प्रतिपल देश की अमूल्य धन-सम्पदा एवं समय-सम्पदा बहुत खो चुके हैं। जिनकी भरपाई मुश्किल है। इसके साथ ही भाईचारा, सद्भाव, लोकतंत्र के प्रति निष्ठा, विश्वास, करुणा यानि कि जीवन मूल्य भी खो रहे हैं। मूल्य अक्षर नहीं होते, संस्कार होते हैं, आचरण होते हैं। उन्माद, अविश्वास, राजनैतिक अनैतिकता, गैरजिम्मेदाराना व्यवहार, दमन एवं संदेह का वातावरण उत्पन्न हो गया है। उसे शीघ्र कोई दूर कर सकेगा, ऐसी सम्भावना दिखाई नहीं देती। ऐसी अनिश्चय और भय की स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए संकट की परिचायक है। विशेषतः लोकतंत्र के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष ने विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका ज्यादा से ज्यादा अपनाकर अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा, नारेबाजी एवं संसद को अवरुद्ध करने का जो तरीका अपना रखा है, उससे लोकतंत्र की मर्यादाएं एवं गरिमा तार-तार हो रही है। संसद में रचनात्मक बहस तभी हो सकती है जब दोनों पक्षों में एक-दूसरे के विचारों को शान्ति के साथ सुनने की क्षमता जागे और दूसरे की बात पूरी हो जाने पर अपने सवालों को उठाया जाये। बहस का मतलब टोका-टाकी, छींटाकशी, आरोप-प्रत्यारोप या दूसरे के भाषण के दौरान अपना भाषण शुरू करना नहीं हो सकता।

इससे संसद का माहौल बिगड़ता है। विपक्ष सशक्त मुद्दों को उठाकर, शालीन एवं शिष्टता का परिचय देकर न केवल स्वयं को मजबूती दे सकता है, बल्कि असंख्य जनता का विश्वासपात्र भी बन सकता है, लेकिन ऐसा न होना विडम्बनापूर्ण है। बेशक, पेगासस भी एक मुद्दा है, लेकिन इसे लेकर अदालत में याचिकाएं दाखिल की गई हैं। विपक्ष को देखना चाहिए कि वहां इसे लेकर क्या होता है। उसे समझना होगा कि राज्यों में हुए पिछले दौर के चुनाव में उम्मीद के मुताबिक भाजपा का प्रदर्शन न कर पाने, महामारी और आर्थिक मुद्दों को लेकर सरकार दबाव में है। संसद में सवाल पूछकर उसे केंद्र पर दबाव और बढ़ाना चाहिए। संसद के कामकाज में बाधा डालने से उसके हाथ कुछ नहीं लगेगा, उलटे भाजपा इससे खुश होगी। सदन की गरिमा अक्षुण्ण रखना विपक्ष का भी दायित्व है। लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब तीस करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धनजन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है। यदि हमारा विपक्ष ईमानदारी से नहीं सोचेगा और आचरण नहीं करेंगा तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करना ही छोड़ देगी। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है, यदि वहां मर्यादाहीनता एवं अशालीनता का प्रदर्शन होता है तो समस्याएं सुलझने की बजाय उलझती जाती है। छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि ऐसी घटनाएं है, जिनसे संसद जैसी प्रतिनिधि संस्था का गौरव घटता है। यह बात चुने हुए प्रतिनिधियों एवं विपक्ष को समझाना ही चाहिए।

भारतीय संस्कृति के इन मूलमंत्रों को समझने की शक्ति भले ही वर्तमान राजनीतिज्ञों में न हो, पर इस नासमझी से सत्य का अंत तो नहीं हो सकता। अंत तो उसका होता है जो सत्य का विरोधी है, जो ईमानदारी से हटता है। अंत तो उसका होता है जो जनभावना के साथ विश्वासघात करता है। जनमत एवं जन विश्वास तो दिव्य शक्ति है। उसका उपयोग आदर्शों, सिद्धांतों और मर्यादाओं की रक्षा के लिए हो। तभी अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति होगी। तभी होगा राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान। तभी होगी अपनत्व और विश्वास की पुनः प्रतिष्ठा। वरना ईमानदारी की लक्ष्मण रेखा जिसने भी लांघी, वक्त के रावण ने उसे उठा लिया।

# सियासत की दुनिया और सत्ता लोभी चिकित्सक

**तनवीर जाफरी**

दरभंगा (बिहार) के डॉक्टर (प्रो.) एस.एम नवाब भारतीय चिकित्सा जगत की एक ऐसी बेमिसाल शख्सियत का नाम है जिसने अपना पूरा जीवन अपने चिकत्सकीय पेशे के प्रति पूरी जिम्मेदारी व ईमानदारी से निभाया। जो भी डॉक्टर नवाब को जानता है उसका सिर आज भी उनका नाम आते ही सम्मान से झुक जाता है। मैं उन सौभाग्यशाली लोगों में हूँ जिसे उनके साथ अनेक बार बैठने व वार्तालाप करने का अवसर मिला।

मेरे उनसे पारिवारिक रिश्ते थे लिहाजा वे अपने जीवन से जुड़ी तमाम बातें मुझसे सांझा किया करते थे। उनका मानना था कि इलाज का हक प्रत्येक मानव को एक समान है चाहे वह गरीब हो या धनवान। उन्होंने अपना सारा जीवन लाखों अमीर व गरीब लोगों का इलाज विशेषकर शल्य चिकित्सा करने में गुजारा। जिसने जितने पैसे दिये ले लिये और जिसने नहीं दिये उससे कभी मांगे नहीं। जिस मरीज ने इलाज के अलावा दवाओं की भी मदद मांगी उसे वह भी मिली जिसने उनके नर्सिंग होम में बेड या कमरे का किराया देने में असमर्थता व्यक्त की उसे भी अपने दूसरे सभी सम्मानित मरीजों की ही तरह देखा। प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद के भी वे निजी डॉक्टर रहे। डॉक्टर नवाब को स्व इंदिरा गाँधी ने राज्य पाल बनाने व दरभंगा से लोकसभा चुनाव लड़ने जैसे प्रस्ताव कई बार भेजे परन्तु उन्होंने हमेशा इन्हें अस्वीकार कर दिया। वे मुझे अक्सर हँसते हुए सवाल करते कि गवर्नर हॉउस में भला मैं अपने मरीजों का ऑपरेशन कैसे करता? चुनावी राजनीति को अपने लिये वे यह कहते हुए खारिज करते कि यदि मैं चुनाव लडूं तो मेरे विपक्षी/विरोधी मेरी पिछली पुश्तों का ऐसा बॉयोडाटा ढूंढ निकालेंगे और उसे सार्वजनिक करेंगे जो शायद मुझे भी नहीं पता। और चुनाव लड़ने के दौरान और बाद में भी मैं अपने मरीजों के अधिकारों के साथ न्याय नहीं कर सकूंगा। लिहाजा एक डॉक्टर की हैसियत से मुझे अपने पेशे के प्रति ही गंभीर व ईमानदार होना चाहिये। अपने मरीजों की उम्मीदों पर खरा उतरना ही चिकित्सकीय पेशे का पहला धर्म है।

डॉक्टर नवाब एक उच्च कुलीन मुस्लिम घराने के सदस्य होने के बावजूद गैर मुस्लिम समाज के लोगों में और अधिक लोकप्रिय थे क्योंकि उनकी नजरों में हर मरीज एक समान था। इसी तरह देश का एक और जाना पहचाना व सम्मानजनक नाम डॉक्टर लक्ष्मी सहगल का भी है। आजाद हिन्द फौज की प्रथम महिला कमाण्डर व अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करने वाली डॉक्टर सहगल देश की ऐसी महिला थीं जिन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक अपने चिकत्सकीय पेशे को निभाया। उन्होंने कानपूर में अपना चिकित्सालय चलाया जहां गरीब अमीर व धर्म जाति का भेद किये बिना मरीजों की निःशुल्क सेवा की जाती थी। आज तथाकथित स्वयंभू राष्ट्रवादी लोग कम्युनिस्टों को राष्ट्रविरोधी बताते हैं परन्तु डॉक्टर लक्ष्मी सहगल जैसे तमाम लोगों ने यह साबित किया है कि गरीब अमीर व धर्म जाति के बीच भेदभाव न करने वाले कम्युनिस्ट ही सही मायने में देशभक्त भी हैं और मानवीय मूल्यों को सम्मान देने वाले भी। नेताजी सुभाष चंद बोस के विश्वासपात्र व आजाद हिन्द फौज के कर्नल प्रेम कुमार सहगल से विवाह करने वाली डॉक्टर लक्ष्मी सहगल ने जरूरत पड़ने पर प्रथम पंक्ति के स्वतंत्रता सेनानी हैसियत से अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष भी किया और पार्टी के कहने पर डाक्टर ए पी जे अब्दुलकलाम के विरुद्ध राष्ट्रपति पद का चुनाव भी लड़ा परन्तु अपने चिकित्सकीय पेशे से कभी मुंह नहीं मोड़ा। इसी तरह आजकल डॉक्टर कफील खान 'डॉक्टर्स ऑन रोड' नामक राष्ट्रव्यापी मिशन चलाकर पूर्वी उत्तर प्रदेश,बिहार व बंगाल के उन सुदूर क्षेत्रों में अपनी बड़ी समर्पित टीम के साथ मरीजों की सेवा में लगे हैं जहाँ डॉक्टर्स तो क्या आम आदमी का भी पहुंचना मुश्किल है। परन्तु वे मुफ्त इलाज,दवा और जरूरतमंदों को राशन भी बांटते फिर रहे हैं। परन्तु इन सबके विपरीत पिछले दिनों डॉक्टर प्रवीण तोगड़िया का बी बी सी गुजराती सेवा से प्रसारित एक साक्षात्कार सुनने का मौका मिला। स्वयं को कैंसर सर्जन बताने वाले डॉक्टर तोगड़िया को पूरा देश जानता तो जरूर है परन्तु एक सफल कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में नहीं बल्कि विश्व हिन्दू परिषद् के एक फायर ब्रांड वक्ता के रूप में। इसमें कोई शक नहीं कि आज भारतीय जनता पार्टी जिस धर्म आधारित ध्रुवीकरण के बल पर पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में है उसमें विश्व हिन्दू परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में डॉक्टर तोगड़िया के जहरीले व समाज को बाँटने वाले भाषणों का बहुत बड़ा योगदान है। यह अजब इत्तेफाक है कि गुजराती व संघ परिवार के होने के बावजूद आज वे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आँखों में खटकने वाले नेताओं की सूची में सर्वोपरि हैं।

> लिहाजा एक डॉक्टर की हैसियत से मुझे अपने पेशे के प्रति ही गंभीर व ईमानदार होना चाहिये। अपने मरीजों की उम्मीदों पर खरा उतरना ही चिकित्सकीय पेशे का पहला धर्म है। डॉक्टर नवाब एक उच्च कुलीन मुस्लिम घराने के सदस्य होने के बावजूद गैर मुस्लिम समाज के लोगों में और अधिक लोकप्रिय थे क्योंकि उनकी नजरों में हर मरीज एक समान था। इसी तरह देश का एक और जाना पहचाना व सम्मानजनक नाम डॉक्टर लक्ष्मी सहगल का भी है। आजाद हिन्द फौज की प्रथम महिला कमाण्डर व अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करने वाली डॉक्टर सहगल देश की ऐसी महिला थीं जिन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक अपने चिकत्सकीय पेशे को निभाया। उन्होंने कानपूर में अपना चिकित्सालय चलाया जहां गरीब

शायद तभी वे भी पेगासस जासूसी प्रकरण के शिकार लोगों में एक हैं। इसी पेगासस प्रकरण को लेकर जब बी बी सी ने उनसे बात की तो उनके अंदर का दर्द छलका और पेगासस से लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के हिन्दू-मुस्लिम के एक समान डी एन ए बताए जाने वाले बयान तक पर उन्होंने स्पष्ट शब्दों में अपनी राय रखी। इसी दौरान उन्होंने कहा कि हिन्दू मुस्लिम डी एन ए एक बता कर क्या 95 वर्षों तक संघ ने झूठ का प्रचार किया कि हिन्दू राष्ट्रीय व मुस्लिम अराष्ट्रीय हैं? साथ ही उन्होंने इस बात पर भी दुःख जताया कि किस तरह उन जैसे कैंसर सर्जन का पूरा जीवन व कैरियर इसी 'झूठ' को प्रचारित करने के चक्कर में बर्बाद हो गया? उनके साक्षात्कार का मर्म स्पष्ट था की इसी झूठ व प्रोपगंडा की राजनीति में न केवल उन जैसे डॉक्टर पेशा व्यक्ति जीवन बर्बाद किया गया बल्कि देश के करोड़ों हिन्दुओं को भी सत्ता के खेल के चलते ठगा गया? डॉक्टर तोगड़िया की ही तरह डॉक्टर हर्षवर्धन व डॉक्टर संबित पात्रा जैसे लोग भी हैं जो मरीजों की सेवा करने के लिए अपने बहुमूल्य ज्ञान व हासिल की गई चिकित्सकीय शिक्षा का सदुपयोग करने के बजाय सत्ता का आनंद उठाने व पार्टी व सत्ता के प्रवक्ता के रूप में अपने आप को जनता के समक्ष पेश करने में ज्यादा खुशी महसूस करते हैं। यहां तक कि पूरा कोरोना जैसा घोर संकट काल गुजर जाने के बावजूद इन लोगों ने कोरोना मरीजों के इलाज हेतु कोई भी रचनात्मक कार्य नहीं किया।

डॉक्टर हर्षवर्धन को तो उनकी कोरोना काल की असफलता के चलते अपना मंत्री पद भी गंवाना पड़ा। जबकि समाज में जहर घोलने का बखूबी दायित्व निभाने वाले संबित पात्रा का अभी इकबाल बुलंद है। लोकसभा चुनाव हारने के बावजूद वे चिकित्सकीय क्षेत्र में नहीं बल्कि तेल और प्राकृतिक गैस निगम ओएनजीसी बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक के पद पर विराजमान हैं। गोया 5 वर्षों तक चिकित्सकीय शिक्षा हासिल करने के बाद उन्होंने सत्ता की तथा विभाजनकारी राजनीति करना ज्यादा मुनासिब समझा।आश्चर्य है कि डॉक्टर्स जैसे फरिश्ता रुपी ज्ञान हासिल करने व इस पेशे में आने के बाद भी किस तरह सत्ता लोभी चिकित्सक सियासत की काली व अँधेरी दुनिया में अपना भाग्य आजमाने लगते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

opensearch

## एक नज़र

### रोहतक में विस्फोट के मामले में चश्मदीद को जान से मारने की धमकी, मांगी 40 लाख की रंगदारी

**रोहतक (एजेंसी)।** खरावड़ गांव के पास चार दिन पहले हुए विस्फोट के मामले में चश्मदीद पूर्व सुरक्षाकर्मी से फोन पर 40 लाख की रंगदारी मांगी गई है। पूर्व सुरक्षाकर्मी को धमकी दी कि इस बार तो बच गया, लेकिन अगली बार नहीं बचेगा। शिकायत के बाद आइएमटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की, जिसके बाद खरावड़ गांव के ही एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। दरअसल, 31 जुलाई को खरावड़ गांव के पास आइएमटी एरिया में विस्फोट हो गया था।

जिसमें खरावड़ निवासी 55 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसका तभी से पीजीआइएमएस में उपचारर चल रहा है। विस्फोट के समय उसके साथी खरावड़ निवासी गीतादत्त, सुभाष और नरेश भी साथ में थे। अब गीतादत्त की तरफ से आइएमटी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इसमें बताया कि वह सुरक्षाकर्मी की नौकरी करता था, लेकिन बीमारी की वजह से फिलहाल घर पर ही रहता है। दो अगस्त को शाम के समय वह घर से खरावड़ चौकी की तरफ आ रहा था।

इसी दौरान उसके मोबाइल पर एसएमएस आया। जिसमें लिखा था कि अब की बार तो बच गया, लेकिन अगली बार नहीं बचेगा। जान बचानी है तो 40 लाख रुपये का इंतजाम कर ले। हालांकि उस समय पूर्व सुरक्षाकर्मी ने एसएमएस को अनदेखा कर दिया। इसके बाद उसने अपने स्वजनों से इस बारे में बातचीत की और मैसेज दिखाया। तब जाकर उसे पूरा मामला समझ में आया और आइएमटी थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले को लेकर खरावड़ चौकी प्रभारी एएसआइ राजीव कुमार का कहना है कि विस्फोट से जुड़ा कोई मामला नहीं है। गीतादत्त के बच्चों का गांव के ही प्रभोद पक्ष के साथ झगड़ा हो गया था। प्रभोद पक्ष की तरफ से यह धमकी दी गई थी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

### हरियाणा की लुटेरी दुल्हन शादी के चार दिन बाद ही गहने व नकदी लेकर फरार, बिचौलिए को 65 हजार रुपये की थी शादी

**घरौंडा (करनाल)।** बिचौलिये को 65 हजार रुपये देकर अपने बेटे की शादी करवाई थ। शादी के चार दिन बाद ही नई नवेली दुल्हन नकदी और गहने लेकर ससुराल से फरार हो गई। मामला करनाल के घरौंडा के वार्ड नंबर पांच का है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। रामनगर वासी एक युवक जन्म से बोलने व सुनने में अक्षम है। शिकायतकर्ता के मुताबिक उन्होंने अपने उक्त बेटे की शादी करवाने के लिए कैमला एक महिला से जिक्र किया।

उसने उसे डेरा संजयनगर वासी एक महिला से मिलवाया। जिसने शिकायतकर्ता को शादी करवाने का आश्वासन दिया और लड़की को गरीब परिवार का बताकर 65 हजार रुपये की मांग की। इसके बाद यह राशि उसे दे दी गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि बीती 26 जून को हिंदू रीति रिवाज के अनुसार शादी समारोह संपन्न हुआ। शादी के तीन-चार दिन बाद ही उक्त महिला नवविवहिता को मिलवाने के लिए दिल्ली उसके मायके लेकर चली गई। बाद में घर में देखा तो पाया कि दुल्हन 25 हजार रुपये और चार तोला सोना लेकर चली गई है। आरोपित संबंधित महिला को बार-बार फोन किए गए। लेकिन, उसने कॉल का जवाब नहीं दिया।

इस पर उसे बुलवाया और पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बलवंत कौर व रिकी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। इस मामले में थाना प्रभारी घरौंडा दीपक कुमार ने कहा कि शादी के चार दिन बाद विवाहिता द्वारा नकदी व गहने लेकर फुर्र होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पति-पत्नी का आपस में झगड़ा हुआ है। नवविवाहिता का आरोप है कि उसको नहीं बताया गया था कि युवक बोलने और सुनने में अक्षम है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। आरोप सही पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

### हिसार में रोडवेज बस में चेकिंग टीम ने यात्री से सामान की टिकट मांगी, हाथापाई कर बस से नीचे गिराया

**हिसार (एजेंसी)।** हिसार में रोडवेज चेकिंग टीम ने एक यात्री से बस में रखे उसके सामान की टिकट मांगी, यात्री से सामान की टिकट नहीं मिली तो चेकिंग टीम के सदस्यों ने पहले तो उससे हाथापाई की, इसके बाद उस यात्री को धक्का देकर बस से नीचे गिरा दिया। जिससे यात्री को कमर, घुटनों सहित के अन्य हिस्सों पर चोट आई है। यहीं नहीं घायल यात्री गिरने से बेहोश हो गया। जिसके बाद किसी ने उसे शहर के सरकारी अस्पताल में दाखिल करवाया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

होश में आने के बाद यात्री ने पुलिस को शिकायत दी है। मामला हांसी निवासी रामकिशन का है। रामकिशन ने मामले में सिटी थाना पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया की वह 29 जुलाई को करीब रात 11 बजे हरियाणा रोडवेज की बस में हांसी से सवार होकर हिसार आ रहा था। जब बस हिसार कैंट के पास पहुंची तो तीन-चार टिकट चैकर बस में सवार हो गए और सवारियों की टिकट चैक करने लगे। उसने अपनी टिकट चैक करवा दी, लेकिन चेकिंग टीम ने उनसे कहा कि उसके पास जो सामान है उसने उसकी टिकट नहीं ले रखी है, इस सामान की टिकट भी लो। इस बात को लेकर वे सभी उससे झगड़ा कर हाथापाई करने लगे।

बस चलते हुए जीजेयू विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक के नजदीक पोलिटैक्निक कालेज के पास पहुंची। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने बस को रुकवाकर उसे धक्का मारकर बस से नीचे गिरा दिया। जिससे उसे गंभीर चोटे आई। इसके बाद वह बेहोश हो गया। उसकी आंख खुली तो उसने अपने आपको सिविल अस्पताल में दाखिल पाया। उसे नहीं पता मुझे कि किसने उसे दाखिल करवाया। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

### लुधियाना में अफीम, चूरापोस्त व गांजे की तस्करी करते तीन गिरफ्तार

**लुधियाना (एजेंसी)।** नशा तस्करों के खिलाफ छेड़ी मुहिम के अंतर्गत बीते चौबीस घंटों के दौरान पुलिस ने विभिन्न जगहों पर कार्रवाई करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से अफीम, चूरापोस्त तथा गांजा बरामद किया गया। आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें अदालत में पेश किया गया। जहां से रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। उत्तर प्रदेश से इंडेवर कार में अफीम की डिलीवरी देने के लिए आए दो लोगों को थाना कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

उनके कब्जे से 2.7 किलो अफीम बरामद हुई। एएसआई गुरमीत सिंह ने बताया कि दोनों की पहचान उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद के गांव फरतिलापुर निवासी जगतार सिंह तथा जिला अमरोहा के गांव गड़संकटेश्वर निवासी हरजिंदर सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने घंटा घर से आ रहे दोनों लोगों को लकड़ पुल के पास की गई नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह गुरुद्वारा मंजी साहिब के पास दलविंदर सिंह नाम के व्यक्ति को वो अफीम देने वाले थे। दलविंदर सिंह करनाल का रहने वाला है। इससे पहले वह दो बाद अफीम की डिलीवरी देकर जा चुके हैं।

उधर, थाना जमालपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव झांबेवाल चौक में की गई नाकाबंदी के दौरान व्यक्ति को चूरापोस्त तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 4 किलो चूरापोस्त बरामद किया गया। एएसआई जोगिंदर सिंह ने बताया कि आरोपित की पहचान साहनेवाल के गांव भैरोमुना निवासी हरमनप्रीत सिंह के रूप में हुई। वो गांव से चौक की और उक्त चूरापोस्त लेकर पैदल ही डिलीवरी देने के लिए जा रहा था। वहीं, थाना जमालपुर पुलिस ने ही गांव झांबेवाल चौक में की गई नाकाबंदी के दौरान गांजा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

# फर्जी कोरोना रिपोर्ट बनाने के एक और रैकेट का भंडाफोड़

**कैथल (एजेंसी)।**
हरियाणा में एक और फर्जी कोरोना संक्रमण रिपोर्ट का पर्दाफाश हुआ है। हिसार के बाद अब कैथल में भी गिरोह सामने आया है। मामले की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हा गया। आनन फानन में कमेटी गठित कर दी गई। हिसार के बाद हरियाणा में फर्जी कोविड रिपोर्ट बनाने का यह दूसरा मामला है। हिसार के नलवा लैब के खिलाफ इस मामले में अभी भी जांच चल रही है।

एक व्यक्ति कोरोना की एंटीजन जांच रिपोर्ट मोबाइल में फोटो लेकर सिविल अस्पताल पहुंचा। उसने कहा कि उसे एनटीपीसीआर की रिपोर्ट चाहिए। जब स्वास्थ्य कर्मियों ने इस रिपोर्ट की जांच की तो पता चला कि एंटीजन टेस्ट रिपोर्ट फर्जी है। दरअसल, मोहर बनवाकर कोरोना महामारी की फर्जी रिपोर्ट तैयार करने का यह मामला बेहद चौंकाने वाला है। सामने आया है। मामले को लेकर जांच कमेटी गठित कर दी है। ब्लड बैंक इंचार्ज डा. राजेंद्र सिंह व फिजिशियन डा. राजीव मित्तल इस मामले की जांच करेंगे। रिपोर्ट लेने आया युवक सेक्टर 19 का रहने वाला है, जो रविवार को सिविल अस्पताल कैथल पहुंचा और अपने मोबाइल में रजिस्ट्रेशन स्लीप को दिखाते हुए कोरोना रिपोर्ट लेने की बात कही। इसके बाद इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दी गई। उस युवक से पूछताछ शुरू की गई। युवक सही जानकारी नहीं दे पा रहा था। जांच में पता चला कि जिस नंबर की जांच रिपोर्ट है, वह जिला अस्पताल में एक महिला कर्मी के नाम से दर्ज है। साथ ही इस पर लगाई हुई मुहर भी फर्जी निकली। अस्पताल इंचार्ज ने बताया कि इस मामले की शिकायत लैब से मिली थी।

दरअसल कर्मचारी ने स्लीप देखी तो उस पर जो मोहर व नंबर लगाया हुआ था वह फर्जी पाया गया। अस्पताल के रजिस्ट्रेशन में यह नंबर किसी महिला के नाम है, जबकि रिपोर्ट लेने वाले युवक की पर्ची पर पुरुष का नाम है। विभाग को आशंका है कि किसी ने बाहर से फर्जी मोहर तैयार कर कोरोना की रिपोर्ट दी है। जांच कमेटी मामले को लेकर जानकारी जुटा रही है। इस तरह का फर्जीवाड़ा करने वाला कर्मचारी अस्पताल से है या बाहर से कोई लैब



कर्मचारी हो सकता है, इसे लेकर जांच पूरी होने पर बड़ा खुलासा हो सकता है। विभागीय अधिकारियों ने जब युवक की जानकारी आइसीएमआर की वेबसाइट पर की तो वहां भी इस संबंध में कोई रिकार्ड नहीं मिला। सिविल अस्पताल की लैब में जैसे ही यह मामला सामने आया तो अस्पताल के चिकित्सकों ने उक्त युवक से पूछताछ की। पहले तो वह बोला की जांच इसी अस्पताल में करवाई थी, लेकिन जब पुलिस के हवाले करने की बात कही गई तो उसने सच्चाई उगल दी और बताया कि रिपोर्ट बाहर से करवाई है। मोहर किसने लगाई है और यह नंबर किसने लगाया है, इस बारे में युवक चिकित्सकों को गुमराह करता रहा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि उन्हें ऐसी आशंका है कि उक्त युवक किसी कंपनी में नौकरी करता है, छुट्टी लेने के लिए फर्जी पाजिटिव रिपोर्ट बनाई है। अगर विदेश में या कहीं और जाना होता तो रिपोर्ट नेगेटिव बनवाता। वहीं ऐसा भी माना जा रहा है कि जो युवक स्लीप लेकर अस्पताल में आया है, यह उसकी नहीं बल्कि कोई और युवक है, जो दूसरे युवकों को रिपोर्ट लेने के लिए अस्पताल भेज रहा है। इस पूरे मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने गंभीरता दिखाते हुए जांच शुरू कर दी है। जिला नागरिक अस्पताल में पर्ची घोटाला सामने आ चुका है। आउटसोर्सिंग पर लगे एक कर्मचारी ने 90 से एक लाख रुपये तक का गबन किया।

अस्पताल में बीमारियों की जांच को लेकर करवाए जाने वाले रजिस्ट्रेशन की राशि को जमा न करवाकर अपनी जेब भरने का काम किया। इसी तरह से ड्राइविंग लाइसेंस मामले में भी गोलमाल सामने आया था। इसमें भी दो कर्मचारी लाइसेंस आवेदन को लेकर डाक्टरों के फर्जी हस्ताक्षर करते हुए राशि हड़प रहे थे। उक्त दोनों कर्मचारियों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई हो चुकी है। कुंभ मेले में फर्जी कोरोना टेस्ट करने के मामले में हिसार की नलवा लैब और दिल्ली की लालचंदानी लैब का नाम सामने आया था। मैक्स कारपोरेट सर्विसेज ने कुंभ में जांच का टेंडर लिया था। उसी ने आगे दिल्ली की लालचंदानी लैब और नलवा लैब के साथ अनुबंध किया था। अनुबंध के अनुसार मैन पावर और तकनीकी सेवाएं मैक्स कारपोरेट सर्विसेज को उपलब्ध करानी थीं। जैसे ही कुंभ मेले में टेस्टिंग शुरू हुई तो फ़र्ज़ी तरीक़े से टेस्ट किए गए। टेस्ट किए बिना ही रिपोर्ट बना दी गई। जो लोग कुंभ नहीं गए उनके भी सैंपल दिखा दिए गए। बाद में उतराखंड स्वास्थ्य विभाग को इसकी भनक लगी और मामला पुलिस तक पहुंचा। इस मामले में हरिद्वार पुलिस की एक एसआइटी जांच कर रही है। मोहर बनवाकर कोरोना की फर्जी रिपोर्ट तैयार करने का मामला सामने आया है। दो डाक्टरों की टीम गठित कर जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट लेने आया युवक जो स्लीप लिए हुए था उस पर नंबर भी फर्जी था और मोहर भी फर्जी थी। स्लीप सिविल अस्पताल की थी। उक्त युवक के बारे में जानकारी जुटाते हुए पूछताछ की जाएगी। फर्जी मोहर तैयार करने वाले के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। यह गंभीर मामला है, इसलिए मामले में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# खाली पड़े पंडाल और तंबू, नेपथ्य में आंदोलनकारियों के नेता: हरियाणा के लोग कर रहे किनारा

**हिसार (एजेंसी)।**
तीनों कृषि सुधार कानून विरोधी आंदोलनकारियों के तंबू खाली हैं। तंबू खाली हैं तो पंडाल भी खाली हैं। चाहे कुंडली बार्डर हो या दिल्ली बार्डर, आंदोलन में जो ग्लैमर था, वह पंजाब से था। पंजाब से लोग बड़ी लग्जरी गाड़ियां, मसाज मशीनें और विलासिता की ढेर सारी वस्तुएं लेकर आते थे। अब कुछ नहीं दिखता। खालिस्तान समर्थक तत्व भिंडरांवाले की तस्वीर लगी टी-शर्ट पहने विचरण करते थे। हरियाणा वाले भी खीर, दूध, दही लेकर पहुंचते थे, अब इन पर भी विराम लग गया है।

आंदोलनकारियों के बड़े नेता फिलहाल नेपथ्य में हैं। आंदोलन को संचालित करने के लिए बनाए गए संयुक्त किसान मोर्चा से निलंबित किए जा चुके भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के गुरनाम सिंह चढ़ूनी का निलंबन काल बीत गया अथवा वापस ले लिया गया, इसकी कोई घोषणा तो नहीं हुई, लेकिन वे अपने समर्थकों सहित टीकरी बार्डर से कुंडली बार्डर पर पहुंचकर अपनी ताकत दिखा चुके हैं और यह भी स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अपने मिशन पंजाब पर अडिग हैं। मिशन पंजाब यानी पंजाब के किसान संगठन पंजाब में विधानसभा का चुनाव लड़ें और अपना शासन लाएं। एक रोचक बात यह भी है कि इस बयान को देने के कारण गुरनाम सिंह चढ़ूनी को संयुक्त किसान मोर्चा ने भले ही निलंबित कर दिया हो, लेकिन पंजाब में आंदोलन के एक प्रमुख नेता बलबीर सिंह राजेवाल की फोटो वाले बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर पूछा जा रहा है (पंजाबी में) कि आप राजेवाल को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं? स्पष्ट है कि चढ़ूनी ने जो चिंगारी सुलगाई थी, वह अब भड़कने लगी है। उधर हरियाणा के लोग अब आंदोलन में शामिल पंजाब के नेताओं से विमुख होने लगे हैं।

पहले भी हरियाणा के लोग राकेश टिकैत को ही महत्व देते थे। चढ़ूनी के बाद हरियाणा के एक अन्य नेता जोगेंद्र नैन को निलंबित कर संयुक्त किसान मोर्चा ने हरियाणा के लोगों का गुस्सा बढ़ा दिया है। चढ़ूनी के निलंबन से वे पहले ही क्षुब्ध थे। यद्यपि ऐसा नहीं कि संयुक्त किसान मोर्चा ने अब तक केवल हरियाणा के नेताओं को ही निलंबित किया हो, पंजाब के एक संगठन के नेता रुलदू सिंह मानसा भी निलंबित हुए हैं। मानसा के निलंबन का जो कारण है, उसने हरियाणा के लोगों का गुस्सा और बढ़ाया है। मानसा का निलंबन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्होंने खालिस्तानी तत्वों और विदेश से फोन कर आतंक को बढ़ावा देने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू की आलोचना की थी। इन सब बातों को देखते हुए राकेश टिकैत और शिवकुमार शर्मा जैसे नेताओं ने स्वयं को नेपथ्य में कर लिया है।

चढ़ूनी अकेले चीख रहे हैं कि यदि आंदोलन के नेताओं के बीच फूट पड़ी तो बहुत नुकसान होगा, लेकिन वास्तविकता यह है कि आंदोलन के नेताओं के बीच फूट तो इसके आरंभ से ही पड़ गई थी। अब तो वह खुली किताब की तरह हो गई है, जिसे कोई भी पढ़ सकता है। पन्ने पलटने की जरूरत भी नहीं। आंदोलन स्थल पर दुष्कर्म, जलाकर मारने जैसी वीभत्स वारदातें हो चुकी हैं। इसलिए वहां अब लोग जाना भी नहीं चाहते। धरनास्थलों पर खाली पंडाल देख कुछ लोग मंच से बार-बार युवाओं को लाने के लिए अपील करते हैं, लेकिन उनकी अपील खारिज हो जाती है। जो अभी हैं भी, वे अब वापस जाने की सोच रहे हैं। पहले उनको राशन, पानी, सब्जियां पहुंचाने में हरियाणा के लोगों में होड़ लगी रहती थी। अब उनकी ये सुविधाएं बंद हो चुकी हैं। दूसरी तरफ भारतीय किसान यूनियन (मान) के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर गुणीप्रकाश को भी उन किसानों का समर्थन मिलने लगा है, जो इस कथित किसान आंदोलन के विरोधी हैं। चढ़ूनी और राकेश टिकैत उनकी चुनौती को आज तक नहीं स्वीकार कर पाए हैं। गुणीप्रकाश ने चढ़ूनी और टिकैत से कहा था कि वे खालिस्तान मुर्दाबाद, भिंडरांवाले मुर्दाबाद बोलकर दिखाएं।

गुणीप्रकाश के इस चैलेंज को स्वीकार करना तो दूर आंदोलनस्थल पर अप्रत्यक्ष रूप से खालिस्तानी समर्थकों की आलोचना करने पर रुलदू सिंह मानसा को निलंबित कर दिया गया। राकेश टिकैत, चढ़ूनी, योगेंद्र यादव इसके विरोध में आवाज उठा ही नहीं सके तो खालिस्तान मुर्दाबाद कैसे बोलेंगे। एक बात और। आंदोलन के नेता भले स्वीकार न करें, लेकिन वे समझते हैं कि आंदोलन मर रहा है। मध्य हरियाणा में कहीं-कहीं भाजपा नेताओं का जो विरोध हो रहा है, उसका कारण एक वर्ग विशेष है।

# हरियाणा के किसान नेता चढ़ूनी की सियासी आकांक्षा अब पंजाब में जागी, कहा- 2022 चुनाव में सभी 117 सीटों पर लड़ेंगे

***हरियाणा के किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की राजनीतिक आकांक्षा अब पंजाब को लेकर भी जाग गई है। चढ़ूनी ने साफ किया है कि उनका संगठन 2022 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव में सभी 117 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगा।***



**होशियारपुर, लुधियान(एजेंसी)।**
हरियाणा के किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की सियासी आकांक्षा अब पंजाब में भी जाग गई है। सियासत में आने को लेकर किसान संगठनों के निशाने पर आने के बाद भी वह अपनी मुहिम से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। वह भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के अध्यक्ष हैं। उन्होंने पंजाब में अगले साल होनेवाला विधानसभा चुनाव लड़ने और राय की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने का ऐलान किया है।

इसके साथ ही उन्होंने अपना नया सियासी संगठन मिशन पंजाब के गठन की भी घोषणा की है। बता दें कि चढ़ूनी को सियासत में आने के बयानों के कारण पिछले दिनों संयुक्त किसान मोर्चा से निलंबित कर दिया गया था। आंदोलन कर रहे किसान संगठनों ने ऐलान कर रखा है कि उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और सिंघू और टिकरी बार्डर पर आंदोलन के दौरान नेताओं को मंच पर नहीं आने दिया जा रहा है। इसके बावजूद चढ़ूनी सियासत में आने को लेकर खुलकर मुहिम छेड़े हुए हैं। चढ़ूनी ने होशियारपुर के गढ़शंकर में एलान किया कि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में उतरेंगे और सभी 117 सीटों पर प्रत्याशी मैदान में उतारेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले नहीं पंजाब मिशन के बैनर तले पंजाब की 117 सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। जल्द ही मिशन पंजाब का गठन किया जाएगा।

किसान नेताओं से मीटिंग के बाद चढ़ूनी ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अब स्वयं सियासी मैदान पर उतरना होगा। अब तक सभी दलों ने किसानों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है, लेकिन उनके हित में कभी कोई कार्य नहीं किया। चढ़ूनी ने कहा कि 2022 में पंजाब में सरकार बनाने के बाद भारत मिशन के तहत देश में सरकार बनाई जाएगी। उन्होंने कांग्रेस व अकाली दल को किसानों का हितैषी नहीं दुश्मन बताया है। उधर, लुधियाना के खन्ना में किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को पंजाब का सीएम बनाने के पोस्टर लगने के बाद राय की सियासत गर्मा गई है। हालांकि राजेवाल के संगठन ने उने सियासत में आने की संभावना को खारिज किया, लेकिन पिछले काफी समय से इसको लेकर चल रही कयासबाजी को और हवा मिली है। भारतीय किसान यूनियन (राजेवाल) के महासचिव ओंकार सिंह अगौल ने कहा कि पोस्टरों से यूनियन का कोई लेना-देना नहीं है। राजेवाल और यूनियन का मकसद केवल इस आंदोलन को सफल बनाना है।

राजनीति में राजेवाल की कोई रुचि नहीं है। यह विरोधियों की साजिश हो सकती है या राजेवाल के किसी प्रशंसक का उनके प्रति प्यार भी हो सकता है। अटारी (अमृतसर)= किसान आंदोलन में गई कामरेड महिला किसान नेता 84 वर्षीय बीबी राजिंदर कौर की दिल्ली के सिंघु बार्डर पर मौत हो गई। वह अमृतसर जिले के सीमावर्ती गांव महावा की रहने वाली थीं। उनके बेटे कामरेड हरदेव सिंह ने कहा कि गांव महावा से नौ किसान महिलाओं का जत्था 28 जुलाई को दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। उन्होंने बताया कि तीन जुलाई को उनकी मां को गांव लौटना था। इसी बी दो जुलाई को उनकी छाती में अचानक दर्द हुआ। उनको सोनीपत के अस्पताल में दाखिल करवाया गया जहां डाक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। रजिंदर कौर का अंतिम संस्कार गांव मुहावा के श्मशानघाट में कर दिया गया।

# पंजाब में अदाणी लाजिस्टिक्स पार्क बंद होने से आयातक व निर्यातक मुश्किल में, करोड़ों का माल फंसा

**लुधियाना (एजेंसी)।**
तीन कृषि कानूनों के विरोध में जारी किसान आंदोलन के साइड इफेक्ट धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। किला रायकोट में अदाणी ग्रुप का लाजिस्टिक्स पार्क बंद होने के कारण निर्यातक और आयातक मुसीबत में फंस गए हैं। उनका करोड़ों रुपये का माल फंस गया है और इस हालत से निकलने का उनको रास्ता नजर नहीं आ रहा है। लाजिस्टिक्स पार्क के सामने धरने पर बैठे किसान किसी कीमत पर हटने को तैयार नहीं है। इस कारण ड्राई पोर्ट में रखा माल वे नहीं निकाल पा रहे। इससे मशीनें खराब हो रही हैं और उनमें जंग लग रहा है।

अदाणी लाजिस्टिक्स पार्क के बंद होने से 400 से यादा युवा बेरोजगार हो चुके हैं, जबकि सरकार को अब तक 700 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। उद्योगों के ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी 33 फीसद तक बढ़ गया है। दूसरी तरफ आठ माह से बंद इस पार्क के कारण आयातकों और निर्यातकों का करोड़ों रुपये का माल अंदर फंस गया है। किसान गेट पर धरना लगाकर बैठे है। कई बार अपील के बाद भी वे हटने को तैयार नहीं हैं। ड्राई पोर्ट प्रबंधन का कहना कम से कम सौ कंटेनर आयात का माल अंदर अटका है। आयातकों ने कस्टम क्लीयरेंस के अलावा सरकार को ड्यूटी भी जमा करवा दी है। विदेश से सामान मंगवाने के लिए उन्होंने कर्ज लेकर एडवांस पेमेंट भी कर दी है। अब लाखों रुपये का ब्याज पड़ रहा है। ट्रैक्टर पार्ट्स निर्माता बुल फोर्ज के संचालक गगनदीप सिंह आनंद ने युक्रेन से फोर्जिंग मशीन मंगवाई थी। इससे ट्रैक्टर पार्ट्स बनते हैं। इसकी कीमत करीब 20 लाख है। यह पिछले साल दिसंबर में पहुंच गई थी, लेकिन अब तक डिलीवरी नहीं हुई। उन्हें अब तक पांच से सात लाख रुपये का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि मशीन भी काफी खराब हो गई है।

सारी पेमेंट एडवांस में पिछले साल सितंबर में ही कर दी थी। इसके लिए बैंक से कर्ज लिया था। तब से ब्याज पड़ रहा है। किसानों को कई बार मजबूरी भी बताई गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। वहीं, एमके इंपेक्स के संचालक जसकरण सिंह ने एल्यूमीनियम स्क्रैप के दो कंटेनर का आयात कनाडा से किया था। उनका माल 11 दिसंबर को पोर्ट पर पहुंच गया था। इसकी कीमत करीब 70 लाख रुपये है। एडवांस पेमेंट पिछले साल सितंबर में की थी। हर माह 70 हजार रुपये का ब्याज पड़ रहा है। माल खुले में होने के कारण खराब हो रहा है। सोमवार को भी किसानों से मिलने गए थे, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकला। आयातक युवराज ट्रेडर्स के संचालक पंकज कुमार का कहना है कि उन्होंने अमेरिका से करीब 25 लाख रुपये की सीएनसी मशीन मंगवाई थी। यह दिसंबर से अंदर फंसी है। किसानों की मिन्नतें भी की, लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। मशीन अंदर पड़ी-पड़ी खराब हो रही है। अब तक छह-सात लाख रुपये का नुकसान हो चुका है। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

इसलिए सियासी पार्टियां इस मामले को हल करने के बजाय और तूल दे रही हैं। साफ है कि यह विवाद अभी लंबा चलेगा। सरकार किसानों के प्रति शुरू से ही नर्म रुख अपना रही है। विपक्षी दल आप व शिअद भी किसान आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। सिर्फ भाजपा ही विरोध कर रही है, लेकिन उनके नेताओं को लगातार हमले बर्दाश्त करने पड़ रहे हैं। राय में नेशनल व स्टेट हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा भी आठ माह से बंद हैं। यहां काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारी पहले ही नौकरी से हाथ धो चुके हैं। अदाणी ग्रुप के अलावा रिलायंस ग्रुप के प्रतिष्ठानों के बाहर भी किसान धरने दे रहे हैं। 150 से यादा स्टोर्स पर 5500 से अधिक लोग काम करते थे। ये सभी स्टोर्स बंद हैं।

# हरियाणा में एक और चुनाव की तैयारी, पंचायत चुनावो की सरगर्मियां शुरू, सरकार आयोग को लिखेगी पत्र

**चंडीगढ (एजेंसी)।**
हरियाणा में कोरोना संक्रमण कम होने के बाद अब पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि 22 अगस्त के बाद प्रदेश सरकार राज्य चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए चिट्ठी लिखेगी।

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह पहले ही कह चुके हैं कि आयोग चुनाव के लिए तैयार है और जैसे ही प्रदेश सरकार लिखित में अनुरोध करेगी, चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। हाई कोर्ट में विचाराधीन याचिकाओं का भी निपटारा जल्द होने की उम्मीद है। पंचायत चुनावों को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने संसदीय कार्य मंत्री कंवरपाल गुर्जर के निवास पर मंथन बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री मनोहर लाल और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ भी पहुंचे। गुर्जर चुनावों के लिए भाजपा द्वारा गठित पंचायत चुनाव समिति के प्रधान भी हैं। बैठक में इस समिति में कुछ और नए सदस्यों को जोड़ा गया है जो जिलों का कोआर्डिनेशन करेंगे। इस समिति का काम नीचे तक समन्वय स्थापित करना है।

इलेक्शन कमेटी ही यह निर्णय लेगी कि चुनाव सिंबल पर लड़ा जाए या नहीं। बैठक में पंचायत चुनावों और स्थानीय निकाय के चुनावों को लेकर भाजपा की रणनीति पर चर्चा की गई। भाजपा संगठन ने सरकार से सिफारिश की है कि पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ करा लिए जाएं। वहीं स्थानीय निकायों पर चर्चा के लिए बुधवार को परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के निवास पर बैठक बुलाई



गई है। बैठक के बाद हरियाणा भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि हम पंचायत चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। सरकार पूरी तैयारी कर चुकी है। फिलहाल मामला कोर्ट में है। जैसे ही कोर्ट से हरी झंडी मिलेगी, उसके बाद चुनाव कराए जाएंगे। चंडीगढ़ में अलग से प्रशासक लगाए जाने के सवाल पर धनखड़ ने कहा कि हम शुरू से ही चंडीगढ़ पर अपने हिस्से की बात करते आए हैं। उचित अनुपात में हरियाणा के अधिकारी चंडीगढ़ में नियुक्त किए जाते हैं। वही अनुपात होना चाहिए, लेकिन निर्णय केंद्र सरकार को करना है। मुख्यमंत्री को लेकर अमेरिका से आ रही धमकी भरी काल पर उन्होंने कहा कि इस तरह की काल पहले भी आई हैं। हमारी सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस इस तरह के मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

धनखड़ ने कहा कि लोहारू और बल्लभगढ़ में भाजपा द्वारा निकाई गई तिरंगा यात्रा सफल रही है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जब सभी 90 हलकों में यात्रा पूरी हो जाएगी तब प्रदेश में एक अलग ही माहौल होगा। पंचायत चुनावों में वही लोग चुनाव लड़ सकेंगे या मतदान कर सकेंगे जिनका नाम विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची में होगा। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के अनुसार ही पंचायतीराज चुनाव की मतदाता सूची तैयार की जाएंगी। इसी मतदाता सूची को ही वार्ड-वाइज वितरित किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इन भावी चुनावों में मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने से पहले नागरिकों को पहले अपना नाम विधानसभा सूची में दर्ज कराना होगा। उसके बाद ही वह पंचायतीराज संस्थाओं के होने वाले चुनाव की मतदाता सूची में नाम दर्ज किया जा सकेगा। किसी भी उम्मीदवार का सही नाम उसके शैक्षणिक सर्टिफिकेट में दिए गए नाम के आधार पर ही सही माना जाएगा।

opensearch

# बागबानी से भागलपुर के किसानों की आमदनी होगी दोगुनी, 100 हेक्टेयर में आम और 10 हेक्टेयर में लगाए जाएंगे लीची के पौधे

भागलपुर (एजेंसी) । जिले में आम व लीची के बागानों का दायरा बढ़ेगा। इसके लिए उद्यान विभाग किसानों को अनुदानित दर पर पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पपीता, केला और अमरूद की भी सघन बागवानी होगी। किसान अधिकतम एक एकड़ और न्यूनतम 0.1 हेक्टेयर में पौधे लगा सकते हैं। इसके लिए तीन वर्षों तक अनुदान मिलेगा। पहले साल 60 फीसद, दूसरे और तीसरे साल 20-20 फीसद अनुदान मिलेगा। इस साल सौ हेक्टेयर में आम और दस हेक्टेयर में लीची के पौधे लगाए जाएंगे। सौ हेक्टेयर में आम के पौधे लगाने के लिए उद्यान विभाग की ओर से अनुदान दिया जाएगा। एक हेक्टेयर में चार सौ आम के पौधे लगेंगे। एक हेक्टेयर के लिए 50 हजार रुपये अनुदान मिलेगा। दस



हेक्टेयर में लीची के पौधे लगेंगे। एक हेक्टेयर में 496 पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए भी 50 हजार का अनुदान मिलेगा। अमरूद के पौधे पांच हेक्टेयर में लगाए जाएंगे। एक हेक्टेयर में 1111 पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए भी 50 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। पहले साल 30 हजार रुपये और दूसरे और तीसरे साल दस-दस हजार रुपये मिलेंगे।

जिले में 120 हेक्टेयर में केले की खेती होगी। इसके लिए प्रति हेक्टेयर 62 हजार पांच सौ रुपये दिए जाएंगे। पहले साल 75 फीसद यानी 46 हजार 875 रुपये और अगले साल 15 हजार 625 रुपये किसानों को मिलेंगे। 50 हेक्टेयर में पपीते की खेती होगी। इसके लिए भी किसानों को अनुदान मिलेगा। जिले में ग्लेडियोलस, लूज फ्लावर के साथ-साथ औषधीय व सुगंधित पौधे की भी खेती होगी। सौ हेक्टेयर में औषधीय व सुगंधित फूल की खेती होगी। दस हेक्टेयर में ग्लेडियोलस फूल की खेती होगी। 50 हेक्टेयर में लूज फ्लावर की खेती होगी। इसके लिए किसानों को उद्यान विभाग प्रोत्साहित करेगा। अनुदान भी देगा। जिले में गुलाब, जरबेरा, गेंदा, रजनीगंधा, ग्लेडियोलस व अन्य शोभाकारी पौधों की खेती की अपार संभावनाएं हैं। गुलदाउदी, कारनेशन, एंथुरियम, एस्टर एवं बेली चमेली को खेती भी जिले में हो सकती है। यहां की मिट्टी हर प्रकार के फूल के लिए अनुकूल है। सुगंधित पौधों में खस, सिट्रोनेला, लेमन ग्रास, पामारोजा जैसी फसलों की खेती होगी।

औषधीय पौधों की खेती में अधिक-अधिक आमदनी और कम नुकसान होने के खतरे हैं। इन फसलों से विभिन्न अवधि में निरंतर आमदनी की जा सकती है। जिले में ट्रायल के तौर पर एक एकड़ में पाइन एपल की खेती होगी। यह खेती उद्यान विभाग की मदद से होगी। अगर ट्रायल सफल रहा तो अगले वर्ष से इसका रकबा बढ़ाया जाएगा। किशनगंज व पूर्णिया के इलाके में भारी पैमाने पर पाइन एपल की खेती होती है। इसको देखते हुए उद्यान विभाग में भागलपुर में भी इसकी खेती की योजना बनाई है।

## एक नज़र

### बिहार में कोरोना के आंकड़ों पर तेजस्वी यादव का बड़ा बयान, बोले- एक मरीज बताया तो 133 को छिपाया

पटना (एजेंसी) । बिहार में कोरोना संक्रमण को लेकर राजनीति एक बार फिर से तेज हो गई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कोविड से जुड़े मामलों को लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने राज्य में कोरोना संक्रमण से जुड़े मामले छिपाने का आरोप लगाया है। राजद नेता ने कहा कि देशभर में किए गए सीरो प्रिविलेंस में पाया गया है कि बिहार में कोरोना मरीजों का फीसद ज्यादा था। वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर पाया गया है कि कोरोना की दूसरी लहर में बिहार में साढ़े नौ करोड़ वास्तविक कोरोना के मामले हुए। जबकि सरकार के द्वारा मात्र 7 लाख कोरोना मरीजों की बात स्वीकारी गई। गौरतलब है कि बिहार की मौजूदा आबादी लगभग 12.7 करोड़ है। तेजस्वी के दावे के मुताबिक दूसरी लहर के दौरान राज्य में 74 फीसद से अधिक यानी हर चार में से तीन आदमी कोविड से संक्रमित हुआ। तेजस्वी ने कहा कि वास्तविक मामलों और सरकार द्वारा स्वीकार किए गए कोरोना मामलों की तुलना करें तो हम पाते हैं कि बिहार में पूरे देश में सर्वाधिक, 134 गुणा, मामलों को कम कर के रिपोर्ट किया गया यानी बिहार सरकार द्वारा 134 केस में से मात्र एक केस को ही कोरोना पाजिटिव माना गया। उन्होंने इसके लिए राज्य की खराब स्वास्थ्य व्यवस्था को जिम्मेदार बताया है। राजद नेता ने कहा कि सरकार ने लोगों को संकट के समय मरने के लिए छोड़ दिया। तेजस्वी ने कहा कि दूसरी लहर का प्रकोप इतना भयावह था कि नीतीश सरकार लाख कोशिशों के बावजूद भी सच्चाई छिप नहीं सकी। गांव-गांव कोरोना के मरीज मिल रहे थे। दो से तीन फीसद मरीजों को छोड़ दें तो बाकी का टेस्ट भी नहीं हुआ। गांव के 99 फीसद मरीज कभी अस्पताल पहुंचे ही नहीं। बिहारवासियों को सरकार की नाकामी की कीमत अपने स्वजनों की जान देकर चुकानी पड़ी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार को दूसरे कार्य छोड़ स्वास्थ्य क्षेत्र में टाइम बाउंड काम करने होंगे।



### देहरादून एक्सप्रेस से गया जंक्शन पर उतरा यात्री पहुंचा जेल जांच के दौरान बैग में मिला ऐसा कि हुआ गिरफ्तार

गया (एजेंसी) । गया जंक्शन पर मंगलवार को आरपीएफ की टीम ने गश्ती के दौरान एक युवक को खाकी बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में एक नंबर प्लेटफार्म पर बैठा देखा। इस दौरान उसके नजदीक पहुंचने पर घबराने लगा। आरपीएफ सब इंस्पेक्टर सुभाष राम ने बताया कि युवक से पूछताछ किया गया। जिसमें उसने अपना नाम आदित्य वर्मा, पिता दिलीप कुमार वर्मा, मोहल्ला नागदागंज मल्हार टोली थाना सिविल लाइन जिला गया निवासी बताया। उन्होंने बताया कि वह देहरादून एक्सप्रेस के कोच संख्या एस -5 के सीट संख्या 37 से हावड़ा से गया आया है। संदेह होने पर उसके पास रखे खाकी रंग के बैग में रखे सामानों के संबंध में पूछने पर सही जवाब नहीं दिया। जांच के दौरान बैग से 24 केन बीयर आरपीएफ की टीम ने बरामद किया। पूछने पर उसने बताया कि वह हावड़ा से खरीद देहरादून एक्सप्रेस से लेकर आया है। युवक के द्वारा अपराध स्वीकार करने पर मौके पर उपस्थित गवाहों के समक्ष जब्ती सूची बनाकर राजकीय रेल पुलिस गया सुपुर्द किया गया। जहां कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक रामजी लाल बुनकर के नेतृत्व में जंक्शन परिसर से लावारिस अवस्था में तीन बैग से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया। तीनों बैग से 95 टेट्रा पैक, 8 अंग्रेजी शराब की बोतल समेत 5 मैजिक मोमेंट रिमिक्स अंगेजी शराब की बोतल बरामद किया गया। इस मामले में मौके पर उपस्थित गवाहों के समक्ष जब्ती सूची बनाकर राजकीय रेल पुलिस गया सुपुर्द किया गया। जहां कार्रवाई की जा रही है।



### दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त पटना के अयांश के इलाज के नाम पर धंधा शुरू, ठग ने अपने खाते में मंगा लिए पैसे

दानापुर (पटना) (एजेंसी) । दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त अयांश का मसला बिहार विधान मंडल तक उठ चुका है। पटना के रहने वाले अयांश के इलाज के लिए 16 करोड़ रुपयों की आवश्यकता है। इसे देखते हुए जनप्रतिनिधि से लेकर आम लोग तक उसके परिवार के लिए मदद की गुहार लगा रहे हैं। कई लोग मदद के लिए आगे भी आए हैं, लेकिन कुछ लोगों ने इस बच्चे की बीमारी के नाम पर ठगी का धंधा भी शुरू कर दिया है। ऐसा ही मामला सामने आने पर अयांश के पिता ने पुलिस से शिकायत की है। उन्होंने बताया कि किसी अपरिचित ने उनके बच्चे के इलाज के नाम पर अपने खाते में रुपए मंगाने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने ठग का मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। अयांश के पिता आलोक कुमार सिंह इस बाबत लिखित शिकायत रूपसपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानबीन में लगी है। रूपसपुर सौभाग्य शर्मा पथ के सनराईज अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 110-ए निवासी श्री सिंह ने बताया है कि उनके बच्चे के इलाज के लिए 16 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। इसके लिए देश- विदेश से लोग उनके पास फोन पे, गूगल पे और पेटीएम नंबर 9431089721 के माध्यम से सहायता राशि भेज रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे के इलाज के नाम पर किसी व्यक्ति द्वारा जालसाजी कर शिवानी पांडेय के नाम के नाम से बने फेसबुक एकांउट के माध्यम से लगातार उनके बच्चे की डिटेल पोस्ट की गई है। साथ ही बच्चे की मदद के नाम पर जालसाजी कर फोन पे, गूगल पे एवं पेटीएम का दूसरा नंबर (7370822725) देकर पैसा मंगाया जा रहा है।

### शिवहर के शिक्षक ने छात्रा को पढ़ाया ऐसा पाठ कि घर से हो गई फुर्र

शिवहर (एजेंसी)। छात्रा को स्काउट गाइड की ट्रेनिंग देने के बदले शिक्षक ने इश्क का पाठ पढ़ाया। फिर शादी का झांसा देकर छात्रा को ले उड़ा। हालांकि, पुलिस ने छात्रा को बरामद करते हुए आरोपित शिक्षक को दबोच, इस प्रेम कहानी का पटाक्षेप कर दिया है। नगर थाना पुलिस ने पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी शहर में छापेमारी कर शादी की नीयत से छात्रा के अपहरण मामले में आरोपित शिक्षक धनंजय सर्राफ को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं छात्रा को भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपित शिक्षक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। धनंजय सर्राफ मूल रूप से पश्चिमी चंपारण के बेतिया का रहने वाला है। वहीं वह शिवहर जिले के डुमरी कटसरी प्रखंड के श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के गाजीपुर स्थित सरकारी स्कूल में स्काउट एंड गाइड शिक्षक के पद पर तैनात है। बताया गया कि 27 जुलाई को शिवहर नगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली छात्रा अपनी सहेली के साथ स्कूल गई थी। जहां से वह वापस नहीं लौटी। स्वजनों द्वारा लड़की की सहेली से पूछताछ की गई। इसके बाद मामला सामने आया। बताया गया कि छात्रा की सहेली अपने मोबाइल से शिक्षक से छात्रा को बात कराती थी। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसके बाद छात्रा के पिता ने 28 जुलाई को शिवहर नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें स्काउट एंड गाइड शिक्षक धनंजय सर्राफ के अलावा छात्रा की सहेली को भी आरोपित किया था।

## पटना सहित बिहार के 11 जिलों में बारिश व वज्रपात का खतरा, तीन से चार दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

पटना (एजेंसी) । मानसून की ट्रफ लाइन फिलहाल बिहार के दक्षिणी हिस्से से लगते हुए झारखंड से गुजर रही है। इसके असर से झारखंड और बंगाल में अच्छी बारिश हो रही है, वहीं बिहार के कई इलाकों में भी हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश लगातार हो रही है। बुधवार को यानी आज पटना समेत आसपास इलाके में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। आज पटना, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, वैशाली, मुजफ्फरपुर आदि जगहों में मेघ गर्जन, वज्रपात, बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त सूचना के आधार पर अगले तीन से चार दिनों तक राज्य में मानसून सक्रिय रहेगा। मौसम विज्ञानी संजय कुमार ने मौसमी गतिविधियों को देखते हुए बताया कि इन दिनों मानसून की ट्रफ-लाइन जैसलमेर, अलवर, उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश, वाराणसी, पटना, माल्दा, बांग्लादेश से होते हुए अरूणाचल प्रदेश की ओर से अग्रसर है। इसके प्रभाव से आने वाले 24 घंटों में राज्य के पश्चिमी चंपारण, खगडिया, समस्तीपुर, भागलपुर, किशनगंज, अररिया आदि स्थानों पर मेघ गर्जन, आकाशीय बिजली चमकने, वज्रपात व भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इन जगहों को लेकर मौसम विभाग की ओर से मुख्य रूप से अलर्ट जारी किया गया है। वहीं राज्य के शेष स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर की बारिश के आसार हैं। मंगलवार को पटना समेत आसपास इलाकों में धूप निकलने के साथ आकाश में बादल छाए रहे। मौसमी प्रभाव के कारण आज अधिकतम तापमान में दो या तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आएगी। शहरों की तापमान की बात करें तो पटना का अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस, गया का 33.7 डिग्री, भागलपुर का 35.6 डिग्री, पूर्णिया का 34.6, मुजफ्फरपुर का 31 डिग्री, भोजपुर का 36.1 डिग्री, डेहरी का 23.5 डिग्री सेल्सियस रहा। 24 घंटों के दौरान राज्य के अलग-अलग स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। जिसमें शेरघाटी में 102.4 मिमी सबसे अधिक बारिश हुई। वहीं हथवा, कटोरिया में 69.2 मिमी, अहिरवालिया में 38.4 मिमी, औरंगाबाद 35.8 मिमी, जलालपुर 34.4 मिमी, मीनापुर 33.2, मखदुमपुर 26.2 एवं सोनवर्षा में 23.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विज्ञान से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मानसून सीजन में पूरे देश में 641.5 मिमी बारिश सामान्य से 17 फीसद अधिक हुई। जबकि सामान्य बारिश की स्थिति 547.5 मिमी है।

## नक्सल प्रभावित इलाकों में बिखरेगी लेमनग्रास की खुशबू, कभी अफीम की खेती के लिए बदनाम था ये इलाका

गया (एजेंसी) । गया जिले के नक्सल प्रभावित पांच प्रखंड क्षेत्रों में लेमनग्रास की खेती शुरू हुई है। ये पांच प्रखंड हैं बाराचटी, इमामगंज, कोंच, डोभी व बांकेबाजार। झारखंड की सीमा पर बसे बाराचटी व इमामगंज के जंगल क्षेत्र का इलाका अफीम की खेती के लिए कभी बदनाम था। अब उन्हीं इलाकों में लेमनग्रास की खेती शुरू कराई गई है। जिला प्रशासन की पहल पर वन विभाग, उद्यान व कृषि विभाग ने अपना सहयोग दिया है। नक्सल प्रभावित इलाके में खेती के जरिए एक बेहतर बदलाव की कोशिश हुई है। इस पर केंद्र सरकार की विशेष सहायता योजना से राशि खर्च होनी है। लेमनग्रास की खेती से अब तक 55 से 60 किसान जुड़े हैं। कुल 100 एकड़ में लेमनग्रास की खेती की योजना बनी है। अभी तक 40 एकड़ में पहली फसल की बोआई भी हो गई है। बीते 22 जून को जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने किसानों के साथ बाराचटी प्रखंड के जैगीर गांव के अंजनिया टाड़ टोला में बकायदा लेमनग्रास के पौधों की बोआई कर इसका शुभारंभ किया। बाराचटी में 20 एकड़, इमामगंज में 10 एकड़, कोंच व डोभी में पांच-पांच एकड़ व बांकेबाजार में एक एकड़ में फसल लगाई गई है। चार माह में पहली फसल तैयार हो जाएगी। इसके बाद इसके सुगंधित तेल को निकालकर कंपनियों को बेचा जाएगा। लेमनग्रास से निकलने वाला तेल कास्मेटिक्स, साबुन, सैनिटाइजर, तेल और दवा बनाने में इस्तेमाल होता है। भारत समेत अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी जबर्दस्त मांग है। किसानों को खेती से जुड़ी प्रशिक्षण दे रहे राजेश सिंह बताते हैं कि सभी चयनित पांच प्रखंडों में लेमनग्रास की फसल से तेल निकालने वाला यंत्र भी लगाया जाएगा। प्रतिबंधित अफीम की खेती या इसके इस्तेमाल पर रोक है। बाराचटी इलाके में वर्षों से अफीम के तस्कर इसकी खेती कराते रहे। पिछले साल ही वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 400 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया था। अब प्रशासन ने बाराचट्टी प्रखंड के जैगीर पंचायत के इलाकों में 15 एकड़ में व शंखवा, चापी गांव के 5 एकड़ में लेमनग्रास की बोआई की है। जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार बताते हैं कि अफीम की खेती से ध्यान हटाकर वन ग्रामीणों का लेमनग्रास की खेती से जोडना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। करीब ढाई साल तक इसके लिए निरंतर प्रयास किया गया। शुरूआती में वैकल्पिक प्रयास किए गए। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम किए गए। इलाके में अफीम तस्करों का जबर्दस्त प्रभाव था। वे कम पढ़े-लिखे ग्रामीणों को पैसा व प्रलोभन देकर अफीम की खेती करवाते रहे। वन अधिकारी बताते हैं कि साल 2019-20 में जब पहली बार विभागीय स्तर से लेमनग्रास की खेती कराई गई तो तस्करों के बहकावे में आकर गांव वालों ने ही फसल नष्ट कर दिया। फिर भी बदलाव की कोशिश जारी रही। जन जागरूकता पर बहुत जोर दिया गया। इलाके के युवाओं में अफीम को हराना है श्लोगन लिखा हुआ टीशर्ट दिया गया।

## रोहतास में प्रतिबंधित कफ सीरप व बालू लदे तीन वाहन जब्त, यूपी के दो चालक सहित पांच गिरफ्तार

शिवसागर (रोहतास) (एजेंसी) । जिला में अवैध बालू, गिट्टी व शराब तस्करों पर नकेल कसने को ले एसपी आशीष भारती के निर्देश पर इंस्?पेक्टर कुमार धर्मेंद्र सिंह व थानाध्यक्ष गिरीश कुमार के नेतृत्व में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बालू व गिट्टी लदे एक-एक 14 चक्का ट्रक तथा प्रतिबंधित कफ सीरप लदा एक पिकअप वैन को जब्त कर तीन चालक व दो सह चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने के अनुसार एनएच दो स्थित मोर पेट्रोल पंप के समीप से अवैध बालू लदा एक 14 चक्का ट्रक तथा पखनारी गेट स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास से गिट्टी लदा एक 14 चक्का ट्रक को जब्त कर लिया गया है। ट्रक चालक उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर जिला के जगदीशपुर मुस्लिम गांव निवासी अनिल निषाद, गिट्टी लदे ट्रक के चालक कन्हैया यादव ग्राम बरैया थाना नौहट्टा व सह चालक रितेश शिल्पकार ग्राम जलालपुर जिला अंबेडकर नगर यूपी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ट्रक बिना निबंधन के हैं। वहीं एक पिकअप वैन को टोल प्लाजा के पास से जब्त किया गया, जिसपर प्रतिबंधित कोडीन युक्त 1050 पीस कफ सीरप लदा है। पिकअप वैन की सघन जांच में ट्राली के तहखाने से कफ सीरप जब्त किया गया, जो वाराणसी से बंगाल ले जाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि चालक से गहन पूछताछ में पता चला कि ये कफ सीरप नशेड़ी नशा के लिए उपयोग करते हैं। पिकअप चालक अलीम शेख ग्राम तेसिंगापुर, थाना रानी नगर, जिला मुर्शीदाबाद, पश्चिम बंगाल व सह चालक हुमायूं कबीर, पिता ग्यासुदीन, ग्राम काजीपारा थाना रानीनगर जिला मुर्शीदाबाद पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार कर लिया गया। नगर थाना क्षेत्र के रौजा रोड स्थित एक होटल में मंगलवार को पुलिस ने छापेमारी की। हांलाकि छापेमारी के दौरान कोई आपत्तिजनक सामान बरामद होने और संदिग्ध व्यक्ति के पकड़े जाने की सूचना नहीं है। एएसपी अरविंद प्रताप सिंह ने होटल में छापेमारी की पुष्टि की है। एएसपी ने बताया कि होटल में आने जाने व ठहरने वाले व्यक्तियों का नाम और सत्यापन किया गया है। होटल में आने वाले ग्राहक से संबंधित रजिस्टर की जांच की गई है। बताया कि सूचना मिल रही थी कि शहर के कई होटलों में प्रतिबंधित शराब से लेकर कुछ युवक- युवतियों को कुछ घंटों के लिए कमरा उपलब्ध कराया जाता है। इस सूचना का सत्यापन किया जा रहा था।

बताया कि आगामी स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए शहर के होटलों पर विशेष नजर रखी जा रही है कि कोई उपद्रवी या अवांछित तत्व यहां शरण नहीं ले पाएं। एएसपी ने बताया कि शहर के अन्य होटलों की भी जांच की जाएगी।



## गुजरात में ट्रैक पर सेल्फी ले रहा था युवक, ट्रेन से कटकर चली गई जान, ऐसी हालत किसी मां-बाप की न हो

कोचस (सासाराम) (एजेंसी) । प्रखंड के धेनुठा गांव निवासी एक युवक की मौत सेल्फी लेने के चक्कर में गुजरात के वापी में हो गई। इकलौते पुत्र की मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। मां समेत परिवार के सभी सदस्यों की चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया है। जानकारी के अनुसार धेनुठा गांव निवासी अशोक सिंह का 17 वर्षीय पुत्र 11 वीं का छात्र मनीष कुमार अपने दोस्तों के साथ सूरत में काम कर रहे अपने पिता के पास जाने के लिए 11 जुलाई को ही घर से निकला था। इस बीच वह अपने पिता के पास नहीं जाकर गुजरात के वापी चला गया। सोमवार की शाम वह वापी रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर सेल्फी ले रहा था कि विपरीत दिशा से भी ट्रेन आ गई। दोनों तरफ से ट्रेन आते देख घबराहट मे वह वहीं गिर गया और सर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मनीष के साथ गए गोलू ने उसके पिता को दी। मंगलवार को पोस्टमार्टम कर गुजरात पुलिस ने स्वजनों को शव सौंप दी। घटना के बाद मनीष की मां गीता देवी अपने इकलौते पुत्र के वियोग में बार-बार मूर्छित हो जा रही है। प्राथमिक विद्यालय धेनुठा के प्रधान शिक्षक मुन्ना कुमार पांडेय ने बताया कि अशोक ड्क्षसह की तीन पुत्री व एक पुत्र था। मनीष पढने् में बहुत तेज था। उसकी असामयिक मृत्यु से विद्यालय परिवार मर्माहत है। मनीष की मां गीता देवी प्राथमिक विद्यालय की दो बार सचिव भी रह चुकी हैं। गौरतलब है कि सेल्फी लेने के चक्कर में पहले भी कई बड़े हादसे हो चुके हैं।

## किसी भी वक्त जारी हो सकती है बिहार पंचायत चुनाव की अधिसूचना, औरंगाबाद डीएम ने दिए कई निर्देश

मदनपुर ( औरंगाबाद) (एजेंसी) । निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार पंचायत चुनाव के आरक्षण रोस्टर को शत प्रतिशत आनलाइन करें। क्योंकि किसी भी समय पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है। उक्त बातें प्रखंड कार्यालय स्थित बहुद्देशीय भवन में मंगलवार को आगामी पंचायत चुनाव को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम सौरव जोरवाल ने कही। डीएम ने कहा कि शांतिपूर्ण माहौल में पंचायत चुनाव कराने की तैयारी को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया। साथ ही थाना अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्र में धारा 107 के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा सीसीए के तहत प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया । समीक्षा के दौरान जिला अधिकारी ने रूट चार्ट क्लस्टर सेंटर से बूथ की दूरी के बारे में जानकारी ली। बोले कि प्रत्येक बूथ से कम से कम पांच लोगों का नंबर इकठ्ठा करने का निर्देश दिया। बीडीओ,सीओ व थानाध्यक्ष को संयुक्त रूप से मतदान केंद्रों का शत-प्रतिशत सत्यापन करने का कहा गया। राज निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए गए गाइडलाइन के आलोक में कोई छूट गया हो तो उसे सुधार कर संशोधन का प्रस्ताव उपलब्ध कराने को भी कहा गया। बीडीओ को सख्त निर्देश दिया कि जल्द से जल्द पूरी तैयारी कर लें और समय-समय पर सभी कोषांग के प्रभारियों के साथ बैठक करें। उनके सामने जो परेशानी उत्पन्न हो रही है। उसका निराकरण करें। समीक्षा बैठक में एसडीएम डा. प्रदीप कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार सिन्हा, प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद रंजन,सीओ अंजू ड्क्षसह, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ललन प्रसाद सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शशिकांत शर्मा, मदनपुर थानाध्यक्ष आनंद कुमार गुप्ता, सलैया थानाध्यक्ष कमलेश पासवान, सहित सभी कोषांग के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे। आगामी पंचायत चुनाव को लेकर अधिकारियों के द्वारा हर तरह की तैयारियां की जा रही है। विभागीय समीक्षाएं हो रही है। उपनिर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने बताया कि इवीएम मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच शुरु कर दी गई है। मशीन में क्या गड़बड़ी है उसकी जांच हो रही है। हैदराबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के 9 इंजीनियर का दल द्वारा मंगलवार को सच्चिदानंद सिन्हा महाविद्यालय में इसकी जांच की जा रही है। करीब तीन सप्ताह तक यह जांच किया जाएगा। जांच के लिए 30 टेबल बनाया गया है जो सुबह 9 बजे से लेकर शाम सात बजे तक इंजीनियर के द्वारा यह कार्य किया जाएगा। सभी मशीनों की हार्डवेयर की गहनता से जांच हो रही है ताकि मतदान के समय किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो। ड्क्षवडोस्क्रीन एवं बटन की विशेष तरह से जांच की जा रही है। जांच के बाद सभी मशीनों के द्वारा नियमानुसार मॉक पॉल किया जाएगा। पूर्णरुप से संतुष्ट होने के बाद ही मतदान के लिए भेजा जाएगा।




opensearch

# बुसेनाज के खिलाफशिकस्त के साथ लवलीना को कांस्य पदक

तोक्यो (एजेंसी) । भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहेन को बुधवार को यहां महिला वेल्टरवेट वर्ग (69 किग्रा) के सेमीफाइनल में तुर्की की मौजूदा विश्व चौंपियन बुसेनाज सुरमेनेली के खिलाफशिकस्त के साथ ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। ओलिंपिक में पदार्पण कर रही विश्व चौंपियनशिप की दो बार की ब्रॉन्ज मेडल विजेता लवलीना के खिलाफ बुसेनाज ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया और सर्वसम्मति से 5-0 से जीत दर्ज करने में सफल रही। तोक्यो खेलों में यह भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले भारोत्तोलन में मीराबाई चानू ने रजत जबकि बैडमिंटन में पीवी सिंधु ने कांस्य पदक जीता। लवलीना का पदक पिछले नौ वर्षों में भारत का ओलंपिक मुक्केबाजी में पहला पदक है। लवलीना ओलिंपिक मुक्केबाजी प्रतियोगिता फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय मुक्केबाज बनने के लिए चुनौती पेश कर रही थीं लेकिन विश्व चौंपियन बुसेनाज ने उनका सपना तोड़ दिया। भारतीय मुक्केबाज के पास तुर्की की खिलाड़ी के दमदार मुक्कों और तेजी का कोई जवाब नहीं था। इस बीच हड़बड़ाहट में भी लवलीना ने गलतियां की। क्वॉर्टर फाइनल में लवलीना हालांकि चीनी ताइपै की पूर्व विश्व चौंपियन नीन चिन चेन को हराकर पहले ही पदक पक्का कर चुकी थीं। असम की 23 वर्षीय लवलीना ने विजेंदर सिंह (बीजिंग 2008) और एमसी मैरीकोम (लंदन 2012) की बराबरी की। विजेंदर और मैरीकोम दोनों ने कांस्य पदक जीते थे। तुर्की की मुक्केबाज 2019 चौंपियनशिप में विजेता रही थी जबकि उस प्रतियोगिता में लवलीना को कांस्य पदक मिला था। तब इन दोनों के बीच मुकाबला नहीं हुआ था।

## स्वर्ण नहीं जीत पाने से दुखी हूं पर कांस्य का जश्न छुट्टी के साथ मनाऊंगीः लवलीना

तोक्यो (एजेंसी) । अपने पहले ओलंपिक में सिर्फ कांस्य जीतकर वह खुश नहीं है लेकिन भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने बुधवार को कहा कि पिछले आठ साल के उसके बलिदानों का यह बड़ा ईनाम है और अब वह 2012 के बाद पहली छुट्टी लेकर इसका जश्न मनायेंगी। तेईस वर्ष की लवलीना को वेल्टरवेट (69 किलो) सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व चौम्पियन तुर्की की बुसेनाज सुरमेनेली ने 5.0 से हराया। बोरगोहेन ने मुकाबले के बाद कहा ,'' अच्छा तो नहीं लग रहा है। मैने स्वर्ण पदक के लिये मेहनत की थी तो यह निराशाजनक है।'' उन्होंने कहा ,'' मैं अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर सकी। वह काफी ताकतवर थी। मुझे लगा कि बैकफुट पर खेलने से चोट लगेगी तो मैं आक्रामक हो गई लेकिन इसका फायदा नहीं मिला।'' उन्होंने कहा ,'' मैं उसके आत्मविश्वास पर प्रहार करना चाहती थी लेकिन हुआ नहीं। वह काफी चुस्त थी।'' विजेंदर सिंह (2008) और एम सी मैरीकॉम (2012) के बाद ओलंपिक पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय मुक्केबाज बनी लवलीना ने कहा ,'' मैं हमेशा से ओलंपिक में पदक जीतना चाहती थी। मुझे खुशी है कि पदक मिला लेकिन इससे अधिक मिल सकता था।'' उन्होंने कहा ,'' मैंने इस पदक के लिये आठ साल तक मेहनत की है। मैं घर से दूर रही , परिवार से दूर रही और मनपसंद खाना नहीं खाया। लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी को ऐसा करना चाहिये। मुझे लगता था कि कुछ भी गलत करूंगी तो खेल पर असर पड़ेगा। नौ साल पहले मुक्केबाजी में कैरियर शुरू करने वाली लवलीना दो बार विश्व चौम्पियनशिप कांस्य भी जीत चुकी है।उनके लिये ओलंपिक की तैयारी आसान नहीं थी क्योंकि कोरोना संक्रमण के कारण वह अभ्यास के लिये यूरोप नहीं जा सकी। इसके अलावा उनकी मां की तबीयत खराब थी और पिछले साल उनका किडनी प्रत्यारोपण हुआ जब लवलीना दिल्ली में राष्ट्रीय शिविर में थी। लवलीना ने कहा ,'' मैं एक महीने या ज्यादा का ब्रेक लूंगी। मै मुक्केबाजी करने के बाद से कभी छुट्टी पर नहीं गई। अभी तय नहीं किया है कि कहां जाऊंगी लेकिन मैं छुट्टी लूंगी। यह पदक उनके ही लिये नहीं बल्कि असम के गोलाघाट में उनके गांव के लिये भी जीवन बदलने वाला रहा क्योंकि अब बारो मुखिया गांव तक पक्की सड़क बनाई जा रही है। इस बारे में बताने पर उन्होंने कहा ,'' मुझे खुशी है कि सड़क बन रही है। जब घर लौटूंगी तो अच्छा लगेगा। मुक्केबाजी में भारत के ओलंपिक अभियान के बारे में उन्होंने कहा ,'' मेरे भीतर आत्मविश्वास की कमी थी जो अब नहीं है। अब मैं किसी से नहीं डरती। मैं यह पदक अपने देश के नाम करती हूं जिसने मेरे लिये दुआयें की। मेरे कोच, महासंघ, प्रायोजक सभी ने मदद की। उन्होंने राष्ट्रीय सहायक कोच संध्या गुरूंग की तारीफकरते हुए कहा ,'' उन्होंने मुझ पर काफी मेहनत की है। उन्होंने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिये आवेदन किया है और उम्मीद है कि उन्हें मिल जायेगा।

## पकिस्तान के बल्लेज उमर अकमल अब खेल सकेंगे क्लब क्रिकेट

लाहौर (एजेंसी) । पाकिस्तान के बल्लेबाज उमर अकमल को पिछले महीने से क्लब क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गई है। अकमल ने भ्रष्टाचार की गतिविधि में शामिल होने की सूचना नहीं देने के कारण इस साल जुलाई में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से माफी मांगी थी। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को 12 महीने तक प्रतिबंधित कर दिया गया था। पीसीबी ने बुधवार को एक बयान में कहा, आज तक की गई प्रक्रियाओं में, अकमल ने पछतावा दिखाया है। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी गतीविधि में भाग लिया और सुरक्षा और भ्रष्टाचार विभाग द्वारा आयोजित एक सवाल और जवाब सत्र में भाग लिया। पीसीबी ने आगे कहा, उनके प्रतिबंध की अवधी अगले महीने समाप्त होने की उम्मीद है, जिसके बाद वह पाकिस्तान घरेलू क्रिकेट सीजन 2021622 में भाग लेने के योग्य हो जाएंगे। अकमल ने पिछले महीने पीसीबी द्वारा जारी एक वीडियो में कहा था, 17 महीने पहले, मैंने एक गलती की थी जिससे मेरे क्रिकेट और करियर को नुकसान हुआ। मैंने इस समय के दौरान बहुत कुछ सीखा और उस गलती के कारण पाकिस्तान क्रिकेट की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। अब मैं पीसीबी से और दुनिया भर में क्रिकेट प्रशंसकों से क्षमा मांगता हूं। अकमल ने स्वीकार किया कि प्रतिबंध की अवधि उनके लिए बहुत मुश्किल थी।

## आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने वापसी की उड़ान में शराब पीकर बदसलूकी की, प्रतिबंध संभव

तोक्यो (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के रग्बी और फुटबॉल खिलाड़ियों ने तोक्यो से सिडनी लौटने वाली उड़ान में जमकर शराब पी और बदसलूकी भी की जिसकी देश के ओलंपिक दल प्रमुख इयान चेस्टरमैन ने जमकर निंदा की है। चेस्टरमैन ने बुधवार को बताया कि इन खिलाड़ियों ने वापसी की उड़ान में खराब बर्ताव किया और स्टाफकी बात नहीं मानी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने खूब शराब पी और एक ने टॉयलेट में उल्टी भी की। ये खिलाड़ी गुरूवार 29 जुलाई की शाम से ही पार्टी कर रहे थे और शुक्रवार को उन्हें सिडनी रवाना होना था। चेस्टरमैन ने बताया कि जापान एयरलाइन की उड़ान में आस्ट्रेलिया के 49 खिलाड़ी थे। उनके पास इसका ब्यौरा नहीं है कि परेशानी किन खिलाड़ियों ने खड़ी की। उन्होंने यकीन जताया कि आस्ट्रेलियाई रग्बी और फुटबॉल महासंघ उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

## वेस्टइंडीज की धरती पर टी20 क्रिकेट के महान खिलाड़ी ने खेला अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली (एजेंसी) । वेस्टइंडीज की टीम जब मेहमान टीम पाकिस्तान के खिलाफ चौथा टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी तो इससे पहले टॉस के दौरान कैरेबियाई टीम के कप्तान किरोन पोलार्ड ने जानकारी दे दी थी कि उनकी टीम के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो का ये आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच वेस्टइंडीज की सरजमीं पर है। टी20 क्रिकेट का ये महान खिलाड़ी शायद आइसीसी टी20 विश्व कप 2021 के बाद संन्यास लेने जा रहा है। दरअसल, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज का आयोजन हुआ। हालांकि, इस सीरीज का एक ही मुकाबला पूरा हो पाया, क्योंकि तीन मैच बारिश में धुल गए। यहां तक कि सीरीज शुरू में पांच मैचों की थी, लेकिन बाद में इसे चार मैचों की कर दिया गया और चार मैचों में से तीन मैच बारिश में धुल गए। इस तरह कैरेबियाई टीम के उन फैंस को सबसे ज्यादा निराश हाथ लगी होगी, जो ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को आखिरी मैच खेलते हुए नहीं देख पाई। चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले कैरेबियाई टीम के कप्तान किरोन पोलार्ड ने कहा था, अपनी प्रतिभा दिखाने का एक और मौका हमारे पास है।

# अब विश्व चौंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूंः सिंधू



नई दिल्ली (एजेंसी) । ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी पीवी सिंधू ने अभी अपनी सफलता का पूरी तरह से जश्न भी नहीं मनाया है लेकिन फिर भी अपना अगला लक्ष्य तय कर लिया है जो इस साल स्पेन में विश्व चौंपियनशिप खिताब का बचाव करना है।

रविवार को 26 साल की सिंधू लगातार दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय और देश की पहली महिला खिलाड़ी बनी थी। रियो 2016 में रजत पदक के बाद उन्होंने तोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता।

सिंधू ने यहां बातचीत के दौरान कहा, ''निश्चित तौर पर अब तक इन भावनाओं से पूरी तरह से नहीं बाहर निकल पाई हूं लेकिन मैं इस लम्हें का लुत्फउठा रही हूं। यह किसी के लिए भी सपना साकार होने की तरह है। ये ऐसे लम्हें हैं जिन्हें आप हमेशा याद रखते हो।'' उन्होंने कहा, ''ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतना मेरे लिए बड़ी बात है। मुझे यकीन है कि यह अन्य लोगों को प्रेरित करेगा और खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।'' यह पूछने पर कि अब उनका लक्ष्य क्या है, सिंधू ने कहा, ''कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं होने वाली हैं। जल्द ही मैच अभ्यास शुरू करूंगी और अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं। स्पेन में विश्व चौंपियनशिप भी है और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा, ''मैं निश्चित तौर पर 2024 पेरिस ओलंपिक में खेलूंगी लेकिन इसमें काफी समय है। मैं अब इस लम्हें को सहेजकर रखने का प्रयास कर रही हूं।'' महामारी के कारण स्थगित की गई विश्व चौंपियनशिप का आयोजन स्पेन के हुएल्वा में 12 से 19 दिसंबर तक होना है। महामारी के बीच कई टूर्नामेंट रद्द होने के कारण सिंधू को अपने रक्षण पर काम करने का मौका मिला और उन्होंने इस दौरान स्मैश और नेट पर अपने कौशल को निखारा। सिंधू ने कहा, ''मैंने पहले ही वादा किया था कि आपको कुछ नया कौशल और स्ट्रोक देखने को मिलेंगे। मुझे खुशी है कि मैं ओलंपिक में इसे दिखा पाई। मैं अपने कोच पार्क (तेइ-सांग) की आभारी हूं, हमने तकनीक पर कड़ी मेहनत की।'' यह पूछने पर कि ओलंपिकस से पहले अनिश्चितता को देखते हुए क्या चीजें मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थी, सिंधू ने कहा, ''मुझे यकीन है कि ऐसा था क्योंकि महामारी से काफी लोग प्रभावित हुए और हमें लॉकडाउन का सामना करना पड़ा लेकिन मैंने इस समय का इस्तेमाल अपने कौशल और तकनीक पर काम करने के लिए किया।''

उन्होंने कहा, ''फिटनेस बरकरार रखना और ओलंपिक से पहले मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रहना चुनौतीपूर्ण था, जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहते हुए हमें अपना ख्याल रखना था।''

सिंधू ने लगातार बड़े टूर्नामेंटों में पदक जीते। उन्होंने 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के बाद बीडब्ल्यूएफविश्व टूर फाइनल्स में स्वर्ण और रजत पदक जीता। उन्होंने 2019 में खिताब से पहले विश्व चौंपियनशिप में दो रजत और दो कांस्य पदक भी जीते। भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''पिछले पांच साल शानदार रहे, यह शानदार सफर रहा। काफी उतार-चढ़ाव आए लेकिन मैंने काफी कुछ सीखा, काफी चीजों का अनुभव हासिल किया और काफी सुधार किया।'' उन्होंने कहा, ''2016 ओलंपिक काफी अलग थे, वह मेरा पहला ओलंपिक था, कोई अपेक्षा नहीं थी। उस पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी। इस बार काफी उम्मीदें थी और कांस्य पदक जीतना अलग अहसास है।'' सिंधू ने कहा, ''तब ओलंपिक के लिए जाते हुए मैं सामान्य लड़की थी लेकिन इस बार सभी चाहते थे कि मैं जीतूं। इसलिए इस बार काफी अधिक दबाव था।

## पहला प्रयास परफेक्ट था लेकिन फाइनल में सुधार की जरूरतः नीरज

तोक्यो (एजेंसी) । भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने बुधवार को यहां अपने पहले ही प्रयास में 'परफेक्ट थ्रो' के साथ तोक्यो खेलों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने के बाद कहा कि भारत को ट्रैक एवं फील्ड में ओलंपिक का पहला पदक दिलाने की दावेदारी मजबूत करने के लिए उन्हें इस प्रदर्शन को



दोहराते हुए बेहतर दूरी [illegible] करनी होगी।

तेइस साल के [illegible]पड़ा [illegible]6.6[illegible] मीट[illegible] के [illegible] साथ क्वालीफिकेशन [illegible] शी[illegible] पर रहते [illegible] ओलंपिक फाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी बने। चोपड़ा ने स्पर्धा के बाद कहा, ''मैं अपने पहले ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले रहा हूं और काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। वार्म अप के दौरान मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं था लेकिन पहले थ्रो (क्वालीफाइंग दौर में) में मैंने अच्छा कोण हासिल किया और यह परफेक्ट थ्रो थी।'' चोपड़ा हालांकि आत्ममुग्धता का शिकार नहीं हैं और उन्हें पता है कि फाइनल बिलकुल अलग मुकाबला होगा जिसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''यह (फाइनल) बिलकुल अलग अहसास होगा क्योंकि यह मेरा पहला ओलंपिक है। शारीरिक रूप से हम सभी कड़ी ट्रेनिंग करते हैं और तैयार हैं लेकिन मुझे मानसिक रूप से तैयार होने की भी जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अपने थ्रो पर ध्यान देने की जरूरत है और अधिक दूरी के साथ इस प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करूंगा।'' चोपड़ा ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक से पहले तैयारी काफी मुश्किल रही। उन्होंने कहा, ''पिछला साल काफी मुश्किल था क्योंकि हम ओलंपिक के लिए तैयार थे और कोरोना वायरस के कारण सब कुछ बंद हो गया। हम [illegible] थे [illegible] इसके बा[illegible] नियमि[illegible] ट्रेनिंग शु[illegible] क[illegible] हमें प्रत्ये[illegible] दिन [illegible]निंग करने की जरूरत थी इसलिए यह मुश्किल था।'' चोपड़ा ने कहा, ''लेकिन जब जापान ने कहा कि वे ओलंपिक का आयोजन करेंगे तो हम मानसिक रूप से तैयार हो गए और कड़ी ट्रेनिंग की।

opensearch

## राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने बोरगोहेन को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी

नयी दिल्ली (एजेंसी) । अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पूरे देश की नूरे नजर बनी मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की राष्ट्रपति , प्रधानमंत्री से लेकर हर क्षेत्र के लोगों ने जमकर तारीफ की है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया ,'' अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। ओलंपिक की मुक्केबाजी स्पर्धा में आपका कांस्य पदक युवाओं खासकर युवा महिलाओं को चुनौतियों का सामना करके सपने सच करने की प्रेरणा देगा।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया ,'' अच्छा मुकाबला लवलीना बोरगोहेन। मुक्केबाजी रिंग में उनकी कामयाबी से कई भारतीयों को प्रेरणा मिली है। उनकी दृढता और समर्पण प्रशंसनीय है। कांस्य जीतने पर उन्हें बधाई और भविष्य के लिये शुभकामना।'' खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा ,'' लवलीना अपने अपना सर्वश्रेष्ठ पंच लगाया। भारत को आपकी उपलब्धि पर गर्व है। आपने अपने पहले ओलंपिक में तीसरा स्थान हासिल करके पदक जीता। सफर अभी शुरू हुआ है। शाबाश।'' पूर्व खेलमंत्री



किरेन रीजीजू ने लिखा ,'' लवलीना आपने देश को गौरवान्वित किया है। ओलंपिक कांस्य जीतने पर बधाई। हमें आपकी उपलब्धियों पर गर्व है।'' बीसीसीआई सचिव जय शाह ने लिखा ,'' लवलीना बोरगोहेन को कांस्य पदक के लिये बधाई। पहले ओलंपिक में इस तरह के प्रदर्शन से कइयों की प्रेरणास्रोत बन गई है।यह अभी शुरूआत है और आपको लंबा सफर तय करना है।'' बीजिंग ओलंपिक 2008 में देश को मुक्केबाजी में पहला ओलंपिक पदक दिलाने वाले विजेंदर सिंह ने लिखा ,'' मुक्केबाजी में कांस्य। आप पर गर्व है लवलीना।'' ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के इकलौते स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने लिखा ,'' इतनी कठिन उपलब्धि अपने पहले ही ओलंपिक में हासिल करना चमत्कार से कम नहनीं। इससे पता चलता है कि आपको अपने कौशल पर कितना भरोसा था और आपने दबाव को हावी नहीं होने दिया।'' पूर्व हॉकी खिलाड़ी वीरेन रासकिन्हा ने ट्वीट किया ,'' इसमें कोई शक नहीं कि तुर्की की विश्व चौम्पियन बुसेनाज बेहतर मुक्केबाज थी।

# दहिया और दीपक सेमीफाइनल में, पदक दौर के करीब पहुंचे

चीबा (जापान) (एजेंसी) । भारतीय पहलवान रवि दाहिया और दीपक पूनिया ने अपने ओलंपिक अभियान की मजबूत शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां ओलंपिक की कुश्ती स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दहिया का दबदबा इतना था कि उन्होंने 57 किलोवर्ग में दोनों मुकाबले तकनीकी दक्षता के आधार पर जीते। सेमीफाइनल में उनका सामना कजाखस्तान के नूरइस्लाम सानायेव से होगा।

दहिया ने पहले दौर में कोलंबिया के टिगरेरोस उरबानो आस्कर एडवर्डो को 13.2 से हराने के बाद बुल्गारिया के जॉर्जी वेलेंटिनोव वेंगेलोव को 14.4 से हराया।

वहीं पूनिया ने पुरूषों के 86 किग्रा वर्ग में आसान ड्रॉ का पूरा फायदा उठाते हुए पहले दौर में नाइजीरिया के एकेरेकेमे एगियोमोर को मात दी जो अफ्रीकी चौम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने चीन के जुशेन लिन को 6.3 से हराया।

वहीं 19 वर्ष की अंशु मलिक महिलाओं के 57 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में यूरोपीय चौम्पियन बेलारूस की इरिना कुराचिकिना से 2.8 से हार गई। अल्जीरिया के अब्देलहक खेरबाचे को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराने वाले वेंगेलोव के खिलाफदहिया ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुरू से ही दबाव बनाये रखा। चौथे वरीय इस भारतीय पहलवान ने उरबानो के खिलाफ मुकाबले में लगातार विरोधी खिलाड़ी उसके दायें पैर पर हमला किया और पहले पीरियड में 'टेक-डाउन' से अंक गंवाने के बाद पूरे



मुकाबले में दबदबा बनाए रखा। गत एशियाई चौंपियन दाहिया ने उस समय 13-2 से जीत दर्ज की जबकि मुकाबले में एक मिनट और 10 सेकेंड का समय और बचा था। भारतीय पहलवान ने दूसरे पीरियड में पांच टेक-डाउन से अंक जुटाते हुए अपनी तकनीकी मजबूती दिखाई। वहीं 86 किग्रा वर्ग में नाइजीरियाई पहलवान के पास ताकत थी लेकिन पूनिया के पास तकनीक थी और वह भारी पड़ी। लिन के खिलाफहालांकि उन्हें परेशानी पेश आई। उन्होंने 3.1 की बढत बनाई लेकिन लिन ने 3.3 से वापसी की। रैफरी ने थ्रो के लिये दीपक को दो अंक दिये लेकिन चीनी पहलवान ने इसे चुनौती दी और सफल रहे। दस सेकंड बाकी रहते पूनिया ने लिन के नीचे से घुसकर उसके पैर पकड़ लिये और हवा में उछालकर दो अंक के साथ मुकाबला जीत लिया। अब उनका सामना अमेरिका के 2018 विश्व चौम्पियन डेविड मौरिस टेलर से होगा। वहीं एशियाई चौम्पियन अंशु ने शानदार वापसी करते हुए 0.4 से पिछड़ने के बावजूद बेलारूस की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफदो पुश आउट अंक लिये। उसने कुराचिकिना का दाहिना पैर पकड़ लिया लेकिन मूव पूरा नहीं कर सकी। जवाबी हमले पर उसने दो अंक गंवाये लेकिन लड़ती रही। यूरोपीय पहलवान का अनुभव आखिरकर उसके जोश पर भारी पड़ा। अंशु की वापसी अब इस बात पर निर्भर करेगी कि कुराचिकिना कहां तक पहुंचती है। अगर वह फाइनल में पहुंचती है तो अंशु को रेपाशाज खेलने का मौका मिलेगा।

## कोलकाता के लिए बड़ी खुशखबरी, यूएई में दूसरे हाफ में खेलेगा यह स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आइपीएल 2021 का दूसरा हाफ 19 सितंबर से यूएई में खेला जाएगा। इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए अच्छी खबर सामने आई है। कप्तान इयोन मोर्गन ने पुष्टि कर दी है कि वह टूर्नामेंट के 14वें सत्र के दूसरे हाफ में हिस्सा लेंगे। बता दें कि बांग्लादेश के खिलाफ सितंबर-अक्टूबर में होने वाली तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने स्थगित कर दी है। इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान ने यह जानकारी दी है। इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी आइपीएल 2021 के दूसरे हाफ में हिस्सा लेंगे या नहीं? इसे लेकर मोर्गन ने कहा कि यह सभी का निजी फैसला होगा। मोर्गन फिलहाल द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट की ओर से खेल रहे हैं। मंगलवार को उनकी टीम को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स से हार का सामना करना पड़ा। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार इस मैच के बाद उन्होंने पुष्टि की कि आइपीएल के बाकी बचे मैचों में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने आइपीएल में खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ियों के लिए कहा कि बांग्लादेश दौरा स्थगित होने के बाद वे लीग में शामिल होना है या नहीं, यह पूरी तरह से उनका व्यक्तिगत फैसला होगा। मोर्गन ने कहा कि उनका मानना है कि बांग्लादेश से सीरीज खेलना या आइपीएल खेलना दोनों ही खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद होगा। अगर टीम बांग्लादेश जाती तो हम उन परिस्थितियों में खेलते, जो हमारे लिए बिल्कुल अलग होती। वहीं आइपीएल में खेलने के लिए यूएई जाते हैं तो उन्हें इस साल होने वाले टी20 विश्व कप जैसे हालात में खेलने का मौका मिलेगा। बांग्लादेश से सीरीज स्थगित होने के बाद अगर कुछ खिलाड़ी आराम करना चाहते हैं , तो वे ऐसा कर सकते हैं। पिछले महीने, बीसीसीआइ ने यूएई में होने वाले आइपीएल 2021 के बाकी मैचों के कार्यक्रम की घोषणा। 27 दिनों की अवधि में कुल 31 मैच खेले जाएंगे।

# नीरज चोपड़ा तोक्यो ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में, शिवपाल बाहर

तोक्यो (एजेंसी) । भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग में बुधवार को यहां शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई लेकिन उनके हमवतन शिवपाल सिंह लचर प्रदर्शन करते हुए पदक की दौड़ से बाहर हो गए।

ओलंपिक में पदार्पण कर रहे चोपड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में भाले को 86.65 मीटर की दूरी तक फेंककर 83.50 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और भारत के लिए पदक की उम्मीद जगाई।

एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चौंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद अपने बाकी दो प्रयास नहीं करने का फैसला किया। क्वालीफिकेशन में तीन प्रयास का मौका मिलता है जिसमें से सर्वश्रेष्ठ प्रयास को गिना जाता है। पूर्व विश्व जूनियर चौंपियन चोपड़ा ग्रुप ए और ग्रुप बी में 32 खिलाड़ियों में शीर्ष पर रहे। उनका निजी और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.07 मीटर है जो उन्होंने मार्च 2021 में पटियाला में इंडियन ग्रां प्री 3 में बनाया था।

शिवपाल ने हालांकि निराश किया। वह अपने पहले प्रयास में 76.40 मीटर, दूसरे में 74.80 मीटर और तीसरे प्रयास में 74.81 मीटर की दूरी ही तय कर पाए और ग्रुप बी में 16 खिलाड़ियों के बीच 12वें और कुल 27वें स्थान पर रहे।

शिवपाल 86.23 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ और 81.63 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आसपास भी नहीं पहुंच पाए।

ग्रुप ए से रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे और तोक्यो खेलों में खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे जर्मनी के योहानेस वेटेर (85.65 मीटर) और फिनलैंड के लेसी एटलेटालो (84.50 मीटर) भी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहते हुए स्वतः क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और 2017 के विश्व चौंपियन वेटेर ने अपने तीसरे और अंतिम प्रयास जबकि लेसी ने पहले ही प्रयास में फाइनल में जगह बनाई। एटलेटालो का यह प्रयास उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वेटेर ने इससे पहले कहा था कि चोपड़ा के लिए ओलंपिक में उन्हें हराना मुश्किल होगा लेकिन क्वालीफिकेशन में भारतीय खिलाड़ी जर्मनी के खिलाड़ी पर भारी पड़ा। ग्रुप बी से पाकिस्तान के अरशद नदीम (85.16 मीटर), चेक गणराज्य के याकुब वादलेच (84.93 मीटर) और जर्मनी के जूलियन वेबर (84.41 मीटर) स्वतः क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने में सफल रहे। भारतीय सेना के चोपड़ा की ओलंपिक की तैयारियां 2019 में कोहनी की चोट और फिर कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित हुई थी लेकिन उन्होंने अपने प्रशंसकों को बिलकुल निराश नहीं किया और ओलंपिक में अपनी पहली ही थ्रो पर फाइनल में जगह बना ली। वह ओलंपिक से पहले सिर्फ तीन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे। इसमें कुआर्टेन खेल ही विश्व स्तरीय प्रतियोगिता थी जहां चोपड़ा तीसरे स्थान पर रहे थे जबकि वेटेर ने खिताब जीता था। भाला फेंक में ग्रुप ए और ग्रुप बी से 83.50 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने वाले खिलाड़ियों सहित शीर्ष 12 खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई। फाइनल सात अगस्त को होंगे। ओलंपिक स्टेडियम में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला और चोपड़ा के बायो-मैकेनिक्स विशेषज्ञ क्लॉस बार्टोनीट्ज सहित भारतीय एथलेटिक्स दल देश के खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई के लिए मौजूद था।

## बड़े पर्दे के लिए जादुई मनोरंजन देने का वादा करता है...

# 'बेलबॉटम' का ट्रेलर

**नई दिल्ली.ओपन सर्च**

पूजा एंटरटेनमेंट की जासूसी थ्रिलर 'बेलबॉटम' का स्लीक ट्रेलर रिलीज हो गया, जिसके चारों तरफ ब्लॉकबस्टर लिखा हुआ है। 19 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज होने जा रही अक्षय कुमार की यह फिल्म 2डी और 3डी फॉर्मेट में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जहां फिल्म की नाटकीय रिलीज की खबर ने उद्योग के साथ-साथ दर्शकों को भी खुश किया है, वहीं इसके ट्रेलर ने प्रशंसकों के उत्साह के स्तर को कई पायदान ऊपर उठा दिया है। उल्लेखनीय है कि 'बेलबॉटम' एक जासूसी ड्रामा है, जिसके जरिये फिल्म उद्योग की किस्मत को दुबारा जीवन मिलने की उम्मीद की जा रही है। 'बेलबॉटम' की टीम ने दिल्ली के पीवीआर प्रिया में फिल्म का हॉट ट्रेलर लॉन्च किया। पीवीआर प्रिया



भले ही एक सिंगल स्क्रीन थियेटर है लेकिन यही पीवीआर मल्टीप्लेक्स का जन्मस्थान भी था, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ट्रेलर लांच का यह कार्यक्रम बड़े पर्दे के मनोरंजन की स्थायी विरासत का स्वागत करने के लिए बेहद उल्लासमय अवसर था।

यह एड्रेनालाइन-पैक ट्रेलर 'बेलबॉटम' की अनूठी कहानी के साथ विश्वस्तरीय एक्शन, रेट्रो स्वैग, एक फुट-टैपिंग बैकग्राउंड स्कोर, बड़े पैमाने पर उत्पादन मूल्यों और अक्षय कुमार के एक्शन से भरपूर एक अनोखी कहानी बताने एवं भरपूर मनोरंजन करने का वादा करता है। वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी द्वारा निर्मित एवं रंजीत एम. तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'बेलबॉटम' में अक्षय कुमार के अलावा वाणी कपूर, लारा दत्ता और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

## 'तानाजी' के बाद मराठी सिनेमा में धमाकेदार डेब्यू करने जा रही हैं इलाक्षी

बॉलीवुड में अपना नाम बनाना कोई आम बात नहीं हैं। इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए आपको लगातार काम करना पड़ता है। ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं इलाक्षी गुप्ता। इलाक्षी हमें अजय देवगन की फिल्म तानाजीः द अनसंग वॉरियर में नजर आई थीं। इस फिल्म को बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी सफलता हासिल हुई थी। जिस वजह से एक्ट्रेस खूब चर्चा में आ गई थीं। ऐसे में अब खबर है कि इलाक्षी अब बॉलीवुड में बाद मराठी सिनेमा में डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इलाक्षी ने तानाजीः द अनसंग वॉरियर से ही बॉलीवुड में डेब्यू किया था। जिसके बाद अब वो मराठी फिल्म में नजर आने वाली हैं। तानाजीः द अनसंग वॉरियर में एक्ट्रेस हमें शिवजी राजे सोइरा बाई की भूमिका निभाते हुए नजर आई थीं। आपको बता दें, एक्ट्रेस की अगली फिल्म का नाम 'भ्रम' है। जहां इस फिल्म का निर्देशन





वैभव लोंधे करने जा रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस हमें इस फिल्म में हमें कई प्रसिद्ध मराठी अभिनेताओं के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगी। फिल्म के नाम से ही पता लगता है कि ये फिल्म सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होगी। देखना मजेदार होगा कि एक्ट्रेस इस फिल्म में अपनी भूमिका को किस तरज से निभाती हैं, और ये फिल्म दर्शकों को कितनी पसंद आती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो इलाक्षी गुप्ता इन दिनों कई नई फिल्मों की तलाश में भी हैं। जहां एक्ट्रेस हमें बहुत जल्द अपनी फिल्म लव यू शंकर में भी दिखाई देंगी।

एक्ट्रेस के पास कई और भी मराठी फिल्में हैं जिनके लिए उन्हें चुना गया है। आपको बता दें, एक्ट्रेस इन दिनों सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। जहां से वो लगातार अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। सोशल मीडिया की मदद से एक्ट्रेस अपने काम को कई लोगों तक पहुंचा रही हैं।

# बिकिनी पहनकर पूल में उतरीं संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की बेटी त्रिशाला भले ही फिल्म इंडस्ट्री की चकाचौंध से दूर रहती हों। लेकिन त्रिशाला पॉपुलर स्टार किड्स में से एक हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम फोटोज़ आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। त्रिशाला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोज़ इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में संजय दत्त की बेटी ने अपने इंस्टा पर एक सिज़लिंग सी फोटो शेयर की है जिसमें वो काफी अट्रेक्टिव लग रही हैं। इस फोटो में त्रिशाला बिकिनी पहने स्वीमिंग पूल में खड़ी नज़र आ रही हैं। फोटो में दिख रहा है कि त्रिशाला ने यैलो कलर की बिकिनी पहनी हुई है और वो स्वीमिंग पूल के किनारे खड़े होकर मुस्कुरा रही हैं। उनके आसपास का नज़ारा भी काफी खूबसूरत दिख रहा है। त्रिशला की इस फोटो पर लोग तो कमेंट कर उनकी तारीफ कर ही रहे हैं। इसके साथ ही उनकी सौतेली मां मान्यता दत्त ने भी फोटो पर कमेंट कर उनकी तारीफ की है। मान्यता ने कमेंट करते हुए लिखा, खूबसूरत...। आपको बता दें कि आमतौर पर फेमस स्टार्स के बच्चे एक्टिंग को अपना करियर चुनते हैं, लेकिन त्रिशाला ने ऐसा नहीं किया है उन्होंने एक आम इंसान की तरह साइकोथैरेपिस्ट बनने की पढ़ाई और आज वो न्यूयॉर्क में साइकोथैरेपिस्ट हैं। संजय दत्त भी नहीं चाहते थे कि त्रिशाला बॉलीवुड में आएं और हीरोइन बनें। साल 2016 में अपनी फिल्म 'भूमि' के प्रमोशन के दौरान जब संजय दत्त से एक पत्रकार ने पूछा था कि, क्योंकि आपकी यह फिल्म बाप-बेटी की कहानी कहेगी तो आपको त्रिशाला और अदिति में एक बेटी के तौर पर क्या-क्या समानता दिखीं?

opensearch

## काइली जेनर गोल्ड डस्ट बॉडी पेंट वाली फोटो में झिलमिलाई

काइली जेनर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर सिर से पैर तक गोल्ड डस्ट में रंगी हुई अपनी एक तस्वीर साझा की। काइली ने खुद को टॉपलेस दिखाते हुए एक तस्वीर साझा की, जो सोने की बिकिनी बॉटम्स के साथ गोल्ड डस्ट में रंगी हुई थी। स्मोकी आई लुक, गोल्ड हूप्स और फुल ब्लोआउट ने उनके गोल्डन लुक को कम्पलीट किया। काइली ने 10 अगस्त को अपने 24वें जन्मदिन के संदर्भ में पोस्ट साझा किया। वह अपने जन्मदिन पर अपने ब्यूटी ब्रांड के लिए 24,000 गोल्ड थीम वाला संग्रह लॉन्च करेंगी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, आह ! मेरा जन्मदिन 8 दिनों में है! और निश्चित रूप से मुझे एक और उदय संग्रह के साथ जश्न मनाना था! मेरे 24वें जन्मदिन के लिए 24,000 सोने की थीम 10 अगस्त को लॉन्च हो रही है। मैं कल इस संग्रह को अपने पर प्रकट करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती! बने रहें एटदरेटकाइलीकॉस्मेटिक।

## राजवीर ने खुलासा किया कि कैसे हेमा मालिनी ने एक दुआ की शूटिंग के दौरान उन्हें प्रोत्साहित किया

नवीनतम डिजिटल फिल्म एक दुआ में ईशा देओल तख्तानी के साथ अभिनय करने वाले अभिनेता राजवीर अंकुर सिंह ने खुलासा किया है कि कैसे ईशा की मां, अनुभवी अभिनेत्री हेमा मालिनी शूटिंग के दौरान सेट पर आती थीं और वह उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए क्या कहती थीं। राजवीर ने आईएएनएस को बताया, हेमाजी कई बार सेट पर आई, वह बहुत विनम्र, अच्छी और प्रेरक व्यक्ति हैं। हेमाजी से मिलना बहुत अच्छा रहा है। उनके पास कहने के लिए हमेशा दयालु शब्द होते हैं। सबसे अच्छी बात यह थी कि जब उन्होंने मुझसे कहा कि आपके करियर के लिए शुभकामनाएं यंग मैन।

यह बहुत खास था और मैं इसे अपने दिमाग में रखूंगा। मैं कड़ी मेहनत करूंगा और हर संभव तरीके से उन्हें गौरवान्वित करने की कोशिश करूंगा ईशा देओल तख्तानी एक दुआ के लिए निमार्ता बनी हैं और मुख्य भूमिका में भी हैं। ईशा के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, राजवीर ने कहा कि एक सह-अभिनेता के रूप में ईशा अभूतपूर्व है। वह पहले दिन से मेरे साथ अच्छी रही है जब मैं उससे रिहर्सल के लिए मिला था। वह बहुत गर्मजोशी से स्वागत करने वाली है। अगर हम कहीं फंस गए , अगर मुझे किसी मदद की जरूरत होती, तो उन्होंने हमेशा मेरी मदद की। वह एक अच्छी अभिनेत्री, एक दयालु आत्मा और एक अद्भुत माँ है। राम कमल मुखर्जी निर्देशित फिल्म एक दुआ कन्या भ्रूण हत्या के मुद्दे को संबोधित करती है।

सामाजिक बुराई पर अपनी राय साझा करते हुए, अभिनेता ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे मैं अपनी कल्पना में भी नहीं समझ सकता, लेकिन ऐसा होता है और यह बहुत दुखद है। इसलिए, ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना खुशी की बात है जो इस तरह की चीजों को उठाती है। उन्होंने कहा कि एक छह साल की बेटी का पिता होने के नाते, मैं कह सकता हूं कि यह फिल्म आपकी आत्मा को छू जाएगी। इसमें एक संदेश है, जो हमारे समाज में इस समय बहुत प्रासंगिक है। मैं सिर्फ इसका हिस्सा बनना चाहता था। यह फिल्म संदेश देती है क्योंकि मैं अपनी बेटी से प्यार करता हूं और मुझे पता है कि मुझे उस पर कितना गर्व है। वह दुनिया की सबसे आश्चर्यजनक चीज है, वास्तव में, सभी बेटियां अद्भुत होती है।

## भोजपुरी के दबंग स्टार संग्राम सिंह पटेल ने लोगों से थिएटर जाकर फ़िल्म देखने की अपील की, कहा - इससे होगा भोजपुरी का विकास

### जनता की भावनाओं से जुड़ी है फ़िल्म बलमुआ नदिया पार के : संग्राम सिंह पटेल

**मुम्बई.ओपन सर्च**

14 साल बाद फिर से भोजपुरी पर्दे की ओर लौटे दबंग स्टार संग्राम सिंह पटेल इन दिनों यूपी के लखनऊ में अपनी अपकमिंग फ़िल्म बलमुआ नदिया पार के को शूटिंग में जोर शोर से लगे हुए हैं। फ़िल्म दिवाली तक रिलीज होगी, लेकिन उससे पहले संग्राम सिंह पटेल ने कहा कि यह फ़िल्म जनता की भावनाओं से जुड़ी फ़िल्म है। जहां आज कल भोजपुरी में एक ही तरह की फिल्में बन रहीं हैं, वहीं इस फ़िल्म की मेकिंग काफी अलग है। यह दर्शकों को खूब पसंद भी आने वाली है। संग्राम सिंह पटेल ने कहा कि भोजपुरी दर्शकों की संख्या आज 27 करोड़ से भी ज्यादा है। लेकिन दुर्भाग्य है कि भोजपुरी के दर्शक थिएटर तक नहीं जाते। जब तक लोग थिएटर तक नहीं जाएंगे, भोजपुरी को सम्मान कहाँ से मिलेगा। वहीं साउथ में लोग दिनभर काम करके फिर रात में पूरे परिवार के साथ थिएटर में फ़िल्म देखते हैं। हमारी कोशिश भी यही है कि हम



लोगों को थिएटर तक लाएं। उन्होंने वल्गरिटी को लेकर कहा कि कुछ चीजें रही हैं, जिससे भोजपुरी बदनाम रहा है। मगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सख्त हिदायत दे रखी है और अब मेकर्स भी अच्छी फिल्में बना रहे हैं। उन्होंने फ़िल्म के टाइटल को लेकर कहा कि भोजपुरी में टाइटल का बहुत अभाव रहा है। इसलिए आजकल हिंदी फिल्मों के टाइटल लेकर फ़िल्म बनाये जा रहे हैं। लेकिन हमारी फ़िल्म का टाइटल बलमुआ नदिया पार के प्योर भोजपुरी फील देने वाला है। यह दर्शकों को पसन्द भी आएगी। संग्राम ने बताया कि फि में उनका किरदार एक गरीब ऑटो वाले का है, जो लोगों के दिलो को छू लेगा। उन्होंने कहा कि फ़िल्म की शूटिंग लगभग एक महीने चलेगी और इस फ़िल्म के निर्माता धर्मेंद्र तिवारी व नौशाद अली राहत हैं। निर्देशन संदीप मिश्रा कर रहे हैं। पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं।

## भाग्य लक्ष्मी के लिए रोहित सुचांती ने एक महीने में घटाया 7 किलो वजन

नवीनतम टीवी शो भाग्य लक्ष्मी के अभिनेता रोहित सुचांती ने खुलासा किया कि उन्हें सिर्फ एक महीने के भीतर 7 किलो वजन कम करके अपनी भूमिका के लिए आकार में आना पड़ा! उसी के बारे में बात करते हुए, रोहित ने आईएएनएस से कहा, मैं थोड़ा अनफिट था और वास्तव में जल्दी से आकार में आ गया था। मैंने भूमिका के लिए एक महीने में लगभग 7 किलोग्राम वजन कम किया। जब मैंने ऑडिशन दिया था तब से अब तक जब मैं भूमिका निभा रहा हूं।



अपने वजन घटाने की यात्रा को साझा करते हुए, अभिनेता ने कहा, मैंने रोजाना लगभग तीन घंटे वर्कआउट किया। सुबह-सुबह, मैंने साइकिल चलाने या दौड़ने जैसी कार्डियो एक्सरसाइज की। दोपहर या शाम को, मैंने वेट ट्रेनिंग की, जिससे मुझे अपना वजन कम करने में मदद मिली, मैं जो अतिरिक्त पाउंड ले जा रहा था। इसके अलावा, मैंने बहुत सख्त उच्च प्रोटीन आहार और 16 घंटे के लिए रुक-रुक कर उपवास किया, जिससे मदद मिली। रोहित भाग्य लक्ष्मी में ऋषि ओबेरॉय नाम के एक युवा उद्योगपति की भूमिका निभा रहे हैं। अपने ऑन-स्क्रीन चरित्र के साथ जो समानताएं साझा करते हैं, उस पर खुलते हुए, अभिनेता ने कहा कि, मेरा चरित्र एक अमीर उद्योगपति का है। वह जीवन में बहुत प्रेरित है और अपने काम से प्यार करता है। मैं एक प्रेरित व्यक्ति भी हूं और इस किरदार के लिए इससे संबंधित हो सकता हूं। जब काम की बात आती है, तो मैं अपना 100 प्रतिशत देता हूं। मैं भाग्य में भी विश्वास नहीं करता, मैं अपनी मेहनत से अपना भाग्य खुद लिख सकता हूं, मुझे विश्वास है। जिंदगी में कुछ ऐसा करना अच्छा लगता है जो आप वास्तव में हैं! युवा टीवी से हटकर ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर जा रहे हैं। क्या उनका नया शो इस भीड़ को टीवी पर वापस खींच सकता है? रोहित ने कहा कि, बहुत सारे लोग, यहां तक कि मेरे कुछ दोस्त भी कहते हैं कि ओह हम केवल ओटीटी प्लेटफॉर्म देखते हैं।

## श्रेयस तलपड़े ने साझा किए सिनेमा हॉल, ओटीटी के फायदे और नुकसान

अभिनेता श्रेयस तलपड़े का मानना है कि सिनेमा हॉल और ओटीटी दोनों का अपना अनूठा स्थान है और यह एक-दूसरे पर हावी नहीं होंगे। उन्होने कहा, हर चीज का अपना स्थान होता है। मूवी थियेटर का अपना जादू होता है। यह सप्ताहांत पर लोगों के लिए परिवार के साथ फिल्में देखने के लिए एक तरह का उत्सव है। लोग सिनेमाघरों में फिल्में देखना पसंद करते हैं और देखना जारी रखेंगे। थिएटरों की जरूरत है खुला है और मनोरंजन के मामले में किसी तरह की सामान्य स्थिति होनी चाहिए जो कभी मरने वाली नहीं है। श्रेयस ने आईएएनएस को बताया,मुझे लगता है कि ओटीटी एक ऐसी चीज है जिसकी लोगों को एक साथ आदत हो रही है। यह अब आदत की बात हो गई है। क्या सिनेमाघर खुलते ही ओटीटी का जादू चलेगा? इसी तरह की बातें जब टीवी आती थीं, तब वीसीडी, सीडी और डीवीडी थे और अब नवीनतम ओटीटी है। अभिनेता ने कुछ समय पहले प्रदर्शन कला पर अपना ओटीटी प्लेटफॉर्म नाइन रास नाम से पेश किया था। उनका ऐप डिजिटल स्पेस के लिए नाटकों, स्किट, नृत्य और संगीत और अन्य प्रदर्शन कलाओं का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि, ओटीटी निश्चित रूप से एक लत है। आप 24 घंटे के लिए मूवी थियेटर या टीवी नहीं देखेंगे। लेकिन यह आपका फोन है कि किसी भी तरह 24 घंटे आपके साथ रहेगा। दुर्भाग्य से, महामारी की स्थिति के कारण, हम एक तरह से अकेले हो गए हैं। जबकि पहले हम मेलजोल करते थे, ऐसा नियमित रूप से नहीं हो रहा है। इसलिए हम मनोरंजन चाहते हैं। फिर हम अपने फोन से



चिपके रहते हैं। हम वेब सीरीज देखना शुरू करते हैं। हम एक सीजन खत्म करते हैं और अगले सीजन का इंतजार करते हैं। अभिनेता ने आज के समय में हर ओटीटी प्लेटफॉर्म को सफल बनाने के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने आईएएनएस को बताया, आपको क्यों लगता है कि इतने सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म हैं और वे सभी अच्छा कर रहे हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आपके पास कंटेंट होता है, तो आप इसे बिंग वाच करते हैं, इसे खत्म करते हैं और अगले पर चले जाते हैं। यही वह जगह है जहां ओटीटी अच्छा स्कोर कर रहा है। क्योंकि मिलेनियल्स अपने फोन सेट से जुड़े हुए हैं, वे सिर्फ और ज्यादा कंटेंट देखना चाहते हैं। आज के युग और समय में फोन की लत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि, हम इस हद तक चले गए हैं कि हर दिन हर कोई लगातार अपने फोन की जांच कर रहा है। हम देखते रहते हैं कि क्या कोई संदेश आया है, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर नया क्या है। हम हर पांच मिनट में एक नई चीज के लिए अपने फोन की जांच करते हैं। लोग अभी भी अपने फोन पर कुछ कंटेंट ढूंढ रहे हैं। सभी कंटेंट किसी न किसी के साथ क्लिक करता है। अभिनेता ने साझा किया कि, उन्हें कुछ ओटीटी परियोजनाओं की पेशकश की गई है, हालांकि, वह अभी भी उन पर विचार कर रहे हैं। श्रेयस ने कहा कि, हालांकि, गोलमाल के अभिनेता की झोली में आने वाले बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली फिल्मों की भरमार है। रोहित शेट्टी की गोलमाल 5 की शूटिंग की योजना इस साल के लिए बनाई गई थी, लेकिन महामारी के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया है।